



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 22]

मई दिल्ली, शनिवार, मई 29, 1976/ज्येष्ठ 8, 1898

No. 22] NEW DELHI, SATURDAY, MAY 29, 1976/JYAISTHA 8, 1898

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)
PART II—Section 3—Sub-section (i)

(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और (संघ राज्य क्षेत्र प्रशासनों को छोड़कर) केन्द्रीय प्राधिकारियों द्वारा विधि के अन्तर्गत बनाए और जारी किए गये साधारण नियम
जिनमें साधारण प्रकार के प्रावेश, उपनियम आदि सम्मिलित हैं।

General Statutory Rules (including orders, bye-laws etc., of a general character) issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by Central Authorities (other than the Administrations of Union Territories)

मंत्रिमण्डल सचिवालय
(कार्यालय और प्रशासनिक सुधार विभाग)
नई दिल्ली, 20 अप्रैल, 1976

सां० कां० नि० 719.—मंत्रिमण्डल के अनुच्छेद 309 के परन्तु द्वारा प्रवर्त्तन शक्तियों का प्रयोग करते हुए राष्ट्रपति केन्द्रीय सचिवालय सेवा नियम 1962 और में संशोधन करने के लिए एनदब्ल्यूआर निम्नलिखित नियम बनाते हैं, प्रथात् :—

1. (1) इन नियमों का नाम केन्द्रीय सचिवालय सेवा दिवसीय संशोधन नियम, 1976 है।

(2) ये नियम सरकारी राजपत्र में इनके प्रकाशित होने की तारीख से प्रवृत्त होंगे।

2. केन्द्रीय सचिवालय सेवा, नियम 1962 की पहली अनुसूची में क्रम संख्या 12 पर “गृह मंत्रालय” में सम्बद्धित प्रविष्टियों में, कालाम 3 में वी गई प्रविष्टियों के बावजूद निम्नलिखित प्रविष्टि जोड़ दी जाएगी, प्रथात्,—
“(xi) राजभाषा विभाग”

[मंस्त्रा 21/37/75-के० से० (1)(i)]

के० श्री० नायर, अवर मंत्रिय

(1403)

[No. 21/37/75-CS(I)(i)]

K. B. NAIR, Under Secy.

विधि, न्याय और कम्पनी कार्य मंत्रालय
(विधायी विभाग)

नई दिल्ली, 5 मई, 1976

सा० का० नि० 720.—राष्ट्रपति, संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, राजभाषा (विधायी) आयोग (वर्ग 4 पद) भर्ती नियम, 1975 में संशोधन करते के लिए निम्नलिखित नियम बताते हैं, प्रथात् :—

1. (1) इन नियमों का नाम राजभाषा (विधायी) आयोग (वर्ग 4 पद) भर्ती (संशोधन) नियम, 1976 है।
- (2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. राजभाषा (विधायी) आयोग (वर्ग 4 पद) भर्ती नियम, 1975 से उपरान्त अनुसूची में चपरानी के पद से सम्बन्धित क्रम सं० 3 के सामने की प्रविष्टियों में—

(i) स्तम्भ 10 में, विद्यमान प्रविष्टि के स्थान पर निम्नलिखित प्रविष्टि रखी जाएगी. प्रथात् :—

“75 प्रतिशत सीधी भर्ती द्वारा और 25 प्रतिशत स्थानान्तरण द्वारा”।

(ii) स्तम्भ 11 में, विद्यमान प्रविष्टि के स्थान पर निम्नलिखित प्रविष्टि रखी जाएगी, प्रथात् :—

“ऐसे आड़कूरों/फराणों/चौकीदारों के स्थानान्तरण द्वारा जिनकी 5 वर्ष की सेवा हो, जो स्तम्भ 7 में यथावत्ति सीधी भर्ती के लिए विहित प्रहृतात् न रखते हों, किन्तु जो प्रारंभिक अक्षर-ज्ञान रखते हों और हिन्दी पढ़ सकने की योग्यता का प्रमाण दें और जो माध्यारण लिखित परीक्षा भी पास कर लें”।

[ए० 12022/3/74-प्रशा० II(वि० नि०)]

एच० सी० वर्मानी, अवर सचिव

MINISTRY OF LAW, JUSTICE AND COMPANY

AFFAIRS

(Legislative Department)

New Delhi, the 5th May, 1976

G.S.R. 720.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules to amend the Official Language (Legislative) Commission (Class IV Recruitment Rules, 1975, namely :—

1. (1) These rules may be called the Official Language (Legislative) Commission Class-IV Posts) Recruitment (Amendment) Rules, 1976.
- (2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the Schedule annexed to the Official Language (Legislative) Commission (Class IV Posts) Recruitment Rules, 1975 in the entries against Serial No. 3 relating to the post of Peon—

(i) In column 10, for the existing entry, the following entry shall be substituted, namely :—

“75 per cent by direct recruitment and 25 per cent by transfer”

(ii) in column 11, for the existing entry, the following entry shall be substituted, namely :—

“By Transfer of Sweepers/Farashes/Chowkidars with 5 years service, who do not possess the qualifications prescribed for direct recruitment as shown in column 7, but who possess elementary literacy and give proof of ability to read Hindi and who also qualify in a simple written test”.

[No. A-12022/3/74-Adm. II(LD)]

H. C. VERMANI, Under Secy.

पाह मंत्रालय

शिक्षिपत्र

नई दिल्ली, 1 मई, 1976

सा० का० नि० 721 :—भारत के राजपत्र, भाग 2, खण्ड 3, उपखण्ड

(i), तारीख 8 नवम्बर, 1975 कार्तिक 17, 1897 के पृष्ठ 3111 और 3112 पर प्रकाशित भारत सरकार के गृह मंत्रालय की हिन्दी अधिसूचना सं० सा० का० नि० 2640, तारीख 9 अक्टूबर, 1975 में,

(1) अनुसूची में, “स्तम्भ 1 से 12” के स्थान पर “स्तम्भ 1 से 13” पढ़ें;

(2) क्रम सं० 1 के सामने, अनुसूची के स्तम्भ 8 के अन्तर्गत, वाक्य के अन्त में पूर्णविवारण “(1)” पढ़ें, तथा “सीधी भर्ती के लिए उच्चतर माध्यमिक या उसके समतुल्य” शब्दों का सोप करें;

(3) क्रम सं० 2 के सामने, अनुसूची के स्तम्भ 8 के अन्तर्गत,

“बांगलनीयशब्द :—” के पूर्व “सीधी भर्ती के लिए :— उच्चतर माध्यमिक या उसके समतुल्य” शब्द पढ़ें;

(4) क्रम सं० 3 के सामने, अनुसूची के स्तम्भ 12 के अन्तर्गत, मद (ध) में “अग्रनीत की जाएगी” शब्दों के स्थान पर “अग्रनीत नहीं की जाएगी” शब्द पढ़ें।

[सं० एम-14012/2/74-एम आर]

पी० एन० कौल, निदेशक

वित्त मंत्रालय

(प्रारंभिक कार्य विभाग)

नई दिल्ली, 26 अप्रैल, 1976

सा० का० नि० 722 :—संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुकों द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करने हुए राष्ट्रपति ने इस के द्वारा सिक्यूरिटी पेपर मिल (श्रेणी 1 और श्रेणी 2 के पद) भर्ती (संशोधन) नियमावली, 1976 का जाएगा।

- (1) इन नियमों का सिक्यूरिटी पेपर मिल (श्रेणी 1 और श्रेणी 2 के पद) भर्ती (संशोधन) नियमावली, 1976 का जाएगा।
- (2) ये नियम सरकारी राजपत्र में प्रकाशित होने की तारीख से लागू होंगे।

2. सिक्यूरिटी पेपर मिल (श्रेणी 1 और श्रेणी 2 के पद) भर्ती नियमावली, 1968 की अनुसूची में सिक्यूरिटी प्रधिकारी के पद से संबंधित क्रम संख्या 12 के पश्चात और उससे संबद्ध प्रविधियों के लिए निम्नलिखित क्रम संख्या और प्रविधियां जोड़ दी जाएं, प्रथम् :—

पद का नाम	पदों की संख्या	वर्गीकरण	बेतनमान	प्रबन्ध पद है या इससे भिन्न	सीधी भरती वालों के लिए उम्र	सीधी भर्ती वालों के लिए शिक्षा
1	2	3	4	5	6	7
"12क बमकल अधिकारी	1	सामान्य केन्द्रीय सेवा ग्रुप 'बी'	650-30-740-35- 810-द० रो०-35- 880-40-1000- द०रो०-40-1200	नागृ नहीं होता। (मरकारी सेवकोंको सूट दी जा सकती है) टिप्पणी : आयु सीमा निर्धारित करने के लिए निर्णायक तारीख भारत में (अवृद्धमान और निकोबार द्वीप समूह और लकड़ीय को छोड़कर) उम्मीदवारों से प्राप्ति-पत्र प्राप्त करने की अनिम तारीख होगी।	35 वर्ष से प्रधिक नहीं (मरकारी सेवकोंको सूट दी जा सकती है) टिप्पणी : आयु सीमा निर्धारित करने के लिए निर्णायक तारीख भारत में (अवृद्धमान और निकोबार द्वीप समूह और लकड़ीय को छोड़कर) उम्मीदवारों से प्राप्ति-पत्र प्राप्त करने की अनिम तारीख होगी।	(i) किसी मान्यताप्राप्त विश्व- विद्यालय अथवा खोड़ से मैट्रिक पास अथवा इसके समकक्ष। (ii) नेशनल काफर सर्विस कानेज का एडवास डिप्लोमा अथवा प०.एम० आई० काफर द० (लंदन) अथवा इसके समकक्ष। (iii) यसा अथवा सिविल काफर सर्विस संगठन में काम करने का 5 वर्ष का अनुभव जिसमें से 3 वर्ष का अनुभव स्टेशन भाफिमर के रूप में हो। (यदि उम्मीदवार और सब प्रकार से अहंसाप्राप्त है तो संघ लोक सेवा आयोग अपने विवेकानुसार अहंताग्रों में छूट दे सकता है, अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों के उम्मीदवारों के मामले में अनुभव संबंधी अहंताग्रों में विशेष छूट दी जा सकती है।

बालनीय
मान्यताप्राप्त विष्वविद्यालय की हिती
प्रथम इसके समकक्ष ।

कथा मीधी भर्ती परिवेश की प्रवास
वालों के निर्गति यदि कोई हो
निर्धारित उम्र और
शिक्षा संबंधी अस्तित्वां
परोन्नति पाने वाले
व्यक्तियों पर भी
लाग होगी

भर्ती का तरीका सीधी भर्ती
द्वारा अथवा पदोन्नति द्वारा
अथवा प्रतिनियुक्ति/ताकड़ने द्वारा
यीर विभिन्न तरीकों द्वारा भरे
जाते द्वारा खाली पदों की प्रतिशतता

परारस्थितियां जिनमें
भर्ती करते समय मध्य
लोक सेवा आयोग से
परामर्श किया जाता है।

8	9	10	11	12	13
लागू नहीं	2 वर्ष	सीधी भर्ती द्वारा	लागू नहीं होता	लागू नहीं होता	जैसा सच लोक सेधा प्रायोग (परामर्श से छूट) विनियम 1958 के अंतर्गत प्रयोक्ति है।

[सं० एफ० ८/१८/७२ केरेसी] एम० एस० दत्त, प्रबुर सचिव ।

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Economic Affairs)

New Delhi, the 26th April, 1976

G.S.R. 722.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules further to amend the Security Paper Mill (Class I and Class II posts) Recruitment Rules, 1968, namely:—

(1) These rules may be called the Security Paper Mill (Class I and Class II posts) Recruitment (Amendment) Rules, 1976.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the Schedule to the Security Paper Mill (Class I and Class II posts) Recruitment Rules, 1968, after Serial No. 12 relating to the post of Security Officer and the entries relating thereto, the following Serial No. and entries shall be inserted, namely:—

Name of the post	No. of posts	Classification	Scale of pay	Whether Selection post or non-selection post	Age limit for direct recruits	Educational and other qualifications required for direct recruits	
1	2	3	4	5	6	7	
"12A. Fire Officer.	1	General Central Service Group 'B'	Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200	Not applicable	Not exceeding 35 years. (Relaxable for Government Servants) Note : The crucial date for determining the age limit shall be the closing date for receipt of applications from candidates in India (other than those in Andaman and Nicobar Islands and Lakshadweep).	Essential : (i) Matriculation of a recognised University or Board or equivalent. (ii) Advanced Diploma of National Fire Service College or A.M.I. Fire E. (London) or Equivalent. (iii) 5 Years' experience in a Defence or Civil Fire Service Organisation out of which 3 years' should be as Station Officer. (Qualifications relaxable at the Union Public Service Commission's discretion in case of candidates otherwise well qualified in particular the qualification regarding experience is relaxable in case of candidates belonging to Scheduled Castes or Scheduled Tribes). Desirable : Degree of a recognised University or equivalent.	
Whether age and educational qualifications prescribed for the direct recruits will apply in the case of the promotees	Period of probation if any	Method of recruitment whether by direct recruitment or by promotion or by deputation/transfer and percentage of the vacancies to be filled by various methods	In case of recruitment by promotion/deputation/transfer, grade from which promotion/deputation/transfer to be made	If a D.P.C. exists, what is its composition	Circumstances in which U.P.S.C. is to be consulted in making recruitment.		
Not applicable	2 years	By direct recruitment	Not applicable	Not applicable	As required under the Union Public Service Commission (Exemption from Consultation) Regulations, 1958".		

[No. F. 8/18/72-CY]

S. L. DUTT, Under Seoy

नई विल्ली, 3 मई, 1976

New Delhi the 3rd May, 1976

सांख्या का० नि० 723.—संविधान के अनुच्छेद 209 की धारा (1) के साथ अनुच्छेद 77 की धारा (2) द्वारा, प्रबल शक्तियों का प्रयोग करते हुए और भारत सरकार के वित्त मंत्रालय, आर्थिक कार्य विभाग की 18 मार्च, 1974 की अधिसूचना संख्या मा० का० नि० 386 का अधिक्रमण करते हुए राष्ट्रपति ने सहर्व ये नियम बनाए हैं, अर्थात्—

अन्तर्राष्ट्रीय मुद्रा निधि की करार की शर्तों के अनुच्छेद V, धारा 1 के अंतर्गत अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा निधि, वाणिज्य के साथ जो करार तथा अन्य प्रभेत्र निष्पादित किए जाने आवश्यक होंगे वे सभी इसके पश्चात् राष्ट्रपति की ओर से निम्नलिखित अधिकारियों द्वारा निष्पादित और प्रमाणित किए जायेंगे :—

(क) श्री मदन गोपाल कोल,

सचिव, भारत सरकार, वित्त मंत्रालय,
आर्थिक कार्य विभाग,

अध्यक्ष

(ख) श्री आर० एन० मलहोत्रा

संयुक्त सचिव, भारत सरकार,
वित्त मंत्रालय,
आर्थिक कार्य विभाग,

दिनांक नई विल्ली, 3 मई, 1976

राष्ट्रपति के आदेश से तथा उनके नाम से

[संख्या एफ 1(32)/76-एफ० थी० IV]

विनीत नव्यर, निदेशक

G.S.R. 723.—In exercise of the powers conferred by clause (2) of article 77 read with clause (1) of article 299 of the Constitution and in supersession of the notification of the Government of India in the Ministry of Finance, Department of Economic Affairs, No. G.S.R. 386, dated the 18th March, 1974, the President is pleased to make the following rules, namely :—

All agreements and other documents, required to be executed with International Monetary Fund, Washington, under Article V, Section 1 of the Articles of Agreement of the International Monetary Fund, shall hereafter be executed and authenticated on behalf of the President by :—

(a) Shri M. G. Kaul, Secretary to the Government of India in the Ministry of Finance, Department of Economic Affairs ;

OR

(b) Shri R. N. Malhotra, Joint Secretary to the Government of India in the Ministry of Finance, Department of Economic Affairs.

Dated at New Delhi this 3rd day of May, 1976.

By order and in the name of the President.

[No. F. 1(32)/76-F.B. IV]

VINEET NAYAR, Director

(सरकारी उद्यम कार्यालय)

नई विल्ली, 10 मई, 1976

सांख्या का० नि० 724.—संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तु द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, राष्ट्रपति ने एतद्वारा वित्त मंत्रालय के सरकारी उद्यम कार्यालय में कनिष्ठ अनुवादक के पद पर भर्ती करने के तरीके का नियमन करने के लिए निम्ननिष्ठित नियम बनाये हैं ; अर्थात्—

1. संक्षिप्त शीर्षक और प्रारम्भ (1) ये नियम, वित्त मंत्रालय, सरकारी उद्यम कार्यालय, कनिष्ठ, हिन्दी अनुवादक भर्ती नियम 1976 कहे जायेंगे।

(2) ये नियम उक्ती नारीश्वर से लागू होंगे जिस तारीख को ये सरकारी राजपत्र में प्रकाशित किये जायेंगे।

2. पद की संख्या, वर्गीकरण और वेतनमात्र

पद की संख्या, उसका वर्गीकरण और उससे सम्बन्धित वेतनमात्र वही होगा जैसा कि संसद अनुसूची के स्तरम् 2 से 4 तक में निर्विष्ट किया गया है।

3. भर्ती का तरीका, आयु-सीमा और अर्हताएं आदि

उक्त पद पर भर्ती का तरीका, आयु-सीमा, अर्हताएं तथा उससे सम्बन्धित अन्य बातें वही होंगी जैसी उक्त अनुसूची के स्तरम् 5 से 13 में निर्विष्ट की गयी हैं।

4. अर्हताएं कोई भी व्यक्ति (क) जिसने किसी ऐसे व्यक्ति से विवाह अवधा संविदागत विवाह किया हो, जिसकी जीवन साथी जीवित हो अथवा

(ख) जिसने एक जीवन साथी के जीवित रहते हुए किसी दूसरे व्यक्ति से विवाह अवधा संविदागत विवाह किया हो,

उक्त पद पर नियुक्ति का पात्र नहीं होगा।

परन्तु यदि केन्द्रीय सरकार इस बात से सन्तुष्ट हो कि ऐसे व्यक्ति पर भी उससे विवाह करने वाले दूसरे पक्ष पर लागू होने वाले व्यक्तिगत नियमों के अन्तर्गत इस प्रकार के विवाह की अनुमति दी जा सकती है और ऐसा करने के अन्य कारण भी हैं ; तो वह उस व्यक्ति को इस नियम के प्रवर्तन से छूट देते सकती है।

5. छूट देने की शक्ति जिस मामले में केन्द्रीय सरकार का यह विचार हो कि इस नियमावली के किन्हीं उपबन्धों में किसी ऐसी अवधा वर्ग के व्यक्तियों के सम्बन्ध में छूट देनी आवश्यक अवधा है, वहाँ उसके लिए वह लिखित रूप में कारण बताकर छूट का आदेश दे सकती है।

6. व्यावृति : केन्द्रीय सरकार द्वारा समय-समय पर जारी किये गये आदेशों के भन्नमार अनुसूचित जातियों एवं अनुसूचित जनजातियों तथा अस्थ विशेष वर्ग के व्यक्तियों के सिए जो आरक्षण और रिक्तायतें दी जाती हैं उन पर इन नियमों के कारण किसी भी प्रकार से कोई असर नहीं पड़ेगा।

अनुमूली

वित्त मंत्रालय, सरकारी उद्यम कार्यालय में कनिष्ठ हिन्दी अनुवादक के पदव के लिए भर्ती नियम, 1976

पद का नाम संख्या	पद की संख्या	वर्गीकरण	बैठनमान	देवनेश्वर (प्रब- सीधी भर्ती वालों के सीधी भर्ती वालों के लिए आवश्यक रण) पद अधिकारी लिए आयु शैक्षिक तथा अन्य अर्हताएँ	भिन्न पद	
1	2	3	4	5	6	7
कनिष्ठ हिन्दी अनुवादक	एक	सामान्य केल्डी सेवा श्रेणी ग लिपिक कर्गीय अराजपत्रित	425-15-500-द० रो०-15-560-20- 700	लागू नहीं होता 21 से 30 वर्ष तक	(i) किसी मान्यता प्राप्त विष्वविद्या- लय की हिन्दी माध्यम से प्राप्त डिग्री जिसमें डिग्री स्तर पर सामान्य अंग्रेजी एक ऐच्छिक विषय रहा हो ।	
					(ii) किसी मान्यता प्राप्त विष्व- विद्यालय की अंग्रेजी माध्यम से प्राप्त डिग्री जिसमें डिग्री स्तर पर सामान्य हिन्दी एक ऐच्छिक विषय रहा हो ।	

क्या सीधी भर्ती परीक्षा की अव- भर्ती का तरीका, सीधी भर्ती द्वारा पदान्वति/प्रतिनियुक्ति/स्थानान्वरण यदि कोई विभागीय वे परिस्थितियां जिनमें शालों के लिए नियमित, यदि कोई हो तो या पदान्वति/प्रतिनियुक्ति/ द्वारा भर्ती किये जाने की स्थिति में पदान्वति समिति विवृ- भर्ती करते समय संघ रित आयु और शैक्षिक स्थानान्वरण द्वारा और विभिन्न उन संवर्गों का उल्लेख जिनमें पदों- मान हों तो उसका लोक सेवा आयोग से परान्वति/प्रतिनियुक्ति/स्थानान्वरण किया गठन क्या है । मर्श किया जाना है ।
अर्हताएँ पदान्वति तरीकों द्वारा भर्ती करते जाने वाले पदों जाना है ।
द्वारा भर्ती किये जाने वाले व्यक्तियों श्री प्रतियोगिता
पर भी लागू होगी ।

8	9	10	11	12	13
आयु सीमा लागू नहीं होती, शैक्षिक योग्यताएँ लागू होंगी ।	दो वर्ष	प्रतिनियुक्ति/स्थानान्वरण द्वारा प्रतिनियुक्ति/स्थानान्वरण के मामले में लागू नहीं होता । लागू नहीं होता । किन्तु ऐसा न हो सके तो सीधी भर्ती द्वारा ।	केंद्रीय सचिवालय लिपिक सेवा के प्रबंध श्रेणी लिपिकों या अपर श्रेणी लिपिकों अथवा केंद्रीय सचिवालय आजुलिपिक सेवा के ग्रेड III के ग्रामिणिकों में से ऐसे व्यक्ति का चयन किया जायगा जो अवधि श्रेणी लिपिक या प्रमाण श्रेणी लिपिक प्रथम दोनों को मिलाकर 5 वर्ष की सेवा पूरी कर सके हों अथवा ग्रेड III के आजुलिपिक हों और जो कालम 7 में दी गयी अर्हताएँ रखते हों ।		

प्रतिनियुक्ति की अवधि सामान्यतः सीन वर्षों में अधिक नहीं होगी ।

[मं० १० १२०१८/६/७५-म० उ० का/प्रशासन]

मुद्रांशु एवं अवधि सामान्यतः अवधि सचिव

(BUREAU OF PUBLIC ENTERPRISES)

New Delhi, the 10th May, 1976

G.S.R. 724.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules regulating the method of recruitment to the post of Junior Hindi Translator in the Bureau of Public Enterprises, Ministry of Finance, namely:—

1. Short title and commencement.—(1) These rules may be called the Ministry of Finance, Bureau of Public Enterprises, Junior Hindi Translator, Recruitment Rules, 1976.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. Number of post, classification and scale of pay.—The number of post, its classification and the scale of pay attached thereto shall be as specified in columns 2 to 4 of the Schedule annexed thereto.

3. Method of recruitment, age limit, qualifications, etc.—The method of recruitment to the said post, age limit, qualifications and other matters connected therewith shall be as specified in columns 5 to 13 of the said Schedule.

4. Disqualifications.—No person,—

(a) who has entered into or contracted a marriage with a person having a spouse living, or

(b) who, having a spouse living, has entered into or contracted a marriage with any person, shall be eligible for appointment to the said post :

Provided that the Central Government may, if satisfied that such marriage is permissible under the personal law applicable to such person and the other party to the marriage and there are other grounds for so doing, exempt any person from the operation of this rule.

5. Power to relax.—Where the Central Government is of opinion, that it is necessary of expedient so to do, it may, by order for reasons to be recorded in writing, relax any of the provisions of these rules with respect to any class or category of persons.

6. Saving.—Nothing in these rules shall affect reservations and other concessions required to be provided for the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes and other special categories of persons in accordance with the orders issued by the Central Government from time to time in this regard.

SCHEDULE

Ministry of Finance, Bureau of Public Enterprises (Junior Hindi Translator) Recruitment Rules, 1976

Name of post	No. of posts	Classification	Scale of pay	Whether Selection post or non-Selection post	Educational and other qualifications required for direct recruits	
1	2	3	4	5	6	7
Junior Hindi Translator	One	General Central Service Group C Ministerial Non-Gazetted.	Rs. 425-15-500-EB 15-560-20-700	Not applicable	Between 21 years and 30 years.	Degree of a recognised University with Hindi Medium and with General English as one of the elective subjects at Degree level. Or Degree of a recognised University with English Medium and with General Hindi as one of the elective subjects at Degree level.
Whether age and educational qualifications prescribed for direct recruits will apply in the case of promotees	Period of probation if any	Method of recruitment whether by direct recrt. or by promotion or by deputation/transfer and percentage of vacancies to be filled by various methods	In case of recrt. by promotion/deputation/transfer, grades from which promotion/deputation/transfer to be made	If a DPC exists what is its composition	Circumstances in which U.P.S.C. is to be consulted in making recruitment	
8	9	10	11	12	13	
Age—No Educational Qualification—Yes	Two years	By deputation/transfer failing which by direct recruitment.	In case of deputation/transfer, selection from Upper Division Clerks or Lower Division Clerks of the Central Secretariat Clerical Service or Stenographers Grade III of the Central Secretariat Stenographers Service with 5 years service in the Lower Division Clerks Grade for both Lower Division Clerks and Upper Division Clerks or in the grade of Stenographer Grade III and who possess the qualifications indicated in column 7.	Not applicable	Not applicable	
			Period of deputation. Ordinarily not exceeding three years.			

उद्योग और नागरिक पूर्ति संत्रालय

(श्रीदेवीगिरि विभास विभाग)

नई दिल्ली, 6 मई, 1976

साँ. काँ. निः 725.—राष्ट्रपति, संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रदत्त अविभायों का प्रयोग करने हुए, श्रीदेवीगिरि विभास विभाग के श्रीदेवीगिरि नाम और कीमत बृंगों में विशेष-कार्य अधिकारी (संगणन) के पद पर भर्ती की पढ़ति को विमिथमित करने वाले निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अर्यात्—

1. संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ—(1) इन नियमों का नाम श्रीदेवीगिरि नाम और कीमत बृंगों 1 विशेष-कार्य अधिकारी (संगणन) भर्ती नियम, 1976 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रबूल होंगे।

2. पद संक्ष्या, वर्गीकरण और वेतनमान—उक्त पद की संक्ष्या, उसका वर्गीकरण और उनका वेतनमान वैहोंगे जो इससे उपरबढ़ अनुसूची के स्तरम् 2 से 4 तक में विनिश्चित हैं।

3. भर्ती की पढ़ति, आयु-सीमा भर्तीताएं आदि—उक्त पद पर भर्ती की पढ़ति, आयु-सीमा, भर्तीताएं और उससे संबंधित अन्य बातें वैहोंगी जो पूर्णोत्तम अनुसूची के स्तरम् 5 से 13 तक में विनिश्चित हैं।

4. विरह्वताएं—वह व्यक्ति—

(क) जिसने ऐसे व्यक्ति से, जिसका पति या जिसकी पत्नी जीवित है, विवाह किया है; या

(ख) जिसने अपने पति या अपनी पत्नी के जीवित हृते हृए किसी व्यक्ति से विवाह किया है;

उक्त पद पर नियुक्ति का पात्र नहीं होगा :

परन्तु यदि केन्द्रीय सरकार का समाधान हो जाए कि ऐसा विवाह ऐसे व्यक्ति और विवाह के अन्य पक्षकार को लागू स्वीय विधि के अधीन है और ऐसा करने के लिए अन्य आधार भीजूव हैं तो वह किसी व्यक्ति को इस नियम के प्रबंधन से छूट दे सकेगी।

5. शिथिल करने की शक्ति—जहाँ केन्द्रीय सरकार की राय हो कि ऐसा करना आवश्यक या समीक्षित है, वहाँ वह, उसके लिए जो कारण हैं उन्हें लेखबद्ध करके तथा संघ लोक सेवा आयोग से परामर्श करके, इन नियमों के किसी उपबंध को किसी वर्ग या प्रवर्ग के व्यक्तियों की बाबत, प्रावेश द्वारा शिथिल कर सकती।

6. व्यावृत्ति—इन नियमों की कोई भी बात ऐसे आरक्षणों और अन्य रियायतों पर प्रभाव नहीं डालेगी, जिनका केन्द्रीय सरकार द्वारा इस संबंध में समय-समय पर निकाले गए आदेशों के अनुसार अनुसूचित जनजातियों और विशेष प्रवर्गों के व्यक्तियों के लिए उपबंध करना अनिवार्य है।

अनुसूची

पद का नाम	पदों की संख्या	वर्गीकरण	वेतनमान	वर्तन पद अथवा सीधे भर्ती किये जाने सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों अवधारण पद वाले व्यक्तियों के लिए ऐक्षिक और अन्य भर्तीताएं आयु सीमा	8	
1	2	3	4	5	6	7

विशेष-कार्य-प्रभिन् एक कारी (संगणन)	एक	साधारण केन्द्रीय सेवा, समूह क, राजपत्रिस	1100-50-1600 रु०	लागू नहीं होता	40 वर्ष से अनधिक आवश्यक : (मरकारी सेवकों (i) किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय के लिए शिथिलनीय की सांचिकी/गणित/संकिया टिप्पणी—आयु सीमा तक अनुसंधान/अर्थशास्त्र/वाणिज्य (सांख्यिकी/सांख्यिकी के अवधारण के लिए नियायिक तारीख भारत में के उनसे भिन्न जो अण्ड-मान और निको-	आवश्यक : (ii) सांख्यिकी/दस्त प्रक्रमण कार्य भार द्वीप समूह तथा लक्षद्वीप में है) अन्यथियों से आवेदनों की प्राप्ति की अन्तिम तारीख होती।
-------------------------------------	----	--	------------------	----------------	--	---

1

2

3

4

5

6

7

(प्रह्लाद गन्धी सुग्रहित अध्ययियों की दशा में सच लोक सेवा प्रायोग के विवेकानुमार शिथिल की जा सकती है ; विशेष रूप से अनुभव संबंधी प्रह्लाद अनुसूचित जनजातियों या अनुसूचित जनजातियों के अध्ययियों की वशा में शिथिल की जा सकती हैं)

बांडनीयः—

- (i) लागत विश्लेषण को यथा प्रयुक्त तकनीकों सांकेतिकीय का ज्ञान ।
- (ii) किसी सरकारी विभाग या स्थानिक-प्राप्त वाणिजिक कर्म में लेखा/स्पापन कार्य का ज्ञान ।

सीधे भर्ती किए जाने परिवीक्षा की भर्ती की पद्धति/भर्ती सीधे होगी वाने अधिकारियों के अधिक, यदि कोई नियंत्रित आयु और दो वैशिक प्रह्लाद प्रोफ्रेशन की वशा में लागू होगी

या प्रोफ्रेशन द्वारा या प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण द्वारा तथा विभिन्न पद्धतियों द्वारा भरी जाने वाली विकितयों का प्रतिशत

प्रोफ्रेशन/प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण द्वारा यदि विभागीय प्रोफ्रेशन भर्ती करने में किन भर्ती की दशा में वे श्रेणियों जिनमें समिति है, तो उसकी प्रोफ्रेशन/प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण किया भर्ती करना लोक सेवा प्रायोग से परामर्श किया जायेगा

भर्ती करने में किन भर्ती करने में किन भर्ती की दशा में वे श्रेणियों जिनमें समिति है, तो उसकी प्रोफ्रेशन/प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण किया भर्ती करना लोक सेवा प्रायोग से परामर्श किया जायेगा

8

9

10

11

12

13

लागू नहीं होता दो वर्ष

प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण द्वारा (जिसमें अल्पकालिक संविदा भी सम्मिलित है) वयन संबंध लोक सेवा प्रायोग के परामर्श से किया जाता है, जिसके न हो सकने पर सीधी भर्ती द्वारा ।

प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण.—
(त्रिमासे अल्पकालिक संविदा भी सम्मिलित है) :—
केन्द्रीय सरकार/राज्य सरकारों, पब्लिक उपकरणों/स्वशासी निकायों में सदृश पद धारण करने वाले अधिकारी या ऐसे अधिकारी, जिन्होंने 700—1300 रु. के बेनकाल वाले पदों पर कम से कम 5 वर्ष सेवा की हो और जिनके पास स्तम्भ 7 में यथा अधिकारियत प्रह्लाद और अनुभव हों ।

(प्रतिनियुक्ति/संविदा की अधिक समाप्ति : 3 वर्ष से अधिक मही होगी)

स्तम्भ 10 के अन्तर्गत उपबन्ध के मात्र पठित मंष लोक सेवा प्रायोग (ए-मर्श से छट) विनियम, 1958 के अधीन यथा अधिकारियत

[फा० सं० ए०/१२०१८/१७/७५/-४०-४]

के० श्रीनिवासन, अवर सचिव

MINISTRY OF INDUSTRY AND CIVIL SUPPLIES

(Department of Industrial Development)

New Delhi, the 6th May, 1976

G.S.R.725.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules regulating the method of recruitment to the post of Officer on Special Duty (Computerisation) in the Bureau of Industrial Costs & Prices, Department of Industrial Development, namely:—

1. Short title and commencement.—(1) These rules may be called the Bureau of Industrial Costs and Prices (Officer on Special Duty (Computerisation) Recruitment Rules, 1976).

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. Number, classification and scale of pay.—The number of the post, its classification and the scale of pay attached thereto, shall be as specified in columns 2 to 4 of the Schedule annexed hereto.

3. Method of recruitment, age limit, qualifications etc. The method of recruitment to the said post, age limit, qualifications and other matters connected therewith shall be as specified in columns 5 to 13 of the Schedule aforesaid.

4. Disqualifications.—No person,—

- (a) who has entered into or contracted a marriage with a person having a spouse living, or
- (b) who, having a spouse living, has entered into or contracted a marriage with any person

shall be eligible for appointment to the said post :

Provided that the Central Government may, if satisfied that such marriage is permissible under the personal law applicable to such person and the other party to the marriage and there are other grounds for so doing, exempt from the operation of this rule.

5. Power to relax.—Where the Central Government is of the opinion that it is necessary or expedient so to do, it may, by order for reasons to be recorded in writing and in consultation with the Union Public Service Commission, relax any of the provisions of these rules in respect of any class or category of persons.

6. Saving : Nothing in these rules shall affect reservations and other concessions required to be provided for the Scheduled Castes, the Scheduled Tribes and other special categories of persons in accordance with the orders issued by the Central Government from time to time in this regard.

SCHEDULE

Name of the post	No. of posts	Classification	Scale of Pay	Whether selection post or non-selection post	Age limit for direct recruits	Educational and other qualifications required for direct recruits
1	2	3	4	5	6	7
Officer on Special Duty (Computerisation)	One	General Central Service Group A Gazetted.	Rs. 1100-50-1600	Not applicable	Not exceeding 40 years (Relaxable for Government servants) Note:—The crucial date for determining the age limit shall be the closing date for receipt of applications from candidates (Other than those in Andaman and Nicobar Islands and Lakshadweep).	Essential (i) Master's degree in Statistics/Mathematics/Operational research/Economics/Commerce (with Statistics) (training in Statistics) of a recognised University or equivalent. (ii) 5 years' experience of statistical/data processing work including about 3 years' experience in programming systems design on an Electronic Computer. (Qualifications relaxable at the Union Public Service Commission's discretion in case of candidates otherwise well qualified; in particular the qualifications regarding experience is relaxable in case of candidates belonging to Scheduled Castes or Scheduled Tribes.) Desirable (i) Knowledge of statistical techniques as applied to cost analysis. (ii) Knowledge of accounts establishment work in a Government Department or a commercial firm of repute.

Whether age and educational qualifications prescribed for direct recruits will apply in the case of promotees	Period of probation, if any	Method of recruitment whether by direct recruitment or by promotion or by deputation/ transfer and percentage of the vacancies to be filled by various methods	In case of recruitment by promotion / deputation transfer, grades from which promotion / deputation/ transfer to be made	If a DPC exists what is its composition	Circumstances in which Union Public Service Commission is to be consulted in making recruitment
8	9	10	11	12	13
Not applicable	Two years.	By transfer on deputation (including short-term contract), selection being made in consultation with the Union Public Service Commission, failing which by direct recruitment.	Transfer on deputation (including short-term contract): Officers under the Central Government/State Governments/Public Undertakings/ Autonomous bodies holding analogous posts or with at least 5 years' service in posts in the scale of Rs. 700-1300 and possessing qualifications and experience as laid down in column 7. (Period of deputation/Contract ordinarily not exceeding 3 years)	Not applicable.	As required under the Union Public Service Commission (Exemption from Consultation) Regulations, 1958, read with the provision under column 10.

[F. No.A-12018/17/75-E.IV]

K. SRINIVASAN, Under Secy.

CENTRAL BOILERS BOARD

New Delhi, the 6th May, 1976

G.S.R. 726.—The following draft of certain regulations further to amend the Indian Boiler Regulations, 1950, which the Central Boilers Board proposes to make in exercise of the powers conferred by section 28 of the Indian Boilers Act 1923 (5 of 1923), is hereby published as required by subsection (1) of section 31 of the said Act, for the information of all persons likely to be affected thereby, and notice is hereby given that the said draft will be taken into consideration after three months from the date of publication of this notification in the Official Gazette.

Any objections or suggestions which may be received from any person with respect to the said draft within the period so specified will be considered by the Central Boilers Board. Such objection or suggestions should be addressed to the Secretary Central Boilers Board, Ministry of Industry and Civil Supplies (Department of Industrial Development), Udyog Bhawan, New Delhi.

DRAFT REGULATIONS

1. These regulations may be called the Indian Boiler (Amendment) Regulations 1976.

2. In regulation 362 of the Indian Boiler Regulations, 1950, for clause (b) the following clause shall be substituted, namely :—

"(b) External Reinforcement.—If the thickness of the main or branches of a single or multiple branch piece is less than that given by the equation 91-A external reinforcement shall be provided. Such reinforcement may take the form of multiple radial plates of 'horse-shoe' form or the form of collars or other reinforcement approved by the Chief Inspector applied to or around the junction between the branch and the main".

[F. No. 9(54)/71-Boilers]

S. C. DEY, Secy.

नौकरहन और परिवहन भंगालय

(परिवहन पक्ष)

नई विली, 3 अई, 1976

सा० का० नि० 727.—नव तूलिकोर्निं पत्रन (चाट के उपयोग के लिए वर) नियम, 1975 का एक प्रारूप, भारतीय पत्रन अधिनियम, 1908 (1908 का 15) की धारा 6 की उपधारा (2) द्वारा यथाप्रयोगित भारत सरकार के नौकरहन और परिवहन मंत्रालय (परिवहन पक्ष) की अधिसूचना संभ्या सा० का० नि० 2419 सारीब 3 सितम्बर, 1975 के मध्येन, भारत के राजपत्र, भाग 2, खंड 3, उपग्रंथ (i) सारीब 20 मित्स्वर, 1975 के पृष्ठ 272 पर प्रकाशित किया गया था, जिसमें 2 विसम्बर, 1975 तक उन सभी व्यक्तियों से प्राप्तेष्व और सुमाव मांगे गए थे, जिनके उससे प्रभावित होने की संभावना थी।

मौर उक्त राजपत्र 3 अक्टूबर, को जमता को उपलब्ध कर दिया गया था;

मौर केन्द्रीय सरकार को उक्त प्राप्ति की बाबत जनता से कोई प्राक्षेप या सुझाव प्राप्त नहीं हुए हैं, प्रत्याप्ति—

प्रतः, प्रव, केन्द्रीय सरकार, उक्त प्रधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए निम्नलिखित नियम बनाती है; प्रत्याप्ति

1. संक्षिप्त नाम मौर प्राप्ति—(1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम नव तूतीकोरित पतन (घाट के उपयोग के लिए वर) नियम, 1976 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशम की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. घाट के उपयोग के लिए दरों का नियन्त्रण किया जाना—इन नियमों के उपवर्धनों के प्रधीन रहने हुए मन तूतीकोरित पतन पर घाट के उपयोग के लिए वे दरें प्रभारित की जाएंगी, जो इससे उपर्युक्त भनुसूची (जिसे इसमें इसके पश्चात् भनुसूची कहा गया है) में विनियिक्त होंगी।

3. खुला स्थोर—खुले स्थोर की दशा में, इन उपवर्धन के प्रधीन रहने हुए कि यदि उनरे हुए मौर तिकासी किए गए समस्त स्थोर का पतन के सीधे पटन पर तोल किया जाना है, तो इन प्रकार प्रभिलिखित कुल भार पर देय उद्घर्हीत किए जा सकेंगे, देय प्रभिलिखित घटन भार पर उद्घर्हीत किए जाएंगे।

4. पोत लदान के लिए माल का निर्धारण—पोत लदान के लिए प्राप्तियन समस्त माल नियन्त्रण आवेदन के प्राधारपर निर्धारित किया जाएगा तथा माल के पोत लदान किए जाने से पूर्व घाट देयों का संदाय किया जाएगा।

5. उनरे हुए माल का निर्धारण—नव तूतीकोरित पतन के भीतर उनरे हुए समस्त माल का निर्धारण आवेदन के प्राधारपर किया जाएगा तथा घाट देयों का संदाय माल के उद्धन पतन से बाहर ने जाए जाने से पूर्व किया जावेगा।

6. पोत के किटियों प्राप्ति पर घाट देय उद्घर्हणीय नहीं होंगे—घाट देय पोत किटियों, निभार या पोतों के उपयोग के लिए व्यवस्थाओं पर उद्घर्हणीय नहीं होंगे।

7. पोत-यारगमन क्षेत्रों में स्थोर पर घाट देय—घाट देय पोत लदान के लिए उक्त पोत-यारगमन क्षेत्रों में प्रवेश पाने वाले सभी स्थोरों पर संरेय होंगे, जाहे वेद लदान किया गया हो या अन्वर जाने के पश्चात् पोत लदान किए जिन उन्हें बाहर ने जाया गया हो, सिवाय इसके कि लदान के लिए प्राप्तियन तथा भाड़े पर लिए गए स्थानों में भेड़ागहन भांडागारों या पट्टाकूल ज्वाटों की दशा में घाट देय पोत लदान के समय पर ही उद्घर्हीत किए जाएंगे।

8. प्रशासक को वरेचित वा उनके द्वारा परेचित भाल घाट देयों से छूट-प्राप्त होगा—नव तूतीकोरित पोत के प्रशासक को या उनके द्वारा परेचित भाल घाट देयों के उद्घर्हण से छूट प्राप्त होगा।

9. यानांतरण भाल—(1) घाट पर उनरे हुए माल तथा वहाँ से पोत परिदान किए गए स्थोरा पर, अन्यथा उपबन्धित के सिवाय, भनुसूची के अनुमार समस्त घाट देय प्रभारित किए जाएंगे।

(2) मीधा स्थोरा को यानांतरण के लिए पोत लदान पतन पर मूलतः प्रभिलिखित घाट पर उतारा गया है, पर भनुसूची में विए गए देयों में से पंचह प्रतिशत कम करके पूरे घाट देय प्रभारित किए जाएंगे।

(3) ऐसे स्थोरा जिसे एक मौर उतारा जा रहा हो तथा इसकी मौर साक्षात् जारी जारी हो (एक पोत से छूटरे पोत पर), पर भनुसूची में विए गए घाट देयों के प्रधीन दर पर प्रभारित किया जाएगा, सिवाय इसके कि ऐसे व्याधान की बाबत जो भारतीय पतनों के लिए प्राप्तियन है तथा भाड़े टैकरों या योक वाहकों से छोटे जलयानों में पतन की मीमांशों के भीतर जिनका यानांतरण किया गया है।

(4) ऐसे स्थोरा पर जो “स्थानीय शेत्र” के लिए प्राप्तियन है तथा व्यवस्थापूर्वक तूतीकोरित पतन पर “यानांतरण” के लिए व्यवस्था जाना है, भनुसूची के अनुमार पूरे घाट देयों में से पंचह प्रतिशत कम करके प्रभारित किया जाएगा।

(5) पतन पर टैकर या योक वाहक से छोटे जलयान में यानांतरण व्याधान के प्रति मीठरी दर पर एक स्पष्ट फी दर से घाट देय वसूल किए जाएंगे।

10. माल के वर्गीकरण संबंधी प्राप्ति—यदि इन नियमों के सामूहों के प्रयोगनार्थ किसी माल के वर्गीकरण संबंधी कोई प्रत्यन उत्पन्न होता है तो उसे विनियोग के लिए नव तूतीकोरित पतन के प्रशासक को निर्विचित किया जाएगा और प्रशासक उस प्रत्यन का विनियोग करेगा।

भनुसूची

(नियम 2 देखिए)

	1	2
(1) मीमेट	.	8 रु० प्रति मीठरी टन।
(2) कोयला	.	6 रु० प्रति मीठरी टन।
(3) व्याधान	.	8 रु० प्रति मीठरी टन।
(4) उर्वरक	.	9 रु० प्रति मीठरी टन।
(5) पशुओं की चर्बी, बनस्पति या व्यनिज नेल-योक	.	12 रु० प्रति मीठरी टन।
(6) नमक	.	8 रु० प्रति मीठरी टन।
(7) सल्फर, कास्टेट की चट्टान और पोटाश का अम्ल लवण	.	9 रु० प्रति मीठरी टन।
(8) अविनियिक्त मर	.	12 रु० प्रति मीठरी टन या 9 रु० प्रति घन मीटर जो भी प्रधिक हो।

दिप्पण 1

धाट देयों की मंगणना करने के प्रयोजन के लिए भार का यूनिट 1000 किलोग्राम प्रति मीटरी टन होगा, मात्रा में माप का यूनिट एक बन मीटर होगा और प्रति द्रव्यों के लिए एक यूनिट की माप कमता 1000 लिटर होगी।

दिप्पण 2

प्रभारों की वसूली के लिए मंबंधित वीजक या अन्य पोत परिवहन वस्तुबेज में यथाविनियिष्ट प्रत्येक ऐकेज के सफल न कि शुद्ध यूनिट गणना में लिए जाएँ जो पत्तन प्राधिकारियों द्वारा परीक्षण जाते के अधीन होंगे। इन वस्तुबेजों या उम्में सफल यूनिटों के विनियोग के अभाव में जाते परीक्षा द्वारा वास्तविक रूप में निकाल हुए यूनिटों को सफल यूनिटों के रूप में माना जाएगा।

दिप्पण 3

किसी पुथक मत की मात्रा या कमता द्वारा सफल भार या माप की गणना करने समय, 0.5 तक के भाग को, जिसमें यह स्वयं भी सम्मिलित है, 0.5 के रूप में तथा 0.5 के ऊपर के भाग को एक यूनिट के रूप में गिना जाएगा।

दिप्पण 4

ऐसे ऐकेजों जिनमें विभिन्न प्रकार की वस्तुएँ हैं, उस घर से प्रभारित किए जाएँ जो उस वस्तु को लागू होता है जिस पर अधिकतम दर प्रभार्य है।

दिप्पण 5

जोशिम वाले स्थानों की दशा में, जिसे प्रविनियिष्ट मदी से संबंधित मद (8) के अन्तर्गत वर्गीकृत किया गया है, प्रसामान्य देयों के अन्तर्गत धाट महसूल का शत प्रतिशत वसूल किया जायेगा।

दिप्पण 6

धाट देय में वे प्रभार सम्मिलित नहीं हैं जो तट या फलक पर स्थोरा सम्भालने के लिये हैं। यदि पत्तन प्राधिकारियों द्वारा सप्लाई की जाती है, तो प्रत्येक संकिया के लिये 3.50 रु. प्रति मीटरी टन वसूल किया जायेगा।

[फा० स० फ००३००४००-३०/७५]

MINISTRY OF SHIPPING AND TRANSPORT**(Transport Wing)**

New Delhi, the 3rd May, 1976

G.S.R. 727.—Whereas a draft of the Port of New Tuticorin (Rates for the Use of the Wharf) Rules, 1975, was published as required by sub-section (2) of section 6 of the Indian Ports Act, 1908 (15 of 1908) at page 272 of the Gazette of India, Part II—Section 3—sub-section (i), dated the 20th September, 1975, under the notification of the Government of India in the Ministry of Shipping and Transport (Transport Wing) No. G.S.R. 2419, dated the 3rd September, 1975, inviting objections and suggestions from all persons likely to be affected thereby, till the 2nd December, 1975.

And whereas the said Gazette was made available to the public on the 3rd October, 1975;

And whereas no objection or suggestions have been received from the public on the said draft;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 6 of the said Act, the Central Government hereby makes the following rules, namely:—

1. Short title and commencement.—(1) These Rules may be called the Port of New Tuticorin Rates for the use of the Wharf Rules, 1976.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. Fixation of rates for the use of Wharf.—Subject to the provisions of these rules, the rates to be charged for the use of Wharf at the Port of New Tuticorin shall be as specified in the Schedule (hereinafter referred to as the Schedule) hereto annexed.

3. Bulk Cargo.—In the case of bulk cargo dues shall be levied on the manifested tonnage subject to the provision that if all the cargo landed and cleared is weighed on the Port's weight bridges, the dues may be levied on the total weight so recorded.

4. Assessment of goods for shipment.—All goods intended for shipment shall be assessed on Export Application and the wharf dues shall be paid before the goods are shipped.

5. Assessment of goods for shipment:—

Assessment of goods landed.—All goods landed within the Port of New Tuticorin shall be assessed on Import Application and wharf dues shall be paid before the goods are removed outside the said Port.

6. Wharf dues not leviable on ship's fitting etc.—Wharf dues shall not be leviable on bona fide ship's fittings, dunnage or provisions for the use of ships.

7. Wharf dues on cargoes in Port's transit areas.—Wharf dues shall be payable on all cargoes admitted to the said Port's transit areas for shipment whether they are shipped or having been brought in are taken out without having been shipped except that in the case of cargoes intended for shipment and stored in rented spaces, warehouses or leased plots, wharf dues shall be levied at the time of shipment only.

8. Goods consigned to or by Administrator exempt from Wharf dues.—Goods consigned to or by the Administrator of the Port of New Tuticorin shall be exempted from the levy of wharf dues.

9. Tranship Goods.—(1) Cargo landed on and shipped from the wharf, except as otherwise provided, shall be charged full wharf dues as per the Schedule.

(2) Through cargo originally manifested at the Port of shipment for transhipment landed on the wharf shall be charged full wharf dues as per the Schedule less fifteen per cent.

(3) Cargo discharged overside and shipped overside (ship to ship) shall be charged at half the wharf dues as per Schedule except in respect of foodgrains manifested for Indian ports and transhipped to smaller vessels from large tankers or bulk carriers within the port limits.

(4) Cargo manifested for 'local' and subsequently amended at the Port of New Tuticorin for 'transhipment' shall be charged full wharf dues as per the Schedule less fifteen per cent.

(5) Wharf dues shall be recovered at Re. 1 per tonne of foodgrains transhipped into a smaller vessel from tanker or bulk carrier at the port.

10. Questions as to classification of goods.—If for the purpose of application of these rules any question arises as to the classification of any goods, it shall be referred to the Administrator of the Port of New Tuticorin for decision and the Administrator shall decide the question.

SCHEDULE (See rule 2)

(1) Cement	... Rs. 8 per tonne
(2) Coal	... Rs. 6 per tonne
(3) Foodgrains	... Rs. 8 per tonne
(4) Fertilisers	... Rs. 9 per tonne
(5) Oil-Antifl. Vegetable or Mineral in bulk	... Rs. 12 per tonne
(6) Salt	... Rs. 8 per tonne
(7) Sulphur, Rock phosphate, muriate of Potash	... Rs. 9 per tonne
(8) Unspecified items	... Rs. 12 per tonne. Rs. 9 per cubic meter whichever higher.

Note 1.

For the purpose of calculating the wharf dues the unit by weight shall be 1 tonne of 1000 kilograms, the unit by volume measurement shall be 1 cubic metre and the unit by capacity measurement for liquids in bulk shall be 1000 litres.

Note 2.

For the recovery of charges, the gross and not the net units of each package as specified in the relative invoice or other shipping document shall be taken, subject to test check by the Port authorities. In the absence of these documents or the specification of the gross units therein, the units actually arrived a by test check shall be taken as the gross units.

Note 3.

In calculation the gross weight or measurement by volume or capacity of any individual item, fractions upto and including 0.5 shall be taken as 0.5 and fractions over 0.5 shall be taken as one unit.

Note 4.

On packages containing articles of a miscellaneous character, charges shall be levied at the rate applicable to the article on which the highest rate is chargeable.

Note 5.

In the case of hazardous cargo classified under item (8) relating to unspecified items 100% of the warfage shall be recovered over and above the normal dues.

Note 6.

The wharf dues do not include the charges for handling cargo on shore or on board. If handling is done by the Port authorities a separate charge of Rs. 3.50 per tonne shall be recovered for each operation.

पट्टी दिनी, 7 मई, 1976

सा०का०मि० 728 .—नव तूरीकोरिन महा पत्तन, नियम, 1976, का निम्नलिखित प्राप्त जिसे केन्द्रीय सरकार भारतीय पत्तन अधिनियम 1908 (1908 का 4) की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए बनाये की प्राप्त्यापन करती है, उक्त धारा की उपधारा (2) द्वारा यथा अपेक्षित उन सभी शक्तियों की जालकारी के लिये प्रकाशित किया जाता है, जिनके उम्मे प्रभावित होते की संभावना है और सूचना दी जानी है कि इन अधिसूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 60 दिन की समाप्ति पर या उम्मे पञ्चात् विचार किया जायेगा।

2. उक्त अधिकारी की समाप्ति से पूर्व उक्त प्राप्त जी भावत किसी व्यक्ति में जो ग्राहेप या सुझाव प्राप्त होगे उन पर केन्द्रीय सरकार विचार करेगी।

नियमों का प्राप्त

नव तूरीकोरिन महा पत्तन नियम

1. प्रारंभिक

1. संधिष्ठ नाम घोर नागू होना—(1) इन नियमों का संधिष्ठ नाम नव तूरीकोरिन महा पत्तन नियम, 1976 है।

(2) ये नियम, जब तक कि इन नियमों में अन्यथा उपबंधित न हो, नव तूरीकोरिन महा पत्तन की स्थारीय सीमाओं के भीतर ही नागू होंगे।

2. परिचालना—इन नियमों में, जब तक कि संदर्भ से अन्यथा अपेक्षित नहीं—

(क) "अधिनियम" में भारतीय पत्तन अधिनियम, 1908 (1908 का 15 अधिनियम है),

(ख) "सरकार" से अधिनियम के अधीन केन्द्रीय सरकार द्वारा नव तूरीकोरिन महा पत्तन के लिये नियमन किया गया संरक्षक अधिनियम है,

(ग) "खतरनाक माल" में भारतीय वाणिज्य पोत परिवहन (खतरनाक माल का वहन) नियम, 1954 में यथापरिभावित माल अधिनियम है,

(घ) "खतरनाक पैट्रोलियम" से ऐसा पैट्रोलियम अधिनियम है, जिसका प्रज्ञापन नाप 24.4 डिग्री सेन्टीग्रेड से कम हो,

(ङ) "उष सरकार" से पत्तन का ममुदी विभाग का प्रधान अधिनियम है और इसमें इस नियम ममुदी विभाग के प्रधान द्वारा सम्बन्धित प्राधिकरण अन्वरणात्र मास्टर या पायलट भी है,

(च) "इवन तेल" से ऐसा पैट्रोलियम तेल अधिनियम है जिसका प्रज्ञापन नाप 65.6 डिग्री सेन्टीग्रेड से कम न हो और जिसका प्रयोग सामान्य स्तर से ऊंचानों और भृत्यों में ईंधन के कृप में किया जाता है,

(ल) माल के संबंध में "स्वामी" में कोई पाषक, परेविती, ऐसे माल के विक्रय, अभिरक्षा, भवान या उपराई के लिये पोतक या अभिकर्ता भी है और वत्तन का प्रयोग करते वाले किसी जलयान के संबंध में स्वामी में कोई भागिक स्वामी, भाड़े पर नेने वाला, परेविती या एकछा बन्धकदान भी है,

(ज) "पैट्रोलियम" से व्रत हाइड्रो-वार्षन या हाइड्रो-कार्बन नियम और ऐसे ज्वलनशील मिश्रण (द्रव, प्लान या टोस) अधिनियम जिसमें द्रव, हाइड्रो-कार्बन द्वारा विद्युत जिसमें स्तेन्क प्रयोगन के

लिये साधारणतः प्रयुक्त होने वाला कोई तेज नहीं है और जिसका प्रबन्धन बिन्दु 93.3 इंची ऐंटीप्रेड पर या उसमें ऊपर है,

(म) "पतन" में नव तूलीकोरिन महापत्तन प्रभिप्रेत है,

(ञ) "पतन प्राधिकारी" में केन्द्रीय सरकार द्वारा नियुक्त नव तूलीकोरन महापत्तन का संरक्षक प्रभिप्रेत है और इसमें पतन का अन्य कोई अधिकारी भी आता है जो संरक्षक, नव तूलीकोरन महापत्तन, के प्राधिकार के अधीन कार्य कर रहा हो।

(ट) "टैकर" ऐसा स्थीरा ठोका है जिसे जलतनशील प्रकृति के द्वारा स्थीराओं की प्रपुंजमाला से बद्ध करने के लिये निर्मित किया हो या अनुकूल बनाया हो;

(ठ) "यातायात प्रबन्धक" में ऐसा अधिकारी प्रभिप्रेत है जो तमसमय पतन के यातायात प्रभालन का भारमध्यन अधिकारी हो और इसमें उप यातायात प्रबन्धक और महायक यातायात प्रबन्धक और ऐसे अन्य कोई अधिकारी भी हैं जो यातायात प्रबन्धक के प्राधिकार के अधीन कार्य कर रहे हों।

2. पतन में जलयानों का प्रवेश

3. किसी जलयान की प्रत्याशित आगमन की सूचना (1) (क) जब किसी जलयान के आगमन की प्रत्याशा है, तब आगमन के प्रत्याशित समय से कम से कम 48 घण्टे पूर्व उसके अधिकारी, उप संरक्षक द्वारा विनिर्दिष्ट प्रस्तुप में एक सूचना यातायात प्रबन्ध को भेजेंगे तथा उसकी एक प्रति उप संरक्षक को भेजेंगे;

(छ) ऐसी सूचना के विनिर्दिष्ट बारों, भारी लिफ्ट केनों और अन्य वस्तुओं की बाबत विशेष अपेक्षाएँ उपर्याप्त की जायेंगी। पतन पर उतारे जाने वाले स्थोरा तथा विशेष स्थोरा के मर्बों और भारी लिफ्टों की बाबत विस्तृत विनिर्दिष्टियाँ उनके नीचाहे सहित पूर्वक: विशेष किये जायेंगे और प्रत्येक बाबत दारा पर स्थोरा के वितरण के बारे में सूचना या सों अलयानों की आगमन सूचना के बाय संलग्न की जायेगी या जलयान के आगमन के कम से कम 24 घण्टे पूर्व भेजी जायेंगी और यह सूचना तीन प्रतियों में होगी।

(2) प्रत्याशित जलयानों के अधिकारी, नव अपने हित में, यातायात प्रबन्धक से समय पर समर्पक स्थापित करेंगे और यातायात प्रबन्धक को ऐसे स्थोरा की जिसकी बाबत में वे कार्य करना चाहते हैं, प्रकृति, मात्रा या भाड़ भारि के संबंध में सभी जानकारी तथा जलयान की बाबत ऐसी जानकारी भी उसे उपयुक्त बर्थ पर लगाने के लिये अवश्यक हो, की बाबत अवगत करायेंगे।

4. बर्थ का आवंटन:—(1) कोई जलयान, पतन में किसी बर्थ का दावा तब तक नहीं करेगा जब तक कि यातायात प्रबन्धक द्वारा उस विशेषतया आवंटित नहीं किया गया हो और उप संरक्षक द्वारा ऐसे आवंटन की सूचना न दे दी गयी हो।

(2) पतन के किसी बर्थ का आवंटन नव तक अनियम साता जायेगा जब तक कि जलयान वस्तु: पतन में प्रवेश करने के लिये तैयार नहीं हो जाता है और यातायात प्रबन्धक के समाधान प्रद रूप में ऐसे बर्थ के लिये उसकी उपयुक्तता और अधिकार प्रधिकार स्थापित नहीं हो जाता है।

5. कलिमय जलयानों के लिये पूर्विकता: बर्थों का आवंटन यातायात प्रबन्धक के विवेकानुसार होगा और अस्यावश्यकता के अनुसार सकेतक केन्द्र द्वारा पहले बेळे गए और पहचाने गए जलयान की पूर्विकता दी जायेगी:

परन्तु सरकारी जलयान जो सैम्बद्ध को छड़ा रहा हो या उतार रहा हो, याकी जलयान और अन्य बर्थों के जलयान जिन्हें उपसंरक्षक समय-समय पर इस नियमित भोवित करे, बाट पर लगाने के लिए अत्यन्त पूर्विकता लिये पात्र होंगे।

6. बर्थ आवंटित करने से इनकार: यदि यातायात प्रबन्धक यह समझता है कि पतन में किसी जलयान की प्रवेश न करने के लिये अच्छा और पर्याप्त कारण है, तो वह भासमें की उप संरक्षक को निर्विष्ट कर सकेगा और उप संरक्षक के विनियित होने तक वह बर्थ आवंटित करने से इनकार कर सकेगा।

7. जलयान मास्टर के समावेशन में होंगे:—किसी जलयान को पतन में प्रवेश करने या उसे छोड़ने के लिये या उसे पतन में एक बर्थ में दूसरे बर्थ पर ले जाये जाने के लिये नव तक अनुकूल नहीं किया जायेगा जब तक कि मास्टर फलक पर न हो:

पश्चु विशेष परिस्थितियों में, अवैत् मास्टर का मृत् या गम्भीर बीमारी की दशा में, उप संरक्षक से परामर्श करके विशेष हल्तजाम किये जा सकेंगे।

8. उपसंरक्षक के आदेशों आवाद का पालन किया जायेगा:—जलयानों के मास्टर और स्वामी बकान्तुकम के मंड़ंष्ठ में तथा जलयान किसी भी पतन द्वारा पर पहुंचने हैं और उसमें प्रवेश करते हैं या उसके बाहर जाने हैं, इस संबंध में, उप संरक्षक के सभी निवेशों का पालन करेंगे।

9. पतन में प्रवेश करना या उसे छोड़ना:—सूर्योदय और सूर्यास्त के बीच पतन में प्रवेश करने वाले या उसे छोड़ने वाले सभी भूत्र गामी जलयान अपने रात्रीय व्यज फहरायेंगे और जब वे पतन में प्रवेश कर रहे हों तब प्रथेक जलयान अपना भक्ति अक्षर फहरायेगा।

10. जलयानों का मायनेवरण:—(1) अधिनियम के उपबन्धों और उपनियम (2) में विनिर्दिष्ट ग्रामों के अधीन रहते हुए, मार्ग दर्शन सभी जलयानों के लिये अनिवार्य है जिसमें वे जलयान नहीं आते हैं जिन्हें उपसंरक्षक द्वारा या इस नियमित उसके द्वारा विशेषतया व्यसन किसी अन्य अधिकारी द्वारा विनिर्दिष्टस्या लृट दे दी गयी हो।

(2) उपनियम (1) में निर्दिष्ट ग्रामों नियमित्रित रूप में हैं, अर्थात्:—

(क) मास्टर, पायलट को बकान्तुकम फलक पर खतरनाक माल, पोत का छाप और पोत में कार्यकरण संबंधी बातों की बाबत सभी जानकारी देगा और मार्गेश्वर और बाहर लगाने या बाट से छाने का कार्य पूरा होने पर, पायलट द्वारा प्रस्तुत किये गये विनिर्दिष्ट प्राप्तियों में प्रमाणपत्र पूरा करेगा और उन्हें व्यसनाकृत करेगा।

(ख) बाहर जाने वाले ऐसे जलयान की दशा में, जो अपरिहार्य कारणों से छाप (क) में विनिर्दिष्ट सीमाओं के बाहर, पायलट को ले जा रहा हो, मास्टर पायलट को टीक अग्नि निकटम पतन पर छोड़ने के लिये बाध्य होगा और हम कारण उपगत किये गये सभी खर्च की देने का दायी होगा।

(ग) किसी जलयान का स्वामी, अधिनियम के उपबन्धों के अनुसरण में, ऐसे सकेत अप्रवर्षित करेगा जो पायलट द्वारा प्रयुक्त किये जाने के लिये अनिवार्य हों या जो पायलट द्वारा विनिर्दिष्ट किये जाएँ।

(अ) (1) पत्तन में प्रवेश करने वाला या छोड़ने वाला प्रथमक जलयान आगमी वाणिज्य पोत परिवहन (पायलाट बोगान) नियम, 1953 के अनुपालन में एक प्रभावशाली पायलाट सोपान की अवस्था की जायेगी। (ii) यदि जलयान में त्रिम रजू भोपाल या जहाज की रसी की व्यवस्था की गयी है, उसे पायलाट असुरक्षित बमझा हो, तो वह, पराम्परानि, तब तक उसे उस पर छोड़ने या उसे उत्तरार्द्ध में हटकार कर सकेगा जब तक कि वह प्रभेक्षित मजबूत और कार्य प्रभावशाली बोपाल और मजबूत जहाज की रसीयों की अवस्था नहीं की जाती है।

(इ) जलयान, प्रवेश सारणी के बार नाव्य जलयान वीया में समान दूरी पर नाव्य जलयान वीया के बाब्य सारणी के भीतर या किसी प्रतिविड़ लंगर स्थान पर लंगर नहीं ढालेगे और न ही मास्टर किसी पायलाट को खेले के लिए सारणी में प्रवेश करने का प्रयास करेगा।

(च) (1) यदि फलक पर पायलाट के रहने समय कोई दुर्घटना हो जाती है और यदि जलयान के मास्टर को पायलाट के कमान में जलयान के सम्बालने या कर्तव्य पर तैनात पायलाट द्वारा दी गयी सूचना की बाबत कोई शिकायत है, तो वह दुर्घटना की बाबत तृतीय उपसंरक्षक की चिह्नों करेगा जो शोध ही विधायी आच करेगा।

(2) यदि दुर्घटना नव होती है जब कि जलयान पोत छोड़ रहा हो तो मास्टर पूरी रिपोर्ट अगले पत्तन पर पहुंच कर दीधे ही उपसंरक्षक को भेजेगा।

(3) इस रिपोर्ट के बाब्य प्रश्नगत घटना के किसी साक्षी का हस्ताक्षरित कथन भी होगा।

(छ) कोई जलयान, भौमम की लागत के कारण उपसंरक्षक से पत्तन छोड़ने का प्राधिकार अभिप्राप्त करने का तथा ऐसा करने के प्रत्यने आगम की बाबत पत्तन संकेत केंद्र को सूचित केन्द्र को सूचित करके फलक पर पायलाट के बिना पत्तन छोड़ सकेगा।

11. पत्तन कर्तव्याव का प्रयोग—जलयान के मास्टर के लिये यह प्रावधक दृष्टि कि पत्तन की सीधाओं के भीतर नौवहन करने समय पत्तन कर्तव्याव की सेवाएँ उपलब्ध करे।

12. कोटीश्वर आदि का निया जाना—कोई भी व्यक्ति, यातायान प्रबन्धक द्वारा अनुकूल नियित भनुआपक के प्राधिकार के अर्द्धान के सिवाय—

(क) कोटो चिक्क लेने के लिये प्रत्यने आग और आका, रेखांक माइल या प्रथम आकृति बनाने के लिये कोई सामग्री नहीं रखेगा, या वे आयेगा,

(ख) पत्तन सीधाओं के भीतर किसी जंगल या स्वावर बन्नु या भवन या प्रतिष्ठान का कोटीश्वर नहीं लेगा या उसका आका, रेखांक या माइल नहीं बनायेगा,

(ग) ऐसे अन्य क्षेत्र में प्रवेश नहीं करेगा जो समय-समय पर संरक्षक द्वारा बोलित किया जाए।

13. नारों, लाजिरों प्रावि का ब्रावाम किया जाना—पीन में प्रवेश करने वाले जलयान बाट के पार्श्व में लगाने में सुकर बनाने के लिए अपेक्षित इसाल तार, रस्मियों और अन्य हाजिर प्रवाम के लिए तैयार रखेंगे।

14. जलयान का कर्मीदल और उपकरणों का बैयार रखा जाना—

(1) जलयानों के मास्टर या स्वामी, पराम्परानि संबंधी कर्मीदल नियोजित करेंगे और फलक पर ऐसे उपकरण तैयार रखेंगे जो उनकी जलयानों की पत्तन जलसारणी और प्रवेश पद के अन्दर लाने या बाहर ले जाने के लिए आवश्यक हों।

(2) अविकल्प की दृष्टि में या जब कभी आवश्यक हो, उप संरक्षक मास्टर या स्वामी के व्यय पर, कामिकों को इनी संवेद्य में नियोजित करेगा और ऐसे उपकरण उपलब्ध कराएगा जो वह आवश्यक समझे।

15. अन्य पूर्वावधानिया—(1) जलयान, जब कि वे पत्तन में प्रवेश कर रहे हों, उसे छोड़ रहे हों या पत्तन में हटाए जा रहे हों या जबकि वे किसी जैदी, बाट या बोया से सुरक्षित किया गया हो, उनके रस्मे अलग करने पर दोनों लंगर किसी भी समय रखाना होने के लिए नैयार रहेंगे।

(2) जबकि जलयान पत्तन में घटियों या जेटियों के पार्श्व में प्रवेश कर रहे हों, उसे छोड़ रहे हों, हटाए जा रहे हों या उसमें पहे रहने हों, तब उनकी बगले सभी प्रक्षेपणों से मुक्त होंगी और उनकी नीकाएं, डेपिटों और डेरिकों को फलक पर लटकाया जाएगा और जहाज से नट पर जाने का सोपान की फलक पर बंदारकृत किया जाएगा।

(3) जलयानों के मास्टर और स्वामी उन सभी दृष्टिनामों के लिए उत्तरदायी होंगे जो उपनियम (1) और (2) में विनियिष्ट पूर्वावधानियों में से किसी पूर्वावधानी का पालन करने में असफल रहने के परिणामस्वरूप हों।

16. जो जलयान पत्तन प्रवेश जलसारणी के बाहर पहे हों उनका हटाया जाना—(1) ऐसे जलयान को, जो पत्तन में प्रवेश के निकट बन्दरगाह में या जलसारणी जल प्रवाह में या बंदरगाह के कलहारी ममुद्र में जलसारणी में प्रवेश के निकट पड़ा हो, मास्टर या स्वामी द्वारा उम दशा में हटाया जाएगा, जबकि उप संरक्षक द्वारा उसकी अपेक्षा की जाए।

(2) यदि ऐसा हटाया जाना सुरंग नहीं किया जाता है, तो उपसंरक्षक के आदेश और निदेशों के अधीन वह कार्य ऐसे जलयान के मास्टर या स्वामी की जोखिम और खंड पर किया जाएगा।

पत्तन के जलयानों के लिए विनियम

17. मास्टर प्रावि प्रत्यने जलयान उनके लिए स्थित वर्ष पर रखेंगे—

(1) पत्तन के भीतर सभी जलयान ऐसे बढ़ी को सम्बालेंगे जो यातायान प्रबन्धक या उप संरक्षक द्वारा उन्हें दिए गए हों और वे अपनी बढ़ी को उप संरक्षित करेंगे या हटाएंगे जब कि उक्त प्राधिकारियों में से किसी प्राधिकारी द्वारा ऐसी अपेक्षा की जाए।

(2) कोई भी जलयान पायलेट या हटाए जाने वाले जलयान के भारतीय बन्दरगाह मास्टर द्वारा ऐसा करने की अपेक्षा किए जिन उम गून को नहीं करेंगा जो कि जलयान के हटाने में सहायता देने के लिए कम कर देंगा ही।

18. जब विपाट द्वारा ठीक से काम न कर रहा हो तब उनका बन्द किया जाना—जलयानों के, जबकि वे स्थोरा न से रहे हों, सभी विपाट द्वारा बन्द रखे जाएंगे या भीमीति मुरक्षित रखे जाएंगे।

19. उपसंरक्षक के प्राविशों के अधीन पत्तन में लंगर डालने वाले, लंगर उठाने वाले और हटाये जाने वाले जलयान—जलयानों के मास्टर या स्वामी, पत्तन के किसी जलयान के लंगर डालने, लंगर उठाने या हटाए जाने की बाबत उप संरक्षक के नियोजित का पालन करेंगे और उसमें कोई माधा नहीं पहुंचाएंगे। किसी जलयान की, उप संरक्षक के लिए पूर्वतन प्राविशों के बिना, उसकी वर्ष से हटाए जाने की अपेक्षा नहीं की जाएगी।

(2) यदि यह आवश्यक ही जाए, तो उपसंरक्षक ऐसी कार्यवाही कर सकेगा जो उनके आदेशों को प्रबूझ करने के लिए आवश्यक हो। और ऐसी कार्यवाही करने में उपगत व्यय, ऐसो शास्ति पर प्रतिकूल प्रभाव डाने विना, जिसके लिए मास्टर या स्वामी अधिक्रम की दशा में, दायी हों, ऐसे मास्टर या स्वामी द्वारा संदेश होंगे।

(3) जलयानों के मास्टर उप संरक्षक से उन अधिकतम भारों की बाबत अधिनियित करें जिनका लदान वे अपने जलयानों में कर सकेंगे।

20. अनुचित रूप से लंगर डालना:—पत्तन में जलयानों के मास्टर या स्वामी अपने जलयानों की गमियों या हौजियों को उम प्रयोजन के लिए विशेष रूप से उपयोगित जहाजी खूंटों, लंगर स्तम्भ या अन्य उपकरणों से भिन्न, पत्तन में किसी स्थान या स्थानों पर नहीं बन्धने देंगे।

21. जलयान सक्षम व्यक्तियों के भारसाधन में रखें जाएँगे:—जबकि उनमें कोई जलयान रहता है, तब मास्टर या कोई अन्य उत्तरदायी गणिकारी और पर्याप्त संख्या में कर्मदल सर्वेक फनक पर रहेंगे।

22. डेक पर छोकोदारों का रखा जाना:—पत्तन में किसी जलयान के लिए डेक पर ड्यूटी के लिए सर्वेक एक कवार्टर मास्टर या छोकोदार इस जाएगा जो जलयान से तट पर आने-जाने की सीढ़ी का भारसाधन देगा और जलयान के लंगर, रस्सियां और लाईनों को देखेगा और वह उनके समायोजन करने के लिए भी उत्तरदायी होगा और व्यतिक्रम की शा में, जलयान का मास्टर या स्वामी ऐसे व्यतिक्रम के परिणामस्वरूप उन्मे वाली किसी नुकसान के लिए दायी होगा।

23. जलयान का नोटक नहीं बचाया जाएगा:—(1) जब कि कोई जलयान पत्तन में वर्ष पर लगाया गया है या लंगर में हो, तो उप संरक्षक नि पूर्वतन नियित अनुज्ञा के बिना और ऐसी शर्तों के अधीन रहते हुए और वह नियिट करें, विशुल द्वारा उसका कोई नोटक नहीं चलाएगा।

(2) ऐसी अनुज्ञा के होने द्वारा भी, मास्टर और स्वामी ऐसे किसी क्रमान के लिए उत्तरदायी होंगे जो विशुल द्वारा या हाथ से चलाए जाने के कारण किसी नोटक को हो।

24. पत्तन में जो लंगर या अन्य गियर आदि रहते हैं, है उनकी द्वारा प्राप्ति:—मास्टर किसी लंगर या अन्य गियर के, जो पत्तन में उनके जलयानों के फलक पर से गिराए जाएं, तुरंत बोया करने के लिए उत्तरदायी होंगे और वे ऐसे लंगर या गियर को जल से हटाने के लिए उन्मे आवश्यक करव उठाएंगे।

25. जहाजों को उचित रूप से स्थिर किया जाएगा:—पत्तन के जलयानों को इस प्रकार लादा जाएगा या स्थिर रखा जाएगा कि आग गाने या किसी अन्य आपात की दशा में, अतरे के बिना उन्हें अपने वर्षों से हटाया जा सके।

26. जलयानों की मरम्मत:—मरम्मत करने का आशय रखने वाले स्टरों से यह अपेक्षा की जाती है कि वे निम्नलिखित शर्तें ध्यान में रखें, अथवा:

(i) जलयानों को, उप संरक्षक में पूर्व अनुज्ञा लिए बिना गतिहीन नहीं किया जाएगा,

(ii) जलयानों की वर्षों से उम दशा में हटाया जा सकेगा जबकि अन्य जलयानों द्वारा स्थोर लेने के लिए उनकी अपेक्षा की जाए,

(iii) उप संरक्षक, अदि बांछनीय समझा जाए, 10,00 और 17,00 घण्टों के बीच अधिक थोरात्म करने वाले छीलन या मरम्मतों को प्रतिष्ठित कर सकेगा।

(iv) ऐसी मरम्मतों को, जिनमें ईंधन तेल भंडार टैक या ईंधन प्रणाली के समीप से खुली बतियों, गैस से फाटने वाले और भलाई साधितों का प्रयोग किया जा रहा हो या जिनमें किसी ईंधन, भंडार टैक या ऐसे जलयान जिसमें पैट्रोलियम का भंडार-करण किया गया हो, में किसी व्यक्ति को प्रबोध करना पड़ता है, तब तक नहीं आगम्ब की जा सकती जब तक समुचित प्राधिकारी से ऐसा प्रमाणपत्र न अधिग्राप्त कर दिया गया कि वह नीस-मुक्त है।

27. माल आदि को पत्तन में गिरने नहीं दिया जाएगा:—किसी स्थोरा, माल या अन्य पदार्थ को किसी जलयान, बटिट या बेगसार से पत्तन जलमारणी या पत्तन में गिरने नहीं दिया जाएगा।

28. स्थोरा, पाल आदि के जल में गिरने की बाबत सूचना का दिया जाना:—ऐसा व्यक्ति या किसी जलयान का मास्टर या स्वामी या नीभरक जो किसी जलयान में लदान या उत्तराई में लगा हुआ ही और किसी जलयान, बेगसार या बटिट से किसी स्थोरा, माल या पदार्थ को पानी में गिरने वेता है, वह घटना की सूचना और उससे संबंधित अन्य विविधियां तुरन्त यातायात प्रबन्धक और उप संरक्षक को देगा तथा वे अपने वर्ष पर जल से उक्त स्थोरा, माल या पदार्थ हटाने के लिए तुरन्त कदम उठाएंगे।

29. जल में गिरने वाले माल, कूड़ा आदि का निकाला जाना:—यदि ऐसा व्यक्ति किसी जलयान का मास्टर या स्वामी या नीभरक जिससे जल से किसी स्थोरा माल या अन्य पदार्थ हटाने की अपेक्षा नियम 28 के अधीन की गयी है, ऐसे समय के भीतर जो उप संरक्षक से आई हुई उम सूचना में विविधिट है जिसमें उससे ऐसा करने के लिए कहा गया है, असफल रहता है, तो उप संरक्षक ऐसे स्थोरा, माल या पदार्थ को हटा सकेगा और ऐसे हटाए जाने में उपगत किसी व्यय को, ऐसे व्यक्ति, मास्टर, स्वामी या नीभरक में किसी ऐसी अन्य शास्ति पर प्रतिकूल प्रभाव डालें बिना जिसके लिए वह व्यक्ति, स्वामी या नीभरक वाली ही, बसूल किया जाएगा।

30. अनुज्ञा के बिना राख, कूड़ा-करकट आदि को बटिट आदि पर जमा नहीं किया जाएगा:—कोई भी व्यक्ति यातायात प्रबन्धक के प्राधिकार के बिना, किसी बटिट, बेगसार, घोड़ में या पत्तन के किसी भाग में कोई राख, रांडा-न्यर, टांकरिया, पीपियां, मिहर, धूल, उपमे, कबरा, कूड़ा-करकट, छीनन सामग्री या किसी प्रकार की अन्य खुली सामग्री या पदार्थ जमा नहीं करेगा।

31. सामग्री को पत्तन में गिरने से रोकना, राख आदि का व्यय:—
(1) जलयानों के ऐसे मास्टर या स्वामी या नीभरक जो राख, रोड़ पत्तर, ईट, मिहर, कोथला, छूने की धूल, कूड़ा-करकट, बजरी, पत्तर, ब्लैपरल या अन्य प्रकार की खुली सामग्री का लदान या उत्तराई कर रहे हों, ऐसे लदान या उत्तराई के लिए उपसंरक्षक के समाधानप्रब रूप में किरमिच के काढ़े या काढ़ बणिका का प्रयोग करेंगे।

(2) राख, मिहर, धूल और कूड़ा-करकट बटिट पर ऐसे स्थानों पर उतारा जाएगा जैसे यातायात प्रबन्धक द्वारा नियिट किया जाय और व्यास्तिति, मास्टर स्वामी या नीभरक उनको ऐसे स्थान से हटा सकेंगे।

32. तेलयुक्त गंडे जल आदि को पत्तन में नहीं निकाला जाएगा:—
(1) किसी भी बैलाट जल को जिसमें तेल ही और जो जल को दूषित करता हो यादूगित करने के योग्य हो, किसी जलयान से पत्तन में नहीं निकाला जाएगा।

(2) यदि पोत के बारों और तेल तैरता हुआ पाया जाए तो मास्टर का यह उत्तरदायित्य होगा कि वह यह सिद्ध करे कि वह तेल उसके पोत से नहीं निकाला है।

33. जलयानों का सफाई—किसी व्यक्ति को ऐसे समय के भीतर के मिश्रण जो संरक्षक द्वारा इस निर्मित नियन्त्रित किया जाए, किसी जलयान की सफाई या रंग बोयान के लिए या तुल्यों, बायलों या पत्तन के जलयान की ओहरे लन में काम करने के लिए नियोजित नहीं किया जाएगा।

34. किसी जलयान के घेक से प्रक्षेपणः—किसी जलयान के घेक से ऐसे प्रक्षेपणों का, जो पत्तन में किसी जलयान के लदान या उत्तराई में बाधा पहुँचाने हैं, यातायात प्रबन्धक की अध्ययेका पर तुरन्त हटाया जा सकेगा।

35. प्रतिरक्षक—वर्षट्, जेटी, बर्पों पर पत्तन द्वारा उपर्यादित किए गए प्रीतरक्षकों को, स्वामियों या उनके नीभरकों द्वारा उठाया या हटाया नहीं जाएगा।

36. छवति संकेतः—जलयानों के कलक पर, जब कि वे पत्तन की सीधारों के भीतर हों, समुद्र में टक्कर के निवारण के लिए अन्तर्राष्ट्रीय विनियम, 1965 के विनियम 15, 28 और 31 में वितरिष्ट प्रयोजनों और ऐसे आपान की दणा में जब कि जलयान की सुरक्षा के हिस्से में तट से तुरन्त महायात्रा प्रपेक्षित हों या जबकि भारताधिक पायलेट ऐसा करना ठीक समझे, के विवाय ध्यान शाक्षित करने के लिए छवति संकेतों का प्रयोग प्रतिष्ठित है।

37. नाव आदि का इक्कना—ऐसे बन्दरगाह में जिसके पार्श्व में स्थोरा या यादी ऐसे समय या स्थोरा या यादी उनारते समय, कोई स्थोरा, मसूला या अन्य नीका दूध गयी है, किसी जलयान का मास्टर या स्वामी इस प्रकार इक्कने के तथा या उस स्थान जहाँ यह घटित हुआ है, की बाबत तुरन्त रिपोर्ट उप रक्षक को करेगा।

38. खतरनाक स्थोरा और अगन्यायुद्धः—पोत में किसी जलयान के कलक पर खतरनाक पशुओं और भीर बन्तूक या अगन्यायुद्ध नहीं रखे जाएंगे या नहीं रखने दिए जाएंगे।

39. खतरनाक स्थोरा आदि वाले जलयानः—उपसंरक्षक ऐसे सभी जलयानों को जिनके कलक पर पशु, आव या अन्य आकामक या खतरनाक स्थोरा हैं या संक्रामक रोगों से ग्रस्त-व्यक्ति हैं, पत्तन से तुरन्त हटाए जाने के लिए आदेश करेगा।

40. जलयानों के मास्टर आदि का नुकसानों के लिए उत्तरदायी होना—जलयानों के मास्टर और स्वामी अपने सेथाओं की उपेक्षा के कारण पत्तन के प्रतिष्ठान या सम्पत्ति को होने वाली किसी हानि या नुकसान के लिए उत्तरदायी होंगे और उप संरक्षक को उनके जलयानों को तब तक रोके रखने का अधिकार होगा जब तक कि हानि या नुकसान का मूल्य संदर्भ नहीं किया जाता है या ऐसे संवाय के लिए प्रतिभूति नहीं दी जाती है।

41. पत्तन में जलयान आदि मास्टर आदि का जोखिम पर रहना—पत्तन में सभी जलयान अपने उन मास्टरों या स्वामी की जोखिम पर रहते हैं जो उनके दोषपूर्ण, नीतिरिहन या लंगरों या नीबन्ध से भटकने के परिणामस्वरूप उत्पन्न होने वाले किसी हानि या नुकसान के लिए उत्तरदायी होंगे।

42. मास्टर आदि का कर्मीदल आदि, के कार्यों के लिए उत्तरदायित्वः—जलयानों के मास्टर और स्वामी कर्मीदल के और उनके द्वारा अपने जलयानों के बाहर या कलक पर नियोजित किसी व्यक्ति के कार्यों के लिए दायी या उत्तरदायी ठहराए जाएंगे।

43. प्राधिकारी का विलम्ब आदि की बाबत पत्तन दायी नहीं होगे—पत्तन प्राधिकारी, पत्तन में प्रवेश करने वाले, उसमें छहरने वाले या उसके बाहर जाने वाले किसी जलयान की बाबत विलम्ब के लिए या उनके नियन्त्रण के बाहर परिस्थितियों के कारण भाल के लदान या उत्तराई के लिए दायी या उत्तरदायी होने वाली नहीं होंगे।

44. जलयानों में आग लगने की बाबत सूचना मास्टरों आदि हारा दिया जाना :—

(1) वह व्यक्ति जो किसी पोत में आग देख रहा हो,—

(क) तुरन्त पोत के ऐसे प्रधिकारी को सूचित करेगा जो उपनियम (2) के उपबन्धों के अनुसार में खनरे का संकेत देने के लिए उनरदायी होगा।

(ख) यदि पोत घटित के पार्श्व में हो, आग को नट पर सगा हुआ समझेगा और तुरन्त उपनियम (2) के अनुसार अपेक्षित खनरे का संकेत देगा और पोत के किसी प्रधिकारी को सूचित करेगा और वह भी उपनियम (2) के उपबन्धों के अनुसार में खनरे का संकेत देगा।

(2) खनरे का संकेत देने के लिए निम्नलिखित पद्धतियां अपनाई जाएँगी :—

1. दिन में तिरना हुआ—अन्तर्राष्ट्रीय ध्वज ‘डीस्यू’ फहराएगा और पोत की सीटी या सायरन पर तब तक लगातार सीटी देगा जब तक कि अग्नि बेड़ा नहीं पहुँच जाता है।

2. गत्रि के समय तिरना हुआ :—उपरोक्त रूप में सीटी और सायरन की ध्वनि करेगा और छह फीट की दूरी पर दो लाल बत्तों विद्वानाएँ जिनमें एक दूसरे के ऊपर होगी। जब पोत पार्श्व में हो तो उपरोक्त प्रक्रिया के अतिरिक्त टेलीफोन द्वारा भी खनरे का संकेत दिया जा सकता है।

3. दिन या रात्रि के समय तट पर—निकटतम टेलीफोन केन्द्र के पास जाएगा और पत्तन एकमत्रोंज को टेलीफोन करेगा और सम्पर्क स्थापित होने पर स्पष्ट रूप से ज्ञाताएँगा कि :

.....पर पोत पर आग लग गयी है।

.....तट पर आग लग गयी है।

टिप्पणः पत्तन दी० बी० एस० एप्रेलर को यह साक्षाती ब्रतनी चाहिए कि वह किसी भी प्रकार के विलम्ब के बिना, पत्तन प्रभिन कार्यालय से सम्पर्क स्थापित करे।

45. जल के नीचे उद्धारण या मरम्मत करने पर प्रतिवेद्यः—कोई भी व्यक्ति उप संरक्षक या उसके द्वारा प्राधिकृत किसी प्रधिकारी की पूर्वसन अनुक्त के बिना, किसी लंगरों, केबिलों, भंडार सामग्री या पानी में खोए गए या खोए गए समझे गए स्थोरा का उद्धारण नहीं करेगा या जलयानों की पानी के नीचे मरम्मत नहीं करेगा।

4. जलयानों में लदान या उत्तराई के लिए घटियों और खेड़ों और माल के परिवान और पोत लदान की बाबत नियम :—

46. पत्तन में कार्य यातायात प्रबन्ध के अधीन होगा :—(1) पत्तन में जलयानों का लदान या उत्तराई यातायात प्रबन्ध के नियन्त्रण के अधीन होगा और वह अपने विवेकानुसार पत्तन में ऐसे माल के उतारे जाने को प्रतिविद्ध कर सकेगा जिससे उसकी राय में यातायात में बाधा पड़ने, भीड़ होने, पत्तन के सुविधाजनक प्रयोग में रुकावट पड़ने की संभावना है।

(2) यातायात प्रबन्धक अपने विवेकानुसार माल को किसी अन्य स्थान को हटा सकेगा जिसके पत्तन परिसरों में भंडारकरण के कारण या तो पत्तन में उनके प्रबन्धरण पर या तस्पृशात यातायात में बाधा पड़ने की या भीड़ होने की संभावना है।

(3) प्रत्येक जलयान द्वारा प्रधिकारी में लिए जाने वाले घटि स्पल का प्रभाजन यातायात प्रबन्धक द्वारा समानता के आधार पर किया जाएगा।

47. केंद्रों का प्रयोग :—आयात स्थोरा उत्तराने के लिए या निर्यात स्थोरा के लदान करने के लिए अहृत केंद्रों का आवंटन यातायात प्रबन्धक के विवेकानुमार होगा ।

48. बेकार पड़े जलयान :—यातायात प्रबन्धक, अपने विवेकानुमार किसी जलयान को जो उसकी राय में पत्तन में बेकार पड़ा है, उसको बर्थ से हटा सकेगा या उसे पत्तन से बाहर करने के आदेश दे सकेगा ।

49. धीरे-धीरे कायं करने वाले जलयान :—ऐसे जलयान से जो पत्तन में आयात स्थोर उत्तर रहा ही या निर्यात स्थोरा का लदान कर रहा हो, यह अपेक्षा की जा सकेगी कि वह अपनी वर्थ छोड़ दे, यदि यातायात प्रबन्धक की राय में, उत्तराहृत या लदान की दर समान जलयानों और समान स्थोराओं के लिए औरत दर से नहीं है ।

50. स्थोरा सम्भालने से पूर्व जलयानों का लंगर स्थान पर बोधा जाना :—पत्तन में किसी जलयान में माल का लदान या उससे उत्तराहृत तक नहीं की जाएगी जब तक कि जलयान को उसके लिए आवंटित वर्थ पर नहीं बोधा जाना है ।

51. प्रमुखन का विभंजन करने से पूर्व या लदान आवंटन करने से पूर्व माल सूची का वेश किया जाना :—(1) (क) ऐसे जलयान को जो पत्तन पर उत्तराने के लिए स्थोरा का वहन कर रहा हो, मास्टर, स्वामी या अधिकर्ता यातायात प्रबन्धक को मम्पूर्ण आयात साक्षात्रण माल सूची की एक सत्य प्रति प्रमुख के विभंजन करने के लिए अनुज्ञात किए जाने से कम से कम छह स्पष्ट कार्यदिवस पूर्व देगा ।

(ख) माल सूची में अभियक्त प्रत्येक परेषण के पूरे व्यौरे वर्षित किए जाएंगे जिनमें प्रमुख के द्रव्यों की वजा में लिटर और अन्य मामलों में किसी भी माल की वजा में सकल भार भी विद्या जाएंगे ।

(ग) अनुबंधित सभय के भीतर ऐसे माल सूची न देने का परिणाम यह हो कि सम्बद्ध जलयान को प्रमुख का विभंजन करने के लिए अनुज्ञात नहीं किया जाएगा । जहां परेषण में विभिन्न भारों के पैकेज जाने हैं, वहां प्रत्येक पैकेज का मीटरी प्रणाली में सकल भार भी विद्या जाएगा ।

लौह और इम्पात परेषणों की दशा में, (क) प्रत्येक हैज वर्णन (ख) परिमाण और (ग) मीटरी प्रणाली में भार, भी प्रमुख को विभंजित करने की अनुज्ञा देने से पूर्व उप दर्शित करने वाले हैं-चमूची प्रस्तुत की जाएगी ।

(2) (क) यदि किसी अन्य पत्तन के लिए या यानात्मारण के लिए आशयित स्थोरा को उत्तराने के लिए अनुज्ञात किया जाता है, तो ऐसे स्थोरा को उत्तराने के लिए अनुज्ञात करने से पूर्व मीटरी प्रणाली में एकल भार के पूरे व्यौरे देने वाली अनुप्रति माल सूची प्रस्तुत की जाएगी ।

(ख) यह तब होगा जब कि ऐसे परेषणों के व्यौरे जलयान के लिए आविल की गयी मूल आयात साक्षात्रण माल सूची में फ़ूल में ही समिलित नहीं ।

(3) माल के पौत लदान के लिए दिए गए प्रत्येक निर्यात आवेदन और देयों के निर्धारण के लिए यातायात प्रबन्धक के कार्यालय में प्रस्तुत किए गए सीमांशुलक निर्यात पौत लदान विल में दम्नावेजों के अन्तर्गत आने वाले परेषणों के पूरे व्यौरे वर्षित होंगे जिनमें प्रपंज द्रव्यों की दशा में, लिटर सहित, स्थोरा का विवरण, स्थोरा का परिमाण और प्रत्येक परेषण का सकल भार भी है । जहां परेषण में विभिन्न भारों के पैकेज हैं, वहां प्रत्येक पैकेज का मीटरी प्रणाली में सकल भार भी विद्या जाएगा ।

(4) पत्तन में प्रस्तावन करने वाले आणिज्य जलयान, जो वे नदे हुए हो या स्थिर रहें, के अधिकर्ता उसके प्रस्तावन के तीन दिन पूर्व यातायात प्रबन्ध को अपनी निर्यात माल सूची की एक प्रति देंगे ।

52. नौभार परेषकों और परेषितियों द्वारा वेश किए जाने वाले दस्तावेज़ :—(1) माल के निर्माण और आयात करने के अनुज्ञा के लिए, सभी आवेदन ऐसे प्रलिप्तों में किए जाएंगे जो यातायात प्रबन्धक द्वारा अनुमोदित हों और ऐसे प्रलिप्तों को सभी मामलों में सही रूप से भरा जाएगा और उस पर माल के नामांगणक या परेषिती या उसके अधिकर्ता द्वारा हस्ताक्षर किए जाएंगे ।

(2) ऐसी दशा के सिवाय जब कि यातायात प्रबन्धक द्वारा प्रार्थित व्यक्ति द्वारा उनकी मांग या निर्यात करने की अपेक्षा की जाती है, सभी आवश्यक दस्तावेजों को नौभार पोषकों या परेषितियों या उसके अधिकर्ताओं द्वारा पौत लदान या माल के उत्तराने के समय वेश किया जाएगा ।

(3) जब स्थोरा का पौत लदान ऐसे जलयान द्वारा ले किया जाता है जो उम जलयान से भिन्न है जिसे ऐसे न्थोरा को ले जाने की अनुज्ञा के लिए आवेदन में प्रविष्ट किया गया था, तो यातायात प्रबन्ध को एक नया आवेदन दिया जाएगा ।

53. पैकेजों का खोला जाना :—यातायात प्रबन्ध की अनुज्ञा के बिना, कोई भी पैकेज बंदरगाह के अन्दर, आयातकर्ता नियर्यातकर्ता या स्थामी द्वारा मूस्याकान, परीक्षा या सर्वेक्षण के लिए, नहीं खोला जाएगा ।

54. पत्तन से लौह, इम्पात मार्गीनरी पैकेजों, लम्बे और अत्यन्त भारी सामान का हटाया जाना :—पत्तन में उत्तरारे गए लौह, इम्पात, मार्गीनरी पैकेजों के लम्बे और अत्यन्त भारी सामान के परेषणों को यातायात प्रबन्धक के विवेकानुमार परेषितियों, स्वामी या निर्यातिकों के बीच पर और उनको पूर्व सूची दिए विना, जब कि वह ऐसा करता पत्तन की सुरक्षा और सुविधाजनक कार्यकरण करने के लिए आवश्यक समझता है, किसी दूसरे स्थान को हटाया जा सकेगा ।

55. इमारती लकड़ी का उत्तरारा जाना :—यातायात प्रबन्ध के अनुमोदन के विना जलयान के ऊपर से इमारती लकड़ी को नहीं उत्तरारा जाएगा और यदि उसे इस प्रकार उत्तरारा जाता है तो ऐसे उत्तरारे जाने के पचात् ठीक अगले उच्च उवार के समय उस पत्तन में आहर हटाया जाएगा ।

56. कोयला या अन्य गंधे स्थोरा का छोड़ा जाना और पौत लदान :—(1) पत्तन में पौतों से और उसमें कोयला और अन्य स्थोरा का प्रपंज में या अन्यथा उत्तरारे जाने और पौत लदान ऐसे यातायात प्रबन्धक की विभिन्न अनुज्ञा से ही कराया जाएगा जो ऐसी अनुज्ञा ऐसे मामलों में देने से इन्वार कर सकेगा जिनमें वह यह समझता है कि कोयला या वैसी ही घृत के उत्तरारे जाने या पौत लदान में सम्पत्ति की कोई हानि या नुकसान होने की संभावना है ।

(2) प्रपंज में या अन्यथा, नट पर और उससे कोयला या अन्य गंधे स्थोरा के उत्तरारे जाने या पौत लदान के लिए दी गयी अनुज्ञा, आयातकर्ता या नौभार परेषक या उसके प्रश्यामिन अधिकर्ताओं के इस महसूति के अध्यधीन होगी कि वे घाट से अवशिष्ट की सफाई की पूरी सागत की धूतिपूर्ति करेंगे ।

57. कलाकृतियां, सोना-चांदी आदि :—(1) पत्तन, ऐसे किसी पैकेज जिसमें कलाकृति या प्राचीन कला की कोई ऐसी वस्तु है जिसका मूल्य पैकेज सहित, पचास रु० से अधिक हो या जिसमें ठांस सोना, चांदी, सोना या चांदी की वस्तुएँ, ग्राम्पूरण, चहमूल्य रन्त या मोंगा हों, की बाबत् कोई उत्तरायात्यक तम तक प्रहण नहीं करेगा जब तक कि पौत लदान के लिए बंगरगाह पर पैकेज को उत्तरारने या लादने में कम से कम छह बष्टे पूर्व स्वामी या वौधिनी द्वारा यातायात प्रबन्धक को लिखित मूल्यना नहीं दी जाती है और विनिश्चिततया पैकेज यातायात प्रबन्धक को परिषत् नहीं किया जाता है और उसके लिए रसीद अधिप्रान नहीं की जाती है ।

(2) यदि यातायात प्रबंधक को लिखित सूचना दिए जिसकी बाट या बैगमार पर ऐसा वैकेज जिसमें ऊपर निविष्ट कोई वस्तु हो, भाई जाती है, तो ऐसे वैकेज को, यदि वह नियत के लिए हो, पोत लदान किया जाएगा। यदि वह आयात किया गया हो तो उसे सीमाशुल्क कार्थरिय या पत्तन शेडों पर स्वामी की एकमत जोखिम पर फटाया जाएगा और जब तक उसकी निकासी नहीं हो पाती तब तक वह उसकी जोखिम पर रहेगा।

58. ऐसे स्थोराओं का सवाल भी उतारा जाना जिनसे पत्तन के घाटों के प्रबूषित होने की संभावना है:— (1) सीरा और अन्य माल को, जिनकी प्रकृति ऐसी हो जिससे पोत लदान या अभिवहन शेड प्रबूषित होने या अन्य माल को तुकमान पहुँचने की संभावना है, पत्तन में किसी जलयान से यातायात प्रबंधक की अनुज्ञा से ही भी और माल के स्थायी या परेक्षिती द्वारा पत्तन प्राधिकारियों को ऐसे व्यव का, यदि कोई हो, जो उनके द्वारा घाट पर अभिवहन शेड की सफाई में उपगत किए जाएं, संघरण करने का बच्चन बेने पर ही उतारा जाएगा।

(2) (क) पत्तन पर इपों या अन्य आधारानों से बनस्ताति, मछली या अन्य तेलों को प्रपुंज में उनके पोत लदान करने से पूर्व नियारने की अनुज्ञा नहीं दी जाएगी।

(ख) जहां प्रपुंज में तेल का पोत लदान किया जाता है, वहां तेलों का परिवहन टैक बैगमों या टैक लारियों में पत्तन तक किया जाएगा और उससे सीधे ही जलयान, टैकों में पम्प किया जाएगा या जहां तेल का परिवहन टैक बाजों में किया जाता है, वहां ऐसे बाजों से सीधे भी जलयान के टैकों में पम्प किया जाएगा।

59. घाटों से सड़े हुए माल का निकासा जाना।—यदि पत्तन में कोई जलयान ऐसी सड़ी हुई, रुग्णित, अतिग्रस्त या अन्य दशा में माल या पदार्थ उतारता है जो पत्तन के स्वास्थ्य अधिकारी की राय में अतिकर या खतरनाक हो या किसी जलयान से निकला गया कोई माल या पदार्थ पत्तन में रहते हुए ऐसी सड़ी हुई दर्शित या अन्य दशा में नष्ट ही जाता है जो उक्त स्वास्थ्य अधिकारी की राय में अतिकर या खतरनाक हो, तो यातायात प्रबंधक उसके स्वामी से, यह अपेक्षा कर सकेगा या यदि स्वामी परेषण की बाबत् बाधा नहीं करता है या इन्कार करता है या उसकी बाबत विवाद करता है या सभी उत्तरदायित्व लेने से इन्कार करता है या स्वामी न हो, तो, यथास्थिति, मास्टर, स्वामी या अधिकारी से ऐसी अपेक्षा किए जाने पर ऐसे माल या पदार्थ की सूचना को प्राप्ति के 18 घाटे के बीतर हटाने से इन्कार करता है या अपेक्षा करता है, तो हटाया जाना ऐसी रीति से किया जा सकेगा जैसी कि यातायात प्रबंधक ठीक समझे और वह, यदि आवश्यक समझे, उक्त माल और पदार्थ को नष्ट करा सकेगा।

(2) यथास्थिति, स्वामी या मास्टर, स्वामी या अधिकारी लिखित मांग किए जाने के 48 घाटे के पश्चात् पत्तन प्राधिकारियों को ऐसे हटाया जाने या नष्ट किए जाने और उतारे या भंडारकरण के स्थान की सफाई, परिलकरण या रोगणुनाशन पर होने वाले या किए जाने वाले सभी खर्चों को संबंध करें।

60. ऐसे स्थानग्रामों का संभासा जाना जिनसे यात्रा पदार्थ के वूपित होने की संभावना है।—

(1) स्थोरा के ऐसे मर्दों को, अर्थात् रामायनिक खाद, कीटनाशी, जहरीले पदार्थ जिनसे यात्रा पदार्थ के वूपित होने की संभावना है, किसी वर्ष पर परियान होने तक के लिए तब तक भंडारकरण के लिए नहीं उतारा जाएगा जब तक ऐसी स्थोरा के उटारे जाने के बारे में यातायात प्रबंधक द्वारा लिखित रूप में विनियिष्टतया अनुज्ञात नहीं किया गया हो।

(2) ऐसे सभी मामलों में, जहां ऐसी अनुज्ञा नहीं दी गयी हो, जलयान या तो ऐसे स्थोरा की बाट पर सीधे हों तब उतारेगा, जबकि स्टीमर अधिकारी द्वारा यातायात प्रबंधक के समाधानप्रव रूप में परेक्षिती के साथ ऐसे स्थोरा की सीधे ही निकासी प्रवस्तरण बिन्दु, रेल या मड़क परिवहन से करने के लिए इन्तजाम किए गए हों या ऐसे स्थोरा को स्टीमर अधिकारी द्वारा भाई पर लिए गए बाजी में उतारेगा जिससे वह भंडारकरण के लिए यातायात प्रबंधक द्वारा नियन्त्रित रूप में जाया जा सके।

61. जलयानों का उनके बर्थों से स्थानान्तरण:— (1) यातायात प्रबंधक या तो स्वामी या उप संरक्षक के माध्यम से किसी जलयान की पत्तन में पांक बर्थ से दूसरे बर्थ में हटाने के लिए नियेष त्रे सकेगा, परन्तु यह तब जब कि ऐसा अन्य बर्थ खाली हो।

(2) इस नियम के अधीन स्थानान्तरण के लिए अपेक्षित किसी जलयान से हटाने की अपेक्षा करने में पूर्व 12 घण्टों की सूचना दी जाएगी।

(3) पत्तन ऐसे किसी विलम्ब के लिए उत्तरदायी नहीं होगा जो किसी जलयान को इस नियम के अधीन स्थानान्तरण करने के कारण हो।

62. नीबरकों को अनुज्ञानी जारी करना:— (1) संरक्षक यातायात प्रबंधक को सिफारिश पर, प्रति वर्ष, पत्तन में जलयानों के नीबरण के लिए कनियप्र अनुमोदित फर्मों और व्यक्तियों को अनुज्ञानित जारी करेगा और पत्तन में किसी जलयान के फनक पर किसी नीबरक को तब तक काम नहीं करने दिया जाएगा, जब तक कि उसके कब्जे, में ऐसी अनुज्ञानित न हो।

(2) संरक्षक, यातायात प्रबंधक की सिफारिश पर किसी भी समय इस नियम के अधीन जारी की गयी किसी अनुज्ञानित को रद्द कर सकेगा या उसे ऐसी अवधि के लिए निलम्बित कर सकेगा जो अनुज्ञानित के किसी निवन्धन या नियम 63 या 64 के किसी उपबन्ध के भंग के लिए विनियिष्ट किया जाए। अनुज्ञानित को इसी प्रकार से तब भी रद्द और निलम्बित किया जा सकेगा जब कि उसके अनुबन्ध किए जाने के पश्चात् यह मालम होता है कि अनुज्ञानित के आवेदन में तात्क्षण तथ्यों का दृष्ट्यपवेशन या गलत कथन किया गया हैं या, यथास्थिति, जब कि अनुज्ञानितधारी को विवादित किया गया है या उनका समापन हो गया हो या जब कि अनुज्ञानितधारी या उसके कर्मकार पत्तन की सम्पत्ति को या किसी जलयान या उसके उपस्तर को कोई तुकमान पहुँचाना हो या जब कि अनुज्ञानितधारी या उसके कर्मकार पत्तन में किसी कार्य में आधा पहुँचाते हों।

परन्तु ऐसी कोई अनुज्ञानित तब तक रद्द या निलम्बित नहीं की जाएगी जब तक कि अनुज्ञानितधारक को यह कारण दिखाने का युक्तियुक्त अवसर न दे दिया गया हो कि उसकी अनुज्ञानित को यथास्थिति क्यों न रद्द किया जाए या निलम्बित किया जाए।

परन्तु यह भी कि कारण बताने के लिए ऐसा कोई प्रवस्तर तब आवश्यक नहीं होगा जब अनुज्ञानित के धारक के विरुद्ध किसी जांच को लम्बित होने के दौरान अनुज्ञानित के किसी निवन्धन के उल्लंघन के लिए या इस नियमों में से किसी नियम के उल्लंघन के कारण या ऐसा कार्य करने के कारण जिसके लिए इस नियम के अधीन अनुज्ञानित को रद्द या निलम्बित किया जा सके, अनुज्ञानित निलम्बित की जाती है।

63. नीबरकों की अनुज्ञानित जारी करने के लिए प्राप्त:— (1) प्रत्येक नीबरक, किसी जलयान के लदान या उत्तराई या उसके अनुपर्यग कार्य, सभी मुंसेग विविधियों, नियमों और तासमय

प्रवृत्त सभी पदुगत विधियों और विनियमों के प्रधीन प्रपते द्वारा नियोजित सभा कर्मचारीबृन्द और अभियों द्वारा सम्यक प्रनुगालन और पालन किए जाने के लिए उत्तरदायी होंगा।

(2) प्रत्येक नौभरक यह सुनिश्चित करेगा कि गभी लदान और उत्तराई मकिवाएं सभी प्रकार से भारतीय डाक अभियंशन, 1934 (1934 का 19) द्वारा या के प्रधीनविभिन्न अपेक्षाओं के भन्नुरूप होंगी और वे उसके प्रपते गिराव की महायाता से किए जा रहे हैं और वह किसी दोषपूर्ण गिराव के उपयोग से होने वाली दुर्घटना या नुकसान के लिए एकमात्र रूप से उत्तरदायी होगा।

(3) (क) प्रत्येक नौभरक, प्रत्येक विपाट द्वारा पर जिस पर लदान, उत्तराई या बंकर का कार्य किया जाता है, स्पोरा के लदान या उत्तराई के लिए या कोपने या ईवन का बंकर के कार्य का अधीक्षण करने के लिए कम से कम एक प्रनुभव प्राप्त फॉरमेन और टिक्कल नियोजित करेगा।

(ब) टिक्कल फलक में माल के परिवर्धन या अपरिवर्धन के काम का अधीक्षण करेगा और जब कर्मी कोई जलयात मैडकों के बीच में माथ-साथ एथोरा का लदान कर रहा हो, वहाँ वह यह वेदेगा कि बीच के डेक विपाट डारों में आड़ी बीमों की व्यवस्था की गयी है तथा सामने और पीछे की ओरे अपनी-अपनी सही स्थानों पर जुड़ी है और विपाट द्वारों के छक्कन ठीक लगाए गए हैं और कार्य प्रारम्भ करने से पूर्व यह सुनिश्चित किया गया है, उनको प्रपते स्थान से हटाने से प्रभावील्प से रोका जा सकेगा। फॉरमेन डेक पर रहेगा और वह देखेगा कि विपाट द्वार से वर्ष के बाहर केन जंगा नहीं निकाली जाती है तथा हुक जहाज की पैड़ को नहीं पकड़ता है या किर्मी पोल गिराव को दूखित नहीं करता है या नट पर किसी लंखना या निर्माण को नुकसान नहीं पहुंचता है।

(ग) फॉरमेन केन चालक को सही संकेत देगा और बीम में विपाट द्वारों को डक्कनों को उतारने और लगाने के कार्य का अधीक्षण करेगा और वह देखेगा कि डेक पर व्यक्त छतरे से बाहर हैं और किसी उत्थापक के नीचे खड़े नहीं हैं।

(घ) जहाँ काम दिन या रात्रि के लिए रोका जाता है, वहाँ फॉरमेन तलाशी लेगा और अपना यह समाधान करेगा कि फलक में कोई व्यक्ति नहीं है,

(ङ) नौभरक, लदान, उत्तराई या बंकर संयाओं के बीरान, किसी व्यक्ति या सम्पत्ति को होने वाली किसी क्षति या नुकसान की दशा में पोत के अथामी और पतन प्राधिकारियों के प्रति एकमात्र रूप से उत्तरदायी होंगा।

64. मास्टर आरि के अधीक्षण में किसी जलयात के एथोरा का उतारा जाना और उनका वायित्वः—पतन में किस जलयात से किसी स्पोरा को, ऐसे जलयात के फलक पर जलयात के मास्टर या स्वामी के या पतन में ऐसे कार्य करने के लिए संरक्षक द्वारा प्रनुज्ञन नौभरक के निदेशों और अधीक्षण के मिवाय, नहीं उतारा जाएगा और ऐसा मास्टर स्वामी या नौभरक ऐसे जलयात के फलक पर माल के सापरवाही या अनुचित दण में परिवर्धन के कारण होने वाली किसी हानि या नुकसान की बाबत व्यक्तिगत रूप से दावी होगा और वह प्रत्येक माल में निम्नलिखित पूर्वाधारियों का पालन करेगा, अर्थात् :—

(1) किसी माल का लदान करने से पूर्व परिवर्धन भोड़ या निकुञ्ज के बिना लघटा रखा गया है,

(2) प्रत्येक परिवर्धन का काम पूरा करने के पात्रान् और उत्थान पर पहले खिचाव पर आपू चाप की लकड़ी की कड़ी में इसनिए अच्छी तरह से बांधा जाएगा कि पकड़ सुनिश्चित की जाए।

65. मास्टर आरि और स्पोरा उतारने वाले नौभरक फलक पर वसियों की व्यवस्था करेंगे :— (1) पतन में जलयातों के मास्टर और स्वामी और ऐसे जलयात के स्पोराओं को भवभालने वाले नौभरक, ऐसी दशा में जलयातों के सभी भागों में वसियों की सही व्यवस्था करने के लिए, संयुक्त और पृथकः उत्तरदायी होंगे जहाँ कि कार्य या तो पतन के केनों, बाटों, बेगमारों या अन्य सम्पत्ति के प्रयोग करके या अन्यथा किया जा रहा हो।

(2) व्यतिक्रम की दशा में, वे जीवन, अंग और सम्पत्ति की उससे होने वाले किसी हानि या नुकसान की बाबत संयुक्तः और पृथकः दायी होंगे।

66. परिवर्धनों का बनाया जाना-जलयातों की भेदों के नीचे केनों का प्रयोग नहीं किया जाएगा :— पतन में उत्तराई करते समय, किसी जलयात के खुले विपाट द्वार के नीचे आयात माल के परिवर्धन सीधे ही पूरे किए जाएंगे और किन्तु भी परिस्थितियों में मेंडों के नीचे से माल का बाहर निकालने या हटाने के प्रयोगन के लिए पतन के केनों का प्रयोग नहीं किया जाएगा।

67. जलयात के बिनों का प्रयोग :— जलयातों के ऐसे मास्टर या स्वामी जो माल के लदान या उत्तराई के लिए प्रपते केनों या विचों का प्रयोग कर रहा हो, किसी भी कारण से माल को होने वाली हानि या नुकसान के लिए उत्तरदायी होंगे।

टिप्पणी :— (1) केनों की ऐसे स्थानों पर नियत किया जाएगा जैसे नौभरकों द्वारा निर्दिष्ट किया जाए।

(2) गोत्र अधिकारी यह देखेगे कि पतन के केन पतन के केनों से हट कर कार्य कर रहे हों।

68. भारी लिफ्टः— यातायात प्रबंधक, भार में दस मीटरी टन से ऊपर की एक वस्तु या पैकेज का जलयात में उतारा जाना हम प्रयोगन के लिए उपबंधित पतन केनों के बिना उत दशा में प्रतिपिष्ठ कर सकेगा, जबकि उमकी यह राय हो कि ऐसा करना आवश्यक या ठीक है।

69. भारी लिफ्टों का उतारा जाना :— भार में दस मीटरी टन से अधिक की अलग-अलग वस्तुओं या पैकेजों को जब तक नहीं उतारा जाएगा जब तक कि यातायात प्रबंधक द्वारा इस नियत अधिकारित निपटनों और शर्तों के अधीन ऐसा प्रनुज्ञान न किया गया हो। पतन प्राधिकारी, ऐसी वस्तुओं और पैकेजों को होने वाली हानि या नुकसान की बाबत दायी या उत्तरदायी नहीं होंगे।

70. भारी पैकेजों का अंकन और पैक किया जाना :— भार में एक मीटरी टन या उससे अधिक की अलग-अलग वस्तुओं और पैकेजों (जिन्हें इसमें पैकेज कहा गया है) को पतन में किसी जलयात के फलक पर या घट्ट के पाश्व में तब तक लदान नहीं किया जाएगा जब तक कि ऐसे प्रत्येक वस्तु या पैकेज पर उसका सकल भार स्पष्ट रूप से पकड़ी तरह से अंकित न किया गया हो और उसे नीचे दो गयी रीति में पीछकों या उनके अभिसरायों द्वारा पैक स किया गया हो :

(1) भारी पैकेजों की अंकन की रीति :— (क) किसी भारी पैकेज पर एकल भार अंग्रेजी में और यदि संभव हो तो क्षेत्रीय भाषा में इस प्रकार के रंग-नेप में अंकित किया जाएगा जो आमानी से मिट न सके,

(क) जहाँ भारी पैकेज का रंग शुल्क है, वहाँ पाला रंग और जहाँ पैकेज का रंग काला है, वहाँ सफेद या गीला रंग का प्रयोग ऐसे अंकनों के लिए किया जाएगा।

(2) सकल भार मीटरी टनों या किलोग्रामों में अंकित किया जाएगा—
 खण्ड (6) के उपबन्धों के ग्रन्थीत रहते हुए, किसी भारी पैकेज के सकल भार को मीटरी टन या किलोग्राम में अंकित किया जाएगा।

(3) अंकित का स्थान—सकल भार, भारी पैकेज के दोनों ओर इस प्रकार अंकित किया जाएगा जिससे कि पैकेज को किसी भी रिप्रिंट में रखने में अंकन ग्रामानी से विचार्य हो।

(4) अधरों या अंकों का आधार—भारी पैकेज के सकल भार अंकित करने में प्रयुक्त प्रत्येक प्रश्न या अंक लम्बाई में कम से कम साड़े सात सेन्टीमीटर (3") और चौड़ाई में आधा सेन्टीमीटर ($\frac{1}{2}$) होगा।

(5) पैकिंग की रीत—(क) भारी पैकेज में माल को भज्बृत आवरण में ऐसी रीत से सुरक्षित रीत में पैक किया जाएगा जिससे पैकेज के अन्दर माल हिलड़न न करे और जिसके फलस्वरूप माल या आवरण टूट-फूट न जाए।

(ब) आवरण ऐसी मात्री और प्रक्रिया का होगा जो लदान या उत्तराई के दौरान सम्भाले जाने वाली पैकेज के बिन्दुओं को महसुके जिसमें ऐसे अवक्षियों को, जो पैकेज सम्भालते हैं, हाँने वाली क्षमि की जोखिम कम में कम हो जाए।

(6) कनिष्ठ परिस्थितियों में लगभग भार का अंकन किया जाता—
 (1) जहाँ उस स्थान पर जहाँ भारी पैकेज का पोषण किया गया है, पैकेज के सही भार अनुधारित करने के लिए गाधन उपबन्ध नहीं है, वहाँ पैकेज का प्रत्याशित त्यूनतम और अधिकतम भार मीटरी टनों और किलोग्राम में उस प्रकार ऐसी रीत से अंकित किया जाएगा जो इसके पूर्व विनिर्दिष्ट की गयी है:

परन्तु इस प्रकार प्रत्याशित अधिकतम भार का निर्धारण इस प्रकार किया जाएगा जिससे यह पैकेज के वास्तविक भार से कम न हो।

(2) पौष्टक और उनके अधिकतम जलयानों के अधिकतम और नौभरक इस नियम के उपबन्धों के किसी घोग के लिए उत्तराधी होगे।

7.1. खतरनाक पदार्थ-साधारण निर्बन्धन—ऐसे सभी पदार्थों का, जिन्हें खतरनाक घोषित किया गया है (जैसा कि खतरनाक माल के परिवहन की बाबत् संयुक्त राष्ट्र संघ विशेषज्ञ समिति ने जो कि जेनेवा में अगस्त, 1954 में बैठी थी, सिफारिशों में परिभाषित है), पत्तन की स्थीमालों के भीतर सम्भाला जाना परिवहन और स्थायी संचय या लाक्षणिक गुणों के कारण उस रूप में गुणानुग्रह वर्गीकरण, ऐसे निर्बन्धों और शर्तों के अधीन होगी, जिन्हें उप पत्तन संरक्षक समय-समय पर अधिगोपित करें।

7.2. पत्तन द्वारा अधिस्थित किए गए गिफ्टर और अन्य वस्तुओं का प्रयोग—

(1) पत्तन द्वारा दिए गए गमी स्थोर जलने वाले गिफ्टर और अन्य वस्तुओं को जब उनकी और आवश्यकता नहीं है, पत्तन के भंडार डिपो को वापिस कर दिया जाएगा और उन्हें अंडियों या मड़कों पर पड़े नहीं रहने दिया जाएगा।

(2) जलयानों के मास्टर और स्वामी और नौभरकों में अपेक्षा की तारीख से भंडार डिपो में वापिस करने की तारीख तक, ऐसे सभी वस्तुओं की भाड़ा फीस प्रभारित की जाएगी।

(3) पत्तन द्वारा न दी गयी सभी वस्तुओं को अंडियां या मड़कों से, उस काम को जिसके लिए वे लाई गई थीं, के मामात होने के दो घटों के भीतर हटाया जाएगा और अधिकतम की दशा में, यातायात

प्रबंधक द्वारा उसे हटाया जाएगा, और जलयान का मास्टर या स्वामी या नौभरक या अन्य कोई व्यक्ति जिसका वह गिफ्टर है, ऐसे हटाए जाने में उपयत ममी अन्हों के लिए दायी होगा।

7.3. आयुद्ध—(1) ऐसे प्रत्येक जलयान, जो पत्तन में प्रबंध करते वाला हो और जिसके फलक पर उतारने के लिए आयुद्ध और गोला-बालू द्वारा पैकेज आयात स्थोर है, का मास्टर, स्वामी या अधिकतम पत्तन पर पहुँचने के पश्चात् यथासंभव योग्य यातायात प्रबंधक को ऐसे सभी पैकेजों की एक पूरी सूची देगा।

(2) ऐसे पैकेजों को छोड़ने के पश्चात् उन्हें मास्टर द्वारा शेड कॉर्सेन के भीधे भारसाधन में दिया जाएगा जो विनिर्दिष्ट प्रवृत्ति में उसके लिए एक रमीद देगा और उन पैकेजों को तुरन्त अभिवहन गोड में बन्द करेगा।

(3) आयुद्ध और गोला-बालू द्वारा सभी पैकेजों की बाहरी दशा की परीक्षा, उसकी रमीद देने से पूर्व की जाएगी और ऐसी कोई बात जो विशेष रूप में उल्लेखनीय हो, उसकी टिप्पण आने स्थान में दर्ज की जाएगी।

(4) आयुद्ध और गोला-बालू द्वारा सभी पैकेजों को किन्हीं भी परिस्थितियों में गति के समय किसी जलयान से नहीं उतारा जाएगा।

(5) ऐसे पत्तन प्रधिकारी ऐसे पैकेजों के लिए किसी भी प्रकार से उत्तराधी या दायी नक्षी होंगे जो इस नियम की पूर्णतया अनुपालन न करने पर किसी जलयान से उतारे गए हों।

(6) पत्तन किसी जलयान या जलयान की लाई की ऐसी भवधि के लिए जैसी संरक्षक उचित समझे, इस नियम के प्रवर्तन में सूच दे सकेगा।

7.4. गोला-बालू और विस्फोटक—गोला-बालू या विस्फोटक, जो ऐसी आनिशब्दजीवी के भासान से भिन्न है जो संकट-संकेत पोत उपस्कर का भाग है, या स्थीरा के फलक पर जिसका भार बालू द्वारा स्थूल में 45 किलो ग्राम (100 पौंड) से अधिक है, महिल पत्तन पर पहुँचने वाले जलयान का मास्टर विन के समय अप्रभाग में अन्तर्राष्ट्रीय कोट के लाल छव्ज "ब्रू" संप्रदर्शित करेगा और सूर्यास्त और सूर्योदय के दीन अप्रभार पर लाल बत्ती लब तक दिखालाएगा जब तक कि गोला-बालू विस्फोटक या बालू उपत्तन की सीमाओं के भीतर फलक पर रहता है।

7.5. विस्फोटकों या अन्य खतरनाक स्थोरों का अवतरण—(1) बालू या अन्य विस्फोटक या पैकेज या अन्य खतरनाक स्थोरों के पीन की सीमाओं के भीतर, सीमा-शुल्क कलेक्टर और उप संरक्षक की पूर्व अनुशा के बिना नहीं उतारा जाएगा और उसके उतारे जाने या पीन लदान करने समय इस नियम प्रधिकारियों के अधीन बताए गए सभी नियमों और ऐसे नियमों को प्रभारी बताने के लिए समय-समय पर पत्तन प्रधिकारियों द्वारा किए गए या दिए गए अन्य नियमों का भी सक्ती से पालन और अनुपालन किया जाएगा।

(2) (क) पत्तन जलयान विस्फोटक या पैकेज में रखे गए खतरनाक पेट्रोलियम का लदान या उत्तराई करने या सम्भालने समय सभी अग्नि प्रदायनों को रखेगा और उनका भंडारकरण नहीं करेगा जब कि विस्फोटकों और पैकेज में बन्द खतरनाक पेट्रोलियम का लदान नहीं किया जा रहा हो या उन्हें उतारा नहीं जा रहा हो या उसको नहीं सम्भाला जा रहा हो और यह तभी होगा जब कि वे विपाट द्वारा जिनमें विस्फोटक या पैकेज में बन्द खतरनाक पेट्रोलियम है, पूर्णतया बन्द कर दिए गए हों।

(ख) स्टाक फलकों के सभी भवातकों को सावधानी से देखना होगा और उन्हें उचित रूप में सम्भाला जाएगा और स्थार फलकों में बास

पतवार लगाएँ जायेंगे जिससे फलका पर पेटियों में बन्द जलयान के द्वारा नियम में जमा होने आंखें गैस के किसी विकेट को रोका जा सके।

76. प्रत्यंत्र में ईधन तेल का उतारा जाना।—प्रत्यंत्र में पैट्रोलियम ने जले वाले जलयान पैट्रोलियम नियम, 1937 के उपबन्धों तथा इस नियम अधिनियम के अधीत बने नियमों या ऐसे नियम में को प्रभावी करने या सुनश्चा सुनिश्चित करने के लिए समय समय पर उप संरक्षक द्वारा किए गए या दिए गए किन्तु आवेदनों का अनुपालन करेंगे।

77. पैट्रोलियम ईधन तेल का बंकर किया जाना।—पतन आंखों और टैक यानों के पैट्रोलियम ईधन तेल वाले जलयानों का बंकर किया जाना निम्नलिखित घनों के अधीन रहते हुए अनुकूल किया जाएगा, अर्थात्:—

(क) ऐसे सभी समयों के दौरान जब जलयान अपने बंकरों में ईधन से रहा हो कलक पर ऐसे जलयान का मास्टर या प्रथम मेट उपस्थित रहेगा और वह देखेगा कि इन नियमों के उपबन्धों का पालन किया जाए और सुरक्षा के लिए सभी युक्तिगृह पूर्णावधानियों का अनुपालन किया जाए।

(ख) पौत्र अधिकारी निगरानी करेगा और जब बंकर किया जा रहा हो, बंकरों को प्रदाय करने वाले तेल कंपनी का एक परिचार, सचिवी, संघों की पाईप के माथ-साथ सैनात किया जाएगा।

(ग) जब बंकर किया जा रहा हो, तब जलयान के डेकों पर धूम-पान, रसोई पकाने, खुली बत्तियों या फोजों को नहीं रहने दिया जाएगा।

(घ) आट या पोत बैसिन पर तेल के टपकने को रोकने के लिए संघों सेवा पाईप के नीचे एक अधोचित गढ़र या यंत्र रखा जाएगा।

(इ) ईधन लेने वाले जलयान के मास्टर या स्वामी तथा बंकर करने के लिए ईधन तेल के प्रवायकर्ता, जलयानों या प्रदायकर्ताओं के साथियों या उपकरणों में दूटि के कारण या उनके असफल रहने के कारण यानयान प्रबन्धक के सारमाधन में रहने वाले पतन या स्थोरा की किसी सम्पत्ति को होने वाले नुकसान के लिए संरक्षक: और प्रथक: दायी होंगे।

(ज) ईस्वान लेटों, नोडे की रेलों और समृद्ध माल जो तेल से को छोड़ कर अन्य मामान 50 फीट के अन्दर भेल पाईप थाट पर रखने की अनुमति नहीं है और रेड का नजदीकी दर्गवाजा बन्द कर दिया जाव जब तक बंकरिया का काम चालू है, प्रभावित नहीं होता है।

(झ) बंकर आरम्भ करने से पूर्व परिचर वह देखेगा कि तेल कंपनी के डिपो तक टेनीफोन कनेक्शन थीक से काम कर रहा है।

अग्नि तथा बल्लियों की आवत नियम

78. धूमपान आदि।—पतन के भीतर किसी थोड़े या भण्डागार में धूमपान करना और अमुरक्षित आग या बैसी का उपयोग करना पूर्णतया प्रतिषिद्ध है और कोई भी व्यक्ति ऐसे स्थानों के मिवाय जो उस प्रयोगन के लिए आवश्यक किये जाएं, पतन के भीतर किसी बेगसार या घट्ट या किसी जलयान के फलक पर धूमपान नहीं करेगा या यूसुफीर मालिम या अन्य ज्वलनशील वस्तु को प्रज्वलित नहीं करेगा।

79. अग्नि प्रवार्ष और बल्लियों।—(1) जलयान को ऐसे स्थान पर अमित नहीं किया जाएगा जो इस प्रयोगन के लिए उपसंरक्षक द्वारा नियम स्थान से भिन्न है।

(2) पिच या डामर को पतन के भीतर जलयानों के फलक पर गर्म नहीं किया जाएगा किन्तु बगल में किसी बोस्ट या पिछले भाग में किया जाएगा और न ऐसे जलयानों के फलक पर मोमबनी या अमुरक्षित कृत्रिम बल्लियों के निकट स्प्रिट निकाला जाएगा।

(3) कपास का लदान करने समय जलयानों के फलकों में असुरक्षित बल्लियों नहीं होंगी।

(4) जबकि पतन की सीमाओं के भीतर किसी जलयान से भार में 45 किलोग्राम (100 पोण्ड) से अधिक बाल्ड, गोला बाल्ड या प्रत्यक्षिकोटक का पीत लदान किया जा रहा हो, या उन्हें उतारा जा रहा हो तब फलक पर विस्फोटक नियम, 1940 में यथाउपबन्धित के सिवाय, अग्नि पदार्थों, बल्लियों को नहीं रहने दिया जाएगा या धूमपान नहीं करने दिया जाएगा।

80. जलयानों का पतन तक पहुंच और पुलिम पदधारी।—जब कभी मांग की जाए तब अग्नि पदार्थों और पोतों के संबन्ध में निरीक्षण के प्रयोगनार्थ, पतन के जलयान पतन और पुलिम पदधारियों को पतन तक निर्बाध स्पष्ट से पहुंचने देंगे और कोई भी व्यक्ति इन नियमों के उल्लंघन में प्रयुक्त किसी अग्नि या बत्ती के बूझाने के लिए किसी पुलिम प्रधिकारी या बौकीदार के आदेशों की अवश्य नहीं करेगा।

7. प्रकीर्ण

81. घट्ट आदि तथा पतन थेत्र यातायात प्रबन्धक के प्राधिकार के अधीन रहेंगे:—(1) पतन की सीमाओं के भीतर, घट्टियां, गोद, द्वारा और प्रत्यक्षिकोट्र यातायात प्रबन्धक के भारसाधन में रहेंगे जो माल की उत्तराई और पौत्र लक्षण से और या तो गेडों में या खुले या उनके संडार्करण में संबन्धित सभी संकियाओं की बाबत निवेश देगा और उनका प्रबन्ध करेगा, पतन में पहुंचने वाले समस्त माल उसकी अभिरक्षा में रहेंगे और वह ऐसे कदम उठाएगा जो पतन के भीतर सम्मुचित व्यवस्था बनाए रखने के लिए प्रावश्यक हों।

(2) (क) कोई भी व्यक्ति, यातायात प्रबन्धक के प्राधिकार द्वारा या उसके अधीन उसे जारी किए गए अनुकूपत्र या टोकन के बिना, पतन थेत्र में प्रवेश नहीं करेगा, पुलिम अधिकारी या इन नियम सम्मक्त संस्थान किया गया पतन अधिकारी द्वारा मांग किए जाने पर ऐसे अनुकूपत्र या टोकन को निरीक्षणार्थ पेश किया जाएगा।

(ख) कोई भी व्यक्ति उपर्युक्त स्पष्ट से जारी किए गए अनुकूपत्र या टोकन किसी प्रत्यक्षिका द्वारा प्रयुक्त नहीं करने देगा।

(ग) ऐसा अनुकूपत्र या टोकन, जो किसी व्यक्ति को जारी किया गया है और जिसका प्रयोग किसी अन्य व्यक्षिका द्वारा करने दिया गया है, अधिकृत और रद्द किया जाएगा।

82. पतन के विभिन्न अनुभागों के काम के घट्टों का विनियमन:—यातायात के कार्य के प्रयोगनों के लिए जिन विभिन्न अनुभागों में पौत्र परियोगों को विभक्त किया गया है उनमें से प्रत्येक में जिन घट्टों का काम किया जाएगा, जो समय-समय यातायात प्रबन्धक द्वारा सम्बद्ध अनुभागों में सूचित है, चला करके अधिसूचित किया जाएगा और इस प्रकार अधिसूचित काम के घट्टों के अतिरिक्त पतन परियोगों के भीतर, यातायात प्रबन्धक की सिविल अनुज्ञा के सिवाय, कोई काम नहीं किया जाएगा।

83. राशि और अवकाश दिवसों में कार्य:—रात्रि रविवार या अवकाश दिवसों में काम करने के लिए आवेदन यातायात प्रबन्धक को किए जाएंगे जो सीमा शुल्क विभाग में आवश्यक अनुज्ञा पेश किए जाने पर उसके उचित संचालन के लिए आवश्यक इनजाम करेगा और ऐसे दिनों और रात्रि के समय काम के लिए इस प्रयोगन के लिए विनियिष्ट विशेष प्रभार मंदत किए जाएंगे।

स्पष्टीकरण: इस नियम के प्रयोगन के लिए अवकाश दिवस वे होंगे जो उप संरक्षक द्वारा समय-समय पर अधिसूचित किए जाएं।

84. पतन में प्रवेश:—पतन में प्रवेश द्वारा और विकेट द्वारा पतन प्राधिकारियों द्वारा उसके लिए विनियिष्ट घट्टों के भीतर खुले रहेंगे और

किसी अन्य समय पर केवल ऐसे व्यक्तियों को प्रवेश करने और बाहर जाने दिया जाएगा जिनके पास यातायात प्रबन्धक छाग हग प्रयोजन के लिए जारी किए गए विशेष पास हों।

85. डाक श्रमिकों और नाविकों के भोजन लेने के लिए अलग-अलग स्थान रखे जाएँगे—नाविकों या डाक श्रमिकों को अपने भोजन लेने के लिए यातायात प्रबन्धक के विवेकानुसार उसके आवेदन द्वारा समय-समय पर अवसर की अवधानुसार कतिपय अलग-अलग ऐसे स्थान मिलते हैं जाएँगे और भोजन लाने वाले ऐसे सभी व्यक्ति उन्हीं स्थलों और उनको जाने वाले और उनसे आने वाके मार्गों का प्रयोग कर सकेंगे जो सूचना पढ़ते हुए द्वारा उपर्याप्त किए जाएँगे।

86. पेटियों को खोलने और उनकी मरम्मत करने के लिए शेडों में अनुशृण्टि काठकारों को जाने दिया जाएगा—यातायात प्रबन्धक, पत्तन में पेटियों के स्वामियों के कानूने पर उनको खोलने या उनकी मरम्मत करने के लिए काठकारों के द्वय में कार्य करने के लिए अहित व्यक्तियों को अनुशृण्टि प्रदान करेगा और उस रूप में अनुशृण्टि व्यक्तियों से भिन्न किन्हीं व्यक्तियों को ऐसे प्रयोजनों के लिए प्रयुक्त होने वाले औजारों या अन्य उपकरणों की पत्तन में नहीं ले जाने दिया जाएगा।

87. केरी वालों को अनुशृण्टि जारी किया जाना—कोई भी व्यक्ति यातायात प्रबन्धक की अनुशृण्टि के लिए, पत्तन के भीतर या किसी जलयात के फलक पर माल की केरी नहीं लगाएगा या उसे नहीं बेचेगा और इस प्रयोजन के लिए यातायात प्रबन्धक किसी व्यक्तियों को ऐसे अनुशृण्टि जारी कर सकेगा जो प्रति वर्ष नवीकरणीय होंगी, परन्तु ऐसे व्यक्ति सीमांशुलक फ्लैटर से लिखित में पूर्व अनुमोदन अधिकारात करेंगे और ऐसी अनुमति के कारण उसका धारक पत्तन में ऐसे जलयात के मास्टर, स्वामी या अधिकारी की अनुशा के लिए उसके फलक पर जाने का हकदार नहीं होगा।

88. पत्तन से ट्रकों और हथ गाड़ियों का हटाया जाना—ऐसे ट्रक और हथगाड़ी जिनमें माल लवा हुआ है और जिन्हें तुरन्त पत्तन से बाहर नहीं ले जाया गया है, माल के स्वामी की जोखिम और वर्ष पर यातायात प्रबन्धक द्वारा हटाया जा सकेगा और अन्य व्यक्तियों के ट्रकों और हथगाड़ियों, जो पत्तन में पहुँचे हुए छोड़ दी गयी हो, यातायात प्रबन्धक द्वारा हटाई जाएँगी और अधिकृत की जा सकेगी।

89. किसी भी पत्तन सम्पत्ति का नाश या तुकमान—ऐसा व्यक्ति जो पत्तन जलसारणी या प्रवेश द्वारा या पत्तन के भीतर किसी मूरिग की रसी या रजू जंगी, जीवन दोया, रक्षा लाईन या जीवन रक्षा उपकरण या किसी दोया, रजू या केबिल को काटता है, विशेषता है या तुकमान पहुँचाता है, ऐसी शास्त्र पर प्रतिकूल प्रभाव ढाले लिए वह किसी अन्य विधि के अधीन दायी हो, तुकमान मरम्मत और बस्ती की रकम संदर्भ करने के लिए दायी होगा।

90. अधिकारियों को बाधा आवि पहुँचाना—कोई भी व्यक्ति, पत्तन के किसी कर्मचारी को, अपने कर्तव्य का पालन करने में नहीं सकता, उस पर प्रहार नहीं करेगा, प्रतिरोध नहीं करेगा, रुकावट नहीं डालेगा, बाधा नहीं डालेगा, घड़कन नहीं डालेगा या विद्धन नहीं डालेगा या सताने, प्रहार करने, रुकावट डालने, बाधा पहुँचाने, घड़कने डालने या विद्धन डालने की प्रस्तावना या प्रयास नहीं करेगा या उससे विश्विपूर्ण आदेशों की अवज्ञा नहीं करेगा या गाली, गलीज या मंतापकारी भाषा का प्रयोग नहीं करेगा या अन्य व्यक्तियों को इन बातों में से किसी बात को करने के लिए सहायता नहीं देगा या नहीं उकसाएगा।

91. यानों का चलाया जाना—यातायात प्रबन्धक द्वारा इस निमित जारी की अनुशृण्टि के लिए आवाद और निम्नलिखित गतियों के अनुमत्य के गिरावाय,

पत्तन के भीतर किसी सड़क, घाटों या अड्डियों के पार्श्व में या उन पर माल ले जाने के लिए, मोटर लारियो या अन्य या उन नहीं लगाए जाएँगे या उनको पत्तन में प्रवेश करने या उनसे नहीं दिया जाएगा, अर्थात्—

- (1) ऐसे यान सभी प्रकार से मोटर यान अधिनियम, 1939 और तदीन बने नियमों के उपबन्धों के अधीन होंगे,
- (2) ऐसे यान को किसी आवमी के देखरेख के बिना नहीं छोड़ा जाएगा,
- (3) ऐसे यान सामान्यतया पत्तन में मान्यता प्राप्त मढ़कों पर लगेंगे किन्तु पत्तन और पुलिस अधिकारियों के नियंत्रण के अधीन रहते हुए, लदान या उत्तराई के प्रयोजनों के लिए उन्हें घाटों, अधिवहन शेडों खुले भंडारकरण स्थलों तक आने दिया जा सकेगा।
- (4) पत्तन में प्रवेश करने या उसे छोड़ने समय, ऐसी मोटर गाड़ियों या यान पत्तन द्वारों पर जब तक रक्खे जब तक पत्तन प्राधिकारियों या सीमांशुलक अधिकारी या बोनों जो द्वारों पर इट्युटी पर लैनात हों, से प्रवेश करने की अनुमा अभिप्राप्त नहीं की जाती और उसका जालक सारा दिए जाने पर सारी या यान को पत्तन में प्रवेश करने की अनुमा देने वाली अनुशृण्टि को निरीक्षण के लिए पेश करेगा।
- (5) ऐसे यानों को उनसे समय से अधिक समय तक पत्तन में नहीं रहने दिया जाएगा जो यातायात प्रबन्धक की गत में माल के लदान या उत्तराई के प्रयोजन के लिए आवश्यक है। भाँड़े के लिए रुक-रुक जलाना और यान जलाना प्रतिषिद्ध है।
- (6) ऐसे यान यातायात प्रबन्धक की विशेष अनुशापन के लिए, पत्तन के भीतर अपने टेंकों में पैट्रोल या अन्य हैंडन नहीं भरेंगे।
- (7) इस नियम के अधीन किसी यान को अनुदन अनुशृण्टियों को, यदि परिस्थितियों ऐसी श्रोता करें, किसी भी अनुशृण्टि धारक को यह कारण बतलाने का अवसर देने के पश्चात् कि ऐसी अनुशृण्टि क्यों न प्रतिसंहृत की जाए, किसी भी समय यातायात प्रबन्धक द्वारा प्रतिसंहृत किया जा सकेगा और ऐसे प्रतिसंहृण पर वह अमूल्यात्मक कीम जो ऐसी अनुशृण्टि की अव्याहीत प्रवधि, यदि कोई हो, की बाबत है, इस निमित अनुशृण्टि जारी द्वारा किए गए लिखित आवेदन पर वापस की जा सकेगी।

92. फीसों या उपचान की प्रस्तावना—पत्तन के किसी अधिकारी या सेवक को जिसे अनुशासनिक कार्यवाही के कष्ट के कारण ऐसी फीस, उपचान या परितोषिक ऐसे से निविद्ध किया गया है, कोई फीस, उपचान या परितोषिक की प्रस्तावना नहीं की जाएगी।

93. संकेत:—(1) जलयातों द्वारा, संकेतों के अन्तर्भूतीय कोड का प्रयोग करके सभी सहायक संकेत दिए जाएँगे और संकेत केन्द्र मस्तूल पीपी पर जवाबी छवज द्वारा उन्हें अधिस्थीकृत की जाएगी।

(2) केन्द्र मांगने के लिए दिवन के समय छवज 'जेड' का प्रयोग करके और रात्रि के समय छोटे-छोटे अन्तरालों पर पत्तन संकेत केन्द्र को मोस और सेमाफोर कोशे द्वारा संसूचनाएँ दी जा सकेंगी।

94. बराबर मौसम के लिए इन्हाम:—प्रतिकूल या बराबर मौसम के चामू रहने के दौरान, पत्तन के प्रत्येक जलयात के मास्टर से निम्नलिखित

निवेशों का पालन करने की अपेक्षा की जाएगी, अर्थात् :

- (क) सूर्यस्त और सूर्योदय के बीच उसे अपने जलयान से अनुपस्थित नहीं रखना चाहिए,
- (ख) अल्पकालिक सूचना पर समुद्र में जाने के लिए उसे सभी प्रकार से अपने जलयान को तैयार रखना चाहिए। यदि यह उसके लिए संभव न हो, तो इस तथ्य की संसूचना भी संरक्षक को तुरन्त देनी चाहिए।
- (ग) बतारे का संकेत ठहराए जाने पर उसे अपने जलयान की सुरक्षा के लिए सभी उपाय करने चाहिए क्योंकि पतन प्राधिकारियों द्वारा और अनुदेश नहीं दिए जाएंगे।

95. पतन में पहुंचने वाले सभी जलयान अपने विश्राम काल और पतन से रवाना होते समय, भारतीय पतन स्वास्थ्य नियम, 1955 के उपबन्धों का अनुपालन करेंगे।

[एफ० स० दी०जी०एल०-३८/७४]

वी० डारकावास, अवर सचिव

New Delhi, the 7th May, 1976

G.S.R. 728.—The following draft of the Major Port of New Tuticorin Rules, 1976 which the Central Government proposes to make in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 6 of the Indian Ports Act, 1908 (15 of 1908) is hereby published as required by Sub-Section (2) of the said section, for the information of all persons likely to be affected thereby, and notice is hereby given that the said draft will be taken into consideration on or after the expiry of a period of sixty days from the date of publication of this notification in the official Gazette.

2. Any objections or suggestions which may be received from any person with respect to the said draft before the expiry of the said period will be taken into consideration by the Central Government.

DRAFT RULES

MAJOR PORT OF NEW TUTICORIN RULES

1. Preliminary

1. Short title and application.—(1) These rules may be called the Major Port of New Tuticorin Rules, 1976.

(2) They shall, unless otherwise provided in these rules, be applicable only within the local limits of the Major Port of New Tuticorin.

Definitions.—In these rules, unless the context otherwise requires :—

- (a) "Act", means the Indian Ports Act, 1908 (15 of 1908)
- (b) "Conservator" means the Conservator for the Major Port of New Tuticorin appointed by the Central Government under the Act.
- (c) "dangerous goods" means goods as defined in the Indian Merchant Shipping (Carriage of Dangerous Goods) Rules, 1954.
- (d) "Dangerous petroleum" means petroleum having its flash point below 24.4 degrees centigrade.
- (e) "Deputy Conservator" means the head of the Port's Marine Department and includes the harbour master or and pilot duly authorised by the head of the Marine Department in this behalf.
- (f) "fuel oil" means petroleum oil having a flash point of not less than 63.6 degrees centigrade and ordinarily used as fuel in engines and furnaces.
- (g) "Owner", in relation to goods, includes any consignor, consignee, shipper or agent for the sale, custody,

loading or unloading of such goods and in relation to any vessel making use of the port, includes any part-owner, charter, consignee, or mortgagee in possession thereof.

- (h) "petroleum" means any liquid hydro-carbon or mixture of hydrocarbon and any inflammable mixture (liquid viscous or solid) containing any liquid hydro-carbon, but does not include any oil ordinarily used for lubricating purpose and having a flash point at or above 93.3 degrees centigrade.
- (i) "port" means the Major Port of New Tuticorin.
- (j) "Port authorities" means the Conservator, Major Port of New Tuticorin appointed by the Central Government and includes any other officer of the port acting under the authority of the CONSERVATOR, Major Port of New Tuticorin.
- (k) "Tanker" is a cargo ship constructed or adapted for the carriage in bulk of liquid cargoes of an inflammable nature.
- (l) "Traffic Manager" means the officer for the time being in charge of traffic operations in the port and includes the Deputy and Assistant Traffic Managers and any other officer acting under the authority of the traffic manager.

II. Admission of Vessels into Port

3. Intimation of a vessels expected arrival.—(1)(a) When a vessel is expected to arrive, her agents shall at least forty-eight hours before the expected time of arrival, send a notice in the form specified by the Deputy Conservator, to the Traffic Manager with a copy to the Deputy Conservator.

(b) Any special requirements regarding particular berths, heavy lift cranes and other things shall be indicated in such notice. Detailed particulars of cargo to be landed at the port, with items of special cargo and heavy lifts shown separately with their stowage and distribution of cargo hatchwise shall either be attached to the vessels arrival notice or be sent atleast 24 hours before the arrival of the vessel and this cargo advice shall be in triplicate.

(2) The agents of expected vessels shall in their own interest contract the Traffic Manager in time and apprise him with all the information regarding nature, quantity, stowage of cargo they intend working and also such, information regarding the vessel as will be necessary for berthing her at a suitable berth.

4. Allotment of Berth—(1) A vessel shall have no claim to a berth in the port until one has been specially allotted by the Traffic Manager and intimation given of such allotment by the Deputy Conservator. (2) Allotment of any berth in the port shall only be considered as provisional until a vessel is actually ready to enter the port and her suitability for and the right to such berth is established to the satisfaction of the Traffic Manager.

5. Priority for Certain Vessels—The allotment of berths shall be within the discretion of the Traffic Manager and subject to exigencies, the vessel first sighted and identified by the signal station shall be given priority.

Provided that Government vessels embarking or disembarking troops, passenger vessels and any other class of vessels which the Deputy Conservator may from time to time declare in this behalf shall be eligible for a degree of priority in berthing.

6. Refusal to Allot a Berth—If the Traffic Manager considers that there is good and sufficient reason for not admitting a vessel into the Port, he may refer the matter to the Deputy Conservator and pending the decision of the Deputy Conservator, he may refuse to allot a berth.

7. Master to be in command of vessels—A vessel shall not be permitted to enter or leave the port or be moved from one berth to another in the port unless the master is on board.

Provided that under exceptional circumstances, such as death or a serious illness of the master, special arrangements may be made in consultation with the Deputy Conservator.

8. Orders etc. ; of the Deputy Conservator to be Carried Out—Masters and owners of vessels shall obey all directions of the Deputy Conservator in relation to the rotation and manner of approaching the port entrance and of coming into or going out of port.

9. Entering or Leaving Port—All sea going vessels on entering or leaving the port between sunrise and sun-set shall fly their national flag, and when entering the port, each vessel shall hoist her signal letters.

10. Piloting of Vessels—(1) Subject to the provisions of the Act, and the conditions given specified in sub-rule (2) pilotage is compulsory for all vessels except for those which are specifically exempted in writing by the Deputy Conservator or some other officer specially empowered by him in this behalf.

(2) The conditions referred to in sub-rule (1) are as follows, namely :—

- (a) The master shall supply the pilot with all the information with regard to quarantine, dangerous goods on board, ship's draft and matters relating to the ship's behaviour and shall on completion of pilotage and berthing or unberthing, complete and sign the certificates on specified forms presented by the pilot.
- (b) In the event of an out-going vessel carrying a pilot outside the limits specified in clause (a) for unavoidable reasons, the master shall be bound to leave the pilot at the next nearest port and shall be liable to pay all expenses incurred on this account.
- (c) The master of a vessel shall in accordance with the provisions of the Act, display such signals as are required by the pilot to be used or as may be directed by the pilot.
- (d) (i) Every vessel entering or leaving the port shall be provided with an efficient pilot ladder in compliance with the Indian Merchant Shipping (Pilot Ladder) Rules, 1953. (ii) If a pilot considers the rope ladder or manropes provided by the vessels to be unsafe, he may refuse to board or leave her, as the case may be, until a strong and efficient ladder and stout man-ropes are provided as required.
- (e) Vessels shall not anchor within the outer channel fairway buoy across the entrance channel equidistant from the fairway buoy or in any other prohibited anchorage, nor shall a master attempt to enter the channel to pick up a pilot.
- (f) (i) If any accident happens to a vessel while a pilot is on board and if the master of a vessel has any complaint to make regarding the handling of the vessel under the command of the pilot, or the advice given to him by the pilot on duty, he shall report about the accident at once to the Deputy Conservator who shall immediately hold a departmental enquiry.
 (ii) If the accident occur while the vessel is leaving the port the master shall send in full report direct to the Deputy Conservator from his next port of call.
 (iii) This report shall be accompanied by a signed statement of any witness to the incident in question.
- (g) A vessel may leave the port without having on board a pilot under stress of weather after obtaining an authority to do so from the Deputy Conservator and after intimating the port Signal Station of the intention to do so.

11. Use of Port Tugs.—It shall be incumbent upon the master of a vessel to avail of the services of the port tugs while navigating, within the port limits.

12. Taking Photographs etc.—No person shall, except under the authority of a written permit granted by the Traffic Manager :—

- (a) have or carry with him a camera for taking photographs or any material for making a sketch, plan, model or other devices;
- (b) take any photographs or make any sketch, plan or model of any movable or immovable object or building installation within any Port limits.
- (c) any other area declared as such by the Conservator from time to time.

13. Supply of Wires, Hawsers, etc.—Vessels entering the port shall have in readiness for supply such steel wire, ropes and other hawsers as may be required to facilitate berthing alongside.

14. Vessel's Crew and Appliances to be in Readiness :
(1) Masters or owners of vessels shall employ sufficient number of crew, and keep in readiness such appliances on board as may be necessary for working their vessels in and out of the port approach channel and in the port.

(2) In default or whenever necessary, the Deputy Conservator shall employ such number of personnel, and make available such appliances as he may consider necessary at the expense of the master or the owner.

15. Other Precautions—(1) Vessels when entering, leaving or being moved in the port or in the event of parting their moorings when secured to a jetty, quay or buoys shall have both anchors ready for letting off at any time.

(2) Vessels when entering, leaving, being moved, or lying in the port alongside quays or jetties shall have their sides free of all projections and their boats, davits and derricks shall be swung in board and gangway ladders shall be stored on board.

(3) Masters and owners of vessels shall be responsible for all accidents which may result from failure to adopt any of the precautions specified in sub-rules (1) and (2).

16. Vessels Lying outside the Port Entrance Channel to be Moved—(1) A vessel lying in the harbour near the entrance to the port or in the fairway of the channel, or near the entrance channel in the pilotage waters of the harbour shall be removed by the master or owner if and when required by the Deputy Conservator.

(2) If such removal is not effected promptly, it shall be carried out under the orders and directions of the Deputy Conservator at the risk and expense of the master or owner of such vessel.

III. Regulations for vessels in the Port

17. Master etc. to Place his Vessel in her Berth—(1) All vessels within the port shall take up such berths as may be assigned to them by the Traffic Manager or the Deputy Conservator and shall change their berths or move when required by either of the said officers.

(2) No vessel shall cast off a warp that has been made fast to her to assist the vessel moving, without being required to do so by the pilot or the Harbour Master in charge of the vessel moving.

18. Closing of Hatchways when not Working—Vessels when not working cargo shall have all hatchways closed or well protected.

19. Mooring, Unmooring and moving vessel in port under orders of the Deputy Conservator—(1) Master or owners of vessels shall obey the directions of, and shall offer no obstruction to the Deputy Conservator, in regard to the mooring, unmooring or moving of any vessel in the port. A vessel shall not be required to be moved from her berth without the previous orders in writing of the Deputy Conservator.

(2) In case it becomes necessary, the Deputy Conservator shall take such action as may be necessary to enforce his

orders and any expenses incurred in taking such action shall, without prejudice to any penalty to which the master or owner in default may be liable, be payable by such master or owner.

(3) Masters of vessels shall ascertain from the Deputy Conservator the maximum drafts to which their vessels may load.

20. Mooring Improperly—Master or owners of vessels in the port shall not permit the ropes or hawsers of their vessels to be made fast to any place or places in the port other than the bollards, moorings posts or other appliances specially provided for the purpose.

21. Vessels to be in charge of competent persons—When a vessel remains in the port, the master or any other responsible officer and sufficient number of crew shall always be on board.

22. Watchmen to be kept on Deck—(1) A vessel in the port shall maintain a Quarter Master or a Watchman always on duty on the deck, who shall be incharge of the vessel's shore gangway and attend to the mooring ropes and lines of the vessel, and he shall also be responsible for their adjustment and in case of default, the master or the owner of the vessel shall be liable for any damage as a result of such default.

23. Vessel's Propeller not to be worked—(1) While a vessel is berthed or moored in the port, any propeller shall not be moved by power without the previous written permission of the Deputy Conservator and subject to such conditions as may direct.

(2) Notwithstanding such permission master and owners shall be responsible for any damage that may result from the moving of any propeller by power or hand.

24. Anchor or other gear Dropped in port, etc. to be Recovered—Masters shall be responsible for the immediate buoying of any anchor or other gear that may be dropped overboard from their vessels in the port and shall take all steps necessary for the removal from the water of any such anchor or gear.

25. Vessels to be Properly Ballasted—Vessels in the port shall be kept so loaded or ballasted that in the event of fire or other emergency, they may be removed from their berths without danger.

26. Repair to Vessels—Masters intending to carry out repairs are required to bear in mind the following conditions namely :

- (i) Vessels shall not be immobilised without first obtaining permission from the Deputy Conservator.
- (ii) Vessels are likely to be moved from the berths when the berths are required for working cargo by other vessels.
- (iii) The Deputy Conservator may if considered desirable, prohibit chipping or repairs causing excessive noise between 10.00 and 17.00 hours.
- (iv) Repairs involving the use of naked lights gas, cutting and welding apparatus to, or in the vicinity of, fuel oil storage tank or the fuel system, or involving the entry of a person into any fuel storage tank or such vessel wherein petroleum may have been stored, may not be commenced unless a gas free certificate from the appropriate authority has been obtained.

27. Goods etc., not to be allowed to Fall into port—No cargo, goods or any other substance shall be allowed to fall from any vessel, quay or pier into the port channel or in the port.

28. Notice to be given of cargo, goods etc. Falling into person or the master or owner of any vessel or the stevedore engaged in loading or unloading any vessel who allows any cargo, goods or substance to fall from any vessel, pier or into the water shall forthwith give notice of the occurrence and furnish all particulars connected therewith to the Traffic

Manager and the Deputy Conservator and shall take immediate steps to remove the said cargo, goods or substance from the water at their cost.

29. Recovery of goods Rubbish etc. Falling into Water—If any person, master or owner of a vessel or stevedore required under rule 28 to remove any cargo, goods or other substance from the water, fails to remove within such time as has been specified in a notice from the Deputy Conservator calling upon him to do so the Deputy Conservator may remove such cargo, goods or substance and any expense incurred in such removal shall be recovered from the person, master, owner or stevedore, without prejudice to any other penalty to which the person, owner or stevedore may be liable.

30. Ashes Rubbish, etc., not to be Deposited on quays etc., without permission—No person shall, without authority from the Traffic Manager, deposit, upon any quay or pier in the shed or any part of the port any ashes, ballast, baskets, bottles, cinders, dirt, dung, refuse, rubbish, shavings, stores or other similar loose materials or substances.

31. Prevention of materials falling into port, disposal of Ashes etc.—Masters or owners of vessels or stevedores loading or unloading, ashes, ballast, bricks, cinders, coal, dustlime, rubbish, shingles, stones, tiles or any other loose materials, shall use, for such loading or unloading, a canvass cloth or wooden chute, to the satisfaction of the Deputy Conservator.

(2) Ashes, cinders, dust and rubbish shall be landed on the quay in such places as may be directed by the Traffic Manager and the Master, owner or the stevedores, as the case may be, may remove them from such place.

32. Oily bilge water etc. not to be pumped into port—(1) No ballast water containing oil liable to foul or capable of fouling the water shall be discharged from any vessel into the Port. (2) If any oil is found floating around the ship; it shall be the responsibility of the master to prove that it is not from his ship.

33. Cleaning of vessels—No person shall be employed in cleaning or painting a vessel or in working in the bilges, boilers or double bottom of a vessel in the port except during such time as may be fixed by the Conservator in this behalf.

34. Projections from deck of a vessel—Projections from the deck of any vessel which interfere with the loading or unloading of any other vessel in the Port shall forthwith be removed on a requisition by the Traffic Manager.

35. Fenders—Fenders provided by the Port at the quay, jetty berths shall not be lifted or removed by the masters or their stevedores.

36. Sound Signals—The use of sound signals for attracting attention is prohibited on board the vessels while within the limits of the Port, except for the purposes specified in regulations 15, 28 and 31 of the International Regulations for Preventing Collisions at Sea, 1965 and in case of emergency when assistance from the shore is urgently required in the interests of the safety of the vessel or when the pilot in charge thinks fit to do so.

37. Sinking of boats, etc.—The master or owner of any vessel in the harbour, alongside of which any cargo, masula or other boat is sunk whilst taking in cargo or passenger or discharging cargo or passenger, shall forthwith report the fact of such sinking and the place where it occurred to the Deputy Conservator.

38. Dangerous animals and fire arms—Dangerous animals and loaded guns or fire arms shall not be kept or allowed on board any vessel in the Port.

39. Vessels with dangerous cargoes, etc.—The Deputy Conservator may order immediate removal from the port of all vessels having on board animals manures or other offensive or dangerous cargoes or persons suffering from infectious diseases.

40. Masters etc. of vessels responsible for damages—Masters and owners of vessels shall be responsible for any loss of damage caused to any of the installations or property

of the port due to the negligence of their servants and the Deputy Conservator shall have the right to detain their vessels until the value of the loss or damage is paid or security for such payment is given.

41. Vessels etc. in port at the risk of master etc.—All vessels in the port lie at the risk of their Masters or owners who shall be held responsible for any loss or damage that may arise in consequence of their faulty navigation or by reason of their breaking adrift from their anchors or moorings.

42. Masters etc. responsibility for Acts of crew etc.—Masters and owners of vessels shall be held liable and responsible for the acts of the crew and any person employed by them either outside or on board, their vessels.

43. Port authorities accept on liability for delay, etc.—The port authorities shall not be liable for any delay in respect of a vessel entering, remaining in, or going out of the port or for delay in the loading or unloading of doors owing to circumstances beyond their control.

44. Notice regarding outbreak of fire on vessels to be given by masters etc.—

(1) Any person noticing a fire in a ship shall immediately :—

(a) inform an officer of the ship who shall be responsible for raising the alarm in accordance with the provisions of sub-rule (2).

(b) if the ship is alongside a quay, treat the fire as on shore and raise the alarm required under sub-rule (2) and also inform an officer of the ship who shall also raise the alarm in accordance with the provision of sub-rule (2).

(2) The following methods shall be used for raising an alarm :—

1. Afloat by day :—Hoist International Flag 'DQ' sound continuous blasts on ship's whistle or siren until the arrival of the Fire float.

2. Afloated by night.—Sound whistle or siren as above Hoist two red lights on above the other 6 (six) feet apart. When ships are alongside the alarm is to be raised by telephone in addition to the above procedure. -

3. Ashore by day or night.—Run to the nearest telephone and ring up Port Exchange and on being connected, state clearly :—

Fire in ship at

Fire ashore at

Note : The Port PBX Operator should take care that the connection to Port Fire Office is given without any delay whatsoever.

45. Prohibition of under-water salvaging or repairs :—No person shall salvage any anchors, cables, stores, or for cargoes lost or supposed to be lost therein or under taken under water repairs to vessels without the prior permission of the Deputy Conservator or an officer authorised by him.

IV. Rules in respect of quays and sheds for the loading and unloading of vessels; and for the delivery and shipment of goods

46. Work in port under the Traffic Manager :—(1) the loading and unloading of vessels in the Port shall be subject to the control of the Traffic Manager who may at his discretion prohibit the discharge of such goods in the port which in his opinion are likely to obstruct traffic or cause congestion to hinder the convenient use of the port.

(2) The Traffic Manager may also, at his discretion, remove to any other place goods the storage of which on the port premises either upon their landing in the port or thereafter, is likely to obstruct traffic or cause congestion.

(3) The appointment of quay space to be occupied by each vessel shall similarly be determined by the Traffic Manager.

47. Use of cranes :—The allotment of quay cranes for discharging import cargo or for loading export cargo shall be at the discretion of the Traffic Manager.

48. Vessels lying idle :—The Traffic Manager may, at his discretion move from her berth, or order out of the port, any vessel which in his opinion has remained idle in the port.

49. Vessels working slowly.—A vessel discharging import cargo or loading export cargo in the port may be required to give up her berth if in the opinion of the Traffic Manager the rate of discharge or loading is below the average for similar vessels and for similar cargoes.

50. Vessels to be moored before working cargo.—Goods shall not be loaded into or unloaded from a vessel in the port until the vessel has been moored at her allotted berth.

51. Production of manifest before breaking bulk or before commencement of loading :—(1) (a) The master, owner or agent of a vessel carrying cargo for discharge at the port shall furnish the Traffic Manager, with a true copy of the complete Import General Manifest not less than six clear working days before being permitted to break bulk. (b) The manifest shall show full details of each consignment manifested including literage in the case of liquids in bulk and gross weight in kilos in other cases.

(c) Non-submission of such manifests within the stipulated time may result in the vessel concerned not being permitted to break bulk. Where the consignment consists of packages of different weights, the gross weight in the metric system of each package shall be furnished in addition.

In the case of iron and steel consignments hatch lists indicating (a) description, (b) quantity and (c) weight in metric system in each hatch, shall also be submitted before permitted to break bulk.

(2) (a) If cargo meant for any other port or meant for transhipment is allowed to be discharged, a supplementary manifest giving full details of gross weights, in metric system shall be filed before being permitted to discharge such cargo (b) if details of such consignments are not already included in the original Import General Manifest filed for the vessel.

(3) Every export application submitted for shipment of goods and every customs export shipping bill presented at the office of the Traffic Manager for assessment of dues, shall show full details of the consignments covered by the documents including the description of the cargo, quantity of cargo and the gross weight, of each consignment in metric system, including literage in the case of liquids in bulk. Where the consignment consists of packages of different weight the gross weight in the metric system of each package shall be furnished in addition.

(4) The agents of a merchant vessel departing from the port, whether loaded or in ballast shall before three days of her departure, furnish the Traffic Manager, with a copy of her Export Manifest.

52. Documents to re-produced by shippers and consignees

(1) All applications for permission to export or to import goods shall be made in such forms approved by the Traffic Manager and such forms shall in all cases be correctly filled in and signed by the shipper or consignee of the goods or by his agent. (2) Except when required by the person authorised by the Traffic Manager to call for and inspect them, all necessary documents shall be produced by shippers or consignees or their agents at the time of the shipping or lending of goods. (3) When cargo is shipped by a vessel other than that entered on the application for permission to ship it, a fresh application shall be submitted to the Traffic Manager.

53. Opening of packages :—No package shall be opened inside the harbour by the importer, exporter or owner, for appraisement, examination or survey, without the permission of the Traffic Manager.

54. Removal of iron steel, machinery packages, long and unwieldy heavy lifts from the port :—Consignments of iron steel, machinery packages, long and unwieldy heavy lift landed in the port may be removed by the Traffic Manager at his discretion to any other place at the cost of the consignee, owners or importers and without any previous notice to them if he considers it necessary so to do so for the safe and convenient working of the port.

55. Timber discharging.—Timber shall not be discharged from a vessel overside into the water without the approval of the Traffic Manager, and if so discharged, shall be removed out of the port on the next high tide after such discharge.

56. Discharge and shipment of coal or any other dirty cargo.—(1) The discharge and shipment of coal or other dirty cargo in bulk or otherwise from and into ships in the port, may be effected only with the written permission of the Traffic Manager who may refuse such permission in cases where he considers any loss or damage to property is likely to arise from coal or similar dust, caused by such discharge or shipment.

(2) Permission accorded to discharge or to ship coal or other dirty cargo, in bulk or otherwise, on and from shore, shall be subject to the importer or shipper or their accredited agents agreeing to reimburse the entire cost of cleaning the wharf of the residue.

57 Works of art, bullion, etc.—(1) The post will not accept any responsibility in respect of any package containing a work of art or an article of vertu of which the value including that of the package exceeds Rs. 50 or containing specie, bullion, gold or silver articles, jewellery, precious stones or coral unless six hours atleast before the package is landed or brought into the harbour for shipment, written notice is given to the Traffic Manager by the owner or consignee and the package is specially delivered to the Traffic Manager and a receipt thereof obtained.

(2) If any package containing any of the articles referred to above is brought to any wharf or pier without the said written notice being given to the Traffic Manager, the package, if for export, shall be shipped, or if imported, shall be removed to the Custom House or to the port sheds at the sole risk of the owner and shall remain at his risk until cleared.

58. Loading and unloading of cargoes likely to foul port wharves.—(1) Molasses and other goods of a nature likely to foul the port wharves or transit sheds or to cause damage to other goods may be discharged from a vessel in the port only with the permission of the Traffic Manager and subject to the owner or consignee of the goods undertaking to pay to the port authorities the expenses if any, incurred by them for clearing the wharf or transit shed.

(2) (a) The decanting on the port wharves from drums or other receptacles, of vegetable, fish or other oils, preparato to their shipments in bulk shall not be permitted.

(b) Where shipment in bulk of oils, are to be effected the oils shall be transported to the port in tank wagons, or tank lorries and pumped directly therefrom into the vessel's tanks, or where the oil has been transported in tank barges, directly from barges into the vessels' tanks.

59. Removal of rotten goods from the wharves.—If any vessel discharges in the port any goods or substance in such a rotten, putrid, damaged or other condition as to be in the opinion of the Health Officer of the port, injurious or dangerous to health or if any goods or substance discharged from any vessel and lying in the port decay into such a rotten, putrid or other condition as to be injurious or dangerous to health in the opinion of the said Health Officer, the Traffic Manager may require the owner thereof, or if the owner disclaims, denies or disputes the consignment or declines all responsibility or if there be no owner, the master, owner or agent as the case may be shall, on being so required, refuse or neglect, to remove such goods or substance within eighteen hours of the receipt of notice, removal may be effected on such manner as the Traffic Manager may think fit and he may, if he thinks necessary, cause the said goods or substance to be destroyed.

(2) The owner on the master, owner, or agent, as the case may be shall, within forty-eight hours after demand in writing pay to the port authorities all the costs of expenses attending or occasioned by such removal and destruction and of such cleaning purifying or disinfecting the place of discharge or storage.

60. Handling of cargoes likely to contaminate food stuffs.—(1) Items of cargo, such as chemical manures, insecticides,

poisonous substances which are likely to contaminate food stuffs, shall not be discharged at any berth for storage, pending delivery, unless the discharge of such cargo has been specifically permitted in writing by the Traffic Manager.

(2) In all cases, where such permission has not been given, the vessel shall either discharge such cargo direct on to the quay provided adequate arrangements have been made by the steamer agents with the consignee to the satisfaction of the Traffic Manager, for the clearance of such cargo direct from the landing point, rail or road transport, or land such cargo everside into barges hired by the steamer agents, to be taken up to the points fixed by the Traffic Manager for storage.

61. Transfer of vessels from their berths.—(1) The Traffic Manager may either himself, or through the Deputy Conservator, direct any vessel, to move from one berth in the port to any other berth, provided that such other berth is vacant.

(2) A notice of 12 hours shall be given before a vessel is required to be shifted under this rule.

(3) The port shall not be responsible for any delay which may be caused to a vessel in effecting a transfer under this rule.

62. Issue of licences to stevedores to.—(1) The conservator on the recommendation of the Traffic Manager shall, from year to year, issue licences to certain approved firms and individuals granting them permission to perform the work of stevedoring vessels in the port and no stevedore shall be allowed to work on board any vessel in the port unless he is in possession of such licence.

(2) The Conservator on the recommendation of the Traffic Manager may at any time cancel any licence issued under this rule or may suspend the same for such period as may be specified for breach of any of the terms of the licence or for breach of any of the provisions of rule 63 or 64. The licence may likewise be cancelled or suspended if, after the grant thereof, it is discovered that the application for the licence contained any misrepresentations or misstatements of material facts or if the licencee has been adjudged insolvent or has gone into liquidation, as the case may be, or if the licensee or his workmen cause any damage to port property or to any vessel or equipment thereof or if the licensee or his workmen cause any obstruction to any work in the port.

**Provided further that no such opportunity for showing cause shall be necessary when the licence is suspended pending an enquiry against the holder of the licence for contravention of any of the terms thereof or for contravention of any of these rules or for doing anything for which the licence is liable under this rule to be cancelled or suspended.

63. Conditions for issue of licence to stevedores.—(1) Every stevedore shall be responsible for the due observance and performance by all staff and labour employed by him, during the loading or unloading of a vessel or work incidental thereto, of all the relevant laws, rules and regulations for the time being in force.

(2) Every stevedore shall ensure that all loading and unloading operations shall conform in all respects to the requirements prescribed by or under the Indian Dock Labour Act, 1934 (19 of 1934) are carried out with his own gear and he shall be solely responsible for any accident or damage resulting from the use of any defective gear.

(3) (a) Every stevedore shall employ at least one experienced foreman and a tindal to superintend the loading or unloading of cargo or bunkering of coal, or fuel at each hatchway at which loading, unloading or bunkering is being carried, on.

**Provided that no such licence shall be cancelled or suspended until the holder of the licence has been given a reasonable opportunity for showing cause why his licence should not be cancelled or suspended as the cause may be.

(b) The tindal shall supervise the slinging or unslinging of good in the hold and wherever a vessel is loading cargo in the between decks along, he shall see that the between deck hatches that are provided with cross beams and fore and aft beams have all such beams fixed in their proper places,

and that the hatch covers are properly put on and effectively secured to prevent their displacement before commencing work; the foreman shall remain on deck and see that the crane chain is not taken out of the square of the hatchway, and that the hook does not catch coamings or foul any of the ship's gear or damage any structure or erection ashore.

(c) The foreman shall give correct signals to the crane driver and shall superintend the taking off and putting on the beams and hatch covers and shall see that persons keep out of danger on deck and do not stand under any hoist.

(d) The foreman shall, where work is stopped for the day or night, search and satisfy himself that no one is remaining in the hold.

(e) The stevedore shall be solely responsible to the owners of the ship and to the port authorities in the event of any injury or damage being caused to any person or property in the course of the loading, unloading or bunkering operations.

64. Discharge of a vessel's cargo to be under the superintendence of master, etc. or stevedore and their liability—Cargo shall not be discharged from any vessel in the port except under the directions and superintendence on board such vessel of the master or owner of the vessel or of a stevedore licensed by the Conservator to perform such work in the port and such master, owner or stevedore shall be personally liable in respect of any loss or damage arising from the careless or improper slinging of goods on board such vessel and shall in every instance observe the following precautions, namely :

(i) that the sling is laid out flat without turning or kinks before any goods are loaded therein;

(ii) that after each sling has been made up and with the first strain on heaving up, the running loop is well beaten home with a wooden bar in order that the grip may be made secure.

65. Masters, etc. and stevedores working cargoes to provide lights on board—(1) Masters and owners of vessels in the port and the stevedores working the cargoes of such vessel shall be jointly and severally responsible for the proper provision of lights in all these parts of vessels, where work is being carried on either with the use of the port's cranes, quays, piers or other property or otherwise.

(2) In default, they shall jointly and severally be liable in respect of any loss or damage to life, limb or property resulting therefrom.

66. Making up of slings—Cranes not be used under vessel's coamings slings of import goods shall be made up directly under the open hatchway of any vessel unloading in the port and under no circumstances the Port's cranes shall be employed for the purpose of breaking out or removing goods from under the coamings.

67. Use of vessel winches—Masters and owners of vessels employing their own cranes or winches for the loading or unloading of goods shall be responsible for any loss or damage to goods arising from any cause whatsoever.

NOTE : (1) Cranes may be fixed in positions as directed by the Stevedores.

(2) Ships' Officers shall see that the Port cranes work quite clear of Ships' gear.

68. Heavy lifts—The Traffic Manager may prohibit the landing from any vessel of any single article or package of over 10 tonnes in weight, except by the cranes of the ports provided for the purpose, if he is of opinion that is necessary or advisable to do so.

69. Discharge of heavy lifts—Single articles and packages of over 10 tonnes in weight shall not be discharged, unless so permitted by the Traffic Manager under the terms and conditions laid down by him in this behalf. The port authorities shall not be liable or responsible in respect of any loss of damage occurring to such articles or packages.

70. Marking and packing of heavy packages—Single articles and packages of one metric ton and over in weight (hereinafter referred to in this rule as heavy package), shall not be loaded on board any vessel in the port or alongside the quay

walls unless the gross weight of each such article or package has been plainly and durably marked upon it and packed by the consignors or their agents in the manner set out below:

(1) Manner of marking of heavy packages.—(a) The gross weight on a heavy package shall be marked thereon in English or the regional language if possible with a kind of paint which is not effable.

(b) Where a heavy package is of a light colour, black paint, and where the package is of a dark colour, white or yellow paint shall be used for such markings.

(2) Gross weight to be marked in metric tons or kilograms Subject to the provisions of clause 6, the gross weight of a heavy package shall be marked thereon in metric tons or kilograms.

(3) Place of marking—The gross weight shall be marked on two sides of the heavy package so that in whatever position the package is placed, the marking is easily visible.

(4) Size of letters or figures—Every letter or figure used to mark the gross weight of a heavy package shall be at least seven and half Cms. (three inches) in length and half Cms. (one quarter of an inch) in breadth.

(5) Manner of packing—(a) The goods in heavy package shall be securely packed in a strong covering in such manner that there is no movement of the goods inside the package resulting in any disintegration of the goods or the covering.

(b) The covering shall be of such materials and nature as can stand the strain of the package being handled during the course of loading or unloading so that the risk of any injury to persons who handle the package is minimised.

(6) Marking of approximate weight in certain circumstances.—

(1) Where at the place the heavy package is consigned there are no means available for determining the correct weight of the package, the anticipated minimum and maximum weight of the package, in metric tons or kilograms shall be marked thereon in the manner hereinbefore specified;

Provided that such anticipated maximum weight shall be so assessed that it does not fall below the actual weight of the package.

(2) Consignors and their agents, agents of vessels and stevedores shall be held responsible for any breach of the provisions of this rule.

71. Hazardous substances—General Restrictions—The handling, transport and stowage within the port limits of all substances, classified as hazardous (as defined in the recommendations of the United Nations' Committee of experts on Transport of Dangerous goods, which met at Geneva in August 1954) or merit classification as such by virtue of their characteristic properties shall be subject to such restrictions and conditions, as the Deputy Port Conservator may, from time to time, impose.

72. Use of the gear and other articles provided by the port—(1) All cargo handling gear and other articles provided by the port shall, when no longer required, be returned to the stores depot of the port and shall not be left lying in the quays or roads:

(2) Masters and owners of vessels and stevedores shall be charged hiring fees on all such articles from the date of requisition till its return to the stores depot.

(3) All articles not provided by the port shall be removed from the quays or roads within two hours after the job for which they are brought is finalised, and in default removal shall be effected by the Traffic Manager and the master or owner of the vessel or stevedore or any other person to whom such gear belongs shall be liable for all the expenses incurred in such removal.

73. Arms—(1) The master, owner or agent of every vessel entering the port and having on board as import cargo for discharge, package containing arms and ammunitions shall as soon as possible after arrival in the port furnish to the Traffic Manager a complete list of all such packages.

(2) After discharge, such packages shall be handed over by the master into the direct charge of the shed foreman, who shall grant a receipt therefor in the specified form and shall immediately lock up the packages in the transit shed.

(3) The external condition of all packages containing arms and ammunition shall be carefully examined before a receipts given therefor and any matter which calls for special mention shall be entered in the remarks column thereof.

(4) Packages containing arms and ammunition shall under no circumstances be discharged from a vessel at night.

(5) The port authorities shall not in any way be responsible or liable for any packages containing arms and ammunitions discharged from a vessel otherwise than in strict conformity with this rule.

(6) The Port may exempt, any vessel or line of vessel, from the provision of this rule for such period as the Conservator may think fit.

74. Ammunition and explosives.—The master of any vessel arriving in the port with ammunition or explosives, other than fireworks etc. forming part of the ship's equipments of distress signals, or over 45 kgs. (100 lb.) in weight of gun power, on board as cargo, shall display a red flag B of the International Code at the fore during day-time, and between sunset and sunrise shall exhibit a red light at the fore for so long as the ammunition, explosives or gunpowder are on board within the limit of the port.

75. Landing of explosives or other dangerous cargo.—(1) No package containing gun powder or other explosives or any dangerous cargo shall be landed within the limits of the port without the previous permission of the Collector of Customs and the Deputy Conservator and in the Landing or shipment thereof all rules made under the Act in this behalf and also any other directions made or given by port authorities from time to time for carrying into effect such rules or to ensure safety shall be rigidly adhered to and observed.

(2) (a) Every vessel while loading, discharging or handling explosive or cased dangerous petroleum shall bank all fires and store them up only when explosives or cased dangerous petroleum are not being loaded, discharged or handled and only when hatches containing explosives or cased dangerous petroleum are completely closed.

(b) All ventilators to the stock hold shall be carefully attended and properly trimmed and windsails shall be rigged to the stock hold to prevent any pocket of gas accumulating in vessels which have any cased dangerous petroleum on board.

76. Discharge of fuel oil in bulk.—Vessels carrying petroleum in bulk shall observe the provisions of the Petroleum Rules, 1937, and the rules made under the Act in this behalf and also any other directions made or given by the Deputy Conservator from time to time for carrying into effect such rule or to ensure safety.

77. Bunkering petroleum fuel oil.—Bunkering of vessels with petroleum fuel oil the port barges and tank vesicles shall be permitted subject to the following conditions, namely :—

(a) During all such time as any vessel is receiving fuel into her bunkers, the master or first mate of such vessel is present on board and he shall see that the provision of these rules are complied with and that all reasonable precautions for safety are observed.

(b) a ship's officer shall be on watch and an attendant of the oil company supplying the bunkers shall be stationed alongside the flexibles connecting pipe while bunkering is in progress.

(c) no smoking, cooking, naked lights or forges shall be allowed on the vessel's decks while bunkering is in progress.

(d) a suitable gutter or other contrivance shall be placed under the connecting service pipe to prevent any oil from dripping on the wharf or into the port basin.

(e) masters and owners of vessels receiving fuel oil and suppliers of fuel oil for bunkering shall jointly and severally be held liable for any damage caused to any property belonging to the port or cargo in-charge of the Traffic Manager by any defect in or failure of the apparatuses or appliances of the vessels or the suppliers.

(f) no cargo other than steel plates, iron rails, and similar goods unaffected by oil, shall be allowed on the wharf within fifty feet of the oil stand pipes, and shed doors immediately behind them shall be kept closed while bunkering is in progress.

(g) before bunkering commences, the attendant shall see that the telephone connection to the oil company's depot is in working order.

VI. Rules with respect to fire and lights.

78. Smoking etc.—Smoking and the use of any unprotected fire or light in any shed or warehouse within the port is strictly prohibited and no person shall smoke or ignite lucifer matches or other inflammable articles on any pier or quay or on board any vessel within the port, except in such places as may be allotted for the purpose.

79. Fires and lights.—(1) No vessel shall be fumigated except at a place appointed by the Deputy Conservator for the purpose.

(2) Pitch or dammer shall not be heated on board of vessels within the port; but in a boat alongside or astern nor shall spirits be drawn off on board such vessels by candle or other unprotected artificial lights.

(3) Vessels, while loading cotton, shall not have any unprotected lights in the hold.

(4) When gunpowder, ammunition or other explosives exceeding 45 Kgs. (100 lb) in weight are being shipped on or discharged from any vessel within the limits of the port, no fires, lights or smoking shall be permitted on board, except as provided in the Explosive Rules, 1940.

80. Accessibility of vessels to port and police officials.—Vessels in port shall allow free access to the Port and police officials for inspection purposes in regard to fires and lights wherever demanded and no person shall disobey the orders of any police officer or watchman for extinguishing any fire or light used in contravention of these rules.

VII. MISCELLANEOUS

81. Quays etc. and port area to be under the authority of the traffic manager.—(1) The quays, sheds, gates and other areas within the limits of the port shall be under the charge of the Traffic Manager, who shall direct and manage all operations connected with the landing and shipping of goods, and their storage either in the sheds or in the open; he shall have proper custody of all goods lying in the port and take such steps as may be necessary for the proper maintenance of order within the port.

(2) (a) No person shall enter any port area without a permit or token issued to him by or under the authority of the Traffic Manager, such permit or token shall on demand by a police officer or any port officer, duly empowered in that behalf be produced for inspection.

(b) No person shall allow any other person to use any permit or token issued to him as aforesaid.

(c) Any permit or token issued to any person and allowed by him to be used by another shall be liable to be confiscated and cancelled.

82. Regulation of working hours of the various sections of the port.—The hours during which work may be carried on in each of the several sections into which for traffic working purposes, the port premises are divided shall be notified by

the Traffic Manager, from time to time, by means of notices posted in the sections concerned, and no work shall be done, within the port premises outside the working hours so notified, except with the permission in writing of the Traffic Manager.

83. Night and holiday work.—Applications for work at night or on Sundays or holidays shall be made to the Traffic Manager, who on production of the necessary permission from the Customs Department shall make necessary arrangements for the proper conduct thereof and work on such days and at night shall be subject to the payment of special charges specified for the purpose.

Explanation.—Holidays for the purpose of this rule shall be those notified by the Deputy Conservator from time to time.

84. Entry into the port.—The entrance gates and wicket gates of the port shall be kept open during the hours specified therefor by the port authorities and in-gress and egress by these gates at any other time shall be only to persons holding special passes issued for this purpose by the Traffic Manager.

85. Site set apart for dock labourers and boatmen to obtain food.—Certain sites shall, from time to time, be set apart as occasion may require, by order of the Traffic Manager at his discretion to enable boatmen or Dock Labourers to obtain their food and all persons bringing such food shall be restricted to these sites and the pathways leading thereto, and therefrom, which shall be indicated by notice-boards.

86. Licensed carpenters to be allowed in the sheds for opening and repairing cases.—The Traffic Manager shall grant licences to persons qualified to work as carpenters in the port for opening and repairing cases at the instance of the owners thereof, and no persons other than those licensed as such shall be allowed to carry into the port any tools or other instruments used for such purposes.

87. Issue of licences to hawkers.—No person shall hawk or sell goods within the port or on board any vessel within the port without a licence from the Traffic Manager and for this purpose, the Traffic Manager may issue licences to persons which shall be renewable yearly; provided that such persons shall obtain the prior approval in writing of the Collector of Customs and that such licence shall not entitle the holder to go on board any vessel in the port without the permission of the master, owner or agent of such vessel.

88. Removal of trucks and hand-barrows out of port.—Trucks and hand-barrows loaded with goods and not taken out of the port immediately shall be liable to removal by the Traffic Manager at the risk and expense of the owner of the goods. Trucks and hand-barrows belonging to merchants and others and left lying at the port shall be liable to removal and confiscation by the Traffic Manager.

89. Destruction of or damage to any of the port property.—Any person who cuts, defaces, or damages any mooring, rope chain, lifebuoy, life line or life saving appliance or any buoy, buoy-rope or cable belonging to any anchor within the port channel or entrance or in the port shall, without prejudice to any penalty to which he may be liable under any other law, be liable to pay the amount of damage, repair and recovery.

90. Obstruction etc. to Officers.—No person shall molest, assault, resist, hinder, obstruct, impede, or interrupt, or offer or attempt to molest, assault, hinder, obstruct, impede, or interrupt any employee of the port in the performance of his functions, or disobey his lawful orders, or use abusive or offensive language or aid or incite others to do any of these things.

91. Plying of vehicles.—Motor lorries or other vehicles for the conveyance of goods shall not be driven along or upon any of the road, wharves or quays within the port or be admitted into or allowed in the port without a licence issued in this behalf by the Traffic Manager and except in accordance with the following conditions namely :—

(i) such vehicles shall conform, in all respects, to the provisions of the Motor Vehicles Act, 1939, and the rules made thereunder.

(ii) such vehicle shall not be left unattended;

(iii) such vehicles shall ordinarily ply on the recognised roads in the port; but may however be permitted on the wharves, in transit sheds and upon open storage spaces for the purposes of loading or unloading subject to control by the port and police officers;

(iv) such motor lorries or vehicles, when entering or leaving the port, shall stop at the port gates until permission to pass has been obtained from the port authorities or Customs Officers, or from both on duty at the gates and the driver thereof shall on demand produce for inspection the licence permitting the lorry or vehicle to enter the port;

(v) no such vehicles shall be allowed to remain within the port longer than shall, in the opinion of the Traffic Manager, be necessary for the purpose of loading or unloading goods. Loitering and plying for hire is prohibited;

(vi) no such vehicles shall fill their tanks with petrol or other fuel within the port without a special permit from the Traffic Manager;

(vii) The licence granted to any vehicle under this rule may if the circumstances so require, be revoked by the Traffic Manager at any time after the holder of the licence has been given a reasonable opportunity for showing cause as to why the licence should not be revoked and on such revocation the proportionate fee in respect of the unexpired portion of the period of licence, if any, may be refunded on written application being made by the licensee in this behalf.

92. Offer of fees or gratuity.—No fee, gratuity or reward shall be offered to any officer or servant of the port, who is forbidden on pain of disciplinary action to receive any such fee, gratuity or reward.

93. Signals.—(1) All necessary signals may be made by vessels by using the International Code of signals and they shall be acknowledged by the answering pendant being hoisted at the signal station mast-head.

(2) Communications by the Morse and Seaphone codes may be made to the Port Signal Station, using flag 'Z' during the day and flashing 'Z' at short intervals at night to call up station.

94. Bad weather arrangements.—During the prevalence of adverse or threatening weather, the Master of every vessel in the port is required to attend to the following directions, namely :—

(a) he should not be absent from his vessel between sunset and sunrise.

(b) He should keep his vessel ready in all respects to proceed to sea at short notice. If this is not possible for him, he must communicate the fact at once to the Deputy Conservator.

(c) On the hoisting of the danger signal, he should take all measures for the safety of his vessel, as no further instructions will be furnished by the port authorities.

95. All vessels arriving in the port shall, during their stay and while departing from the port must comply with the provisions of the Indian Port Health Rules, 1955.

[F. No. PGL-38/74]

V. DWARAKAVAS, Under Secy.

नई दिल्ली, 7 मई, 1976

(अधिकारी पोत)

सांख्यिकी 729—अधिकारी पोत प्रबन्धनम्, 1958 (1958 का 44) की धारा 101 की उपधारा (2) के बांद (1) के साथ पठित धारा 172 की उपधारा (1) द्वारा प्रदल पक्षितयों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एवं द्वारा नाविक (निवी उपयोग के लिए वस्तुओं का

प्रदाय) नियम, 1966 में संयोधन करने के लिए निम्ननिवित नियम बनाई गई, प्रथम:—

1. (1) इन नियमों का नाम नाविक (निजी उपयोग के लिए वस्तुओं का प्रदाय) संयोधन नियम, 1976 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. नाविक (निजी उपयोग के लिए वस्तुओं का प्रदाय) नियम, 1966 में, भ्रमसूची के स्थान पर निम्ननिवित प्रतिस्थापित किया जाये, प्रथम:—

'भ्रमसूची'

प्रत्येक नाविक को निजी मदों के प्रदाय का मान

[दिल्ली नियम 2(1)]

(क) क्राकरी और कटलरी (चीनी के बर्टन और काटा चम्मच आदि)

{ (1) एक बड़ी ज्वेट (2) एक कवाटर-प्लेट अथवा कटोरी जिनका व्यास 3" से कम न हो	प्रोसेलेन अथवा स्टेनलैस स्टील अथवा भ्रमान किस्म का हो।
(3) एक मग	
{ (4) एक चाय का चम्मच	स्टेनलैस स्टील के
(5) एक टेबल चम्मच	
{ (6) एक टेबल चाक	
(7) एक फार्क (कटा)	

(ब) विस्तर:

- (1) एक गढ़ा
- (2) एक तकिया—मानक आकार (20" से कम न हो)

(ग) लिनन

- (1) एक तकिया गिलाफ
- (2) दो चादरें
- (3) एक पलंगपोश
- (4) दो कम्बल
- (5) एक जहाने का तौलिया (टर्किश अथवा ऐमा ही जो 42" से कम न हो)
- (6) एक द्वाढ़ पौड़ने का तौलिया/नैपकिन

(घ) प्रतिमाम साबुन:

- (1) नहाने के साबुन की 3 बटियाँ
- (2) 1 पौण्ड कपड़े धोने का साबुन अथवा इंटर्नेट

(ङ) विषिध

- (1) प्रत्येक कैबिन में दिया जाने वाला एक टी-स्ट्रेनर अथवा गैलरी में दो एल्यूमिनियन की केतनियाँ और एक टी-स्ट्रेनर
- (2) प्रत्येक कैबिन में एक एस्ट्रे (राक्षदासी)
- (3) भारतीय किस्म के स्तान गृह में एक मग दिया जावेगा।"

[फा० सं० एम डब्ल्यू एस (81)/75-एम ई]

New Delhi, the 7th May, 1976
MERCHANT SHIPPING

G.S.R. 729.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 172, read with clause (i) of sub-section (2) of section 101, of the Merchant Shipping Act, 1958(44 of 1958) the Central Government hereby makes the following rules to amend the Seaman (Supply of Articles for Personal Use) Rules, 1966, namely :—

1. (1) These rules may be called the Seaman (Supply of Articles for Personal Use) Amendment Rules, 1976.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the Seaman (Supply of Articles for Personal Use) Rules, 1966, for the Schedule, the following shall be substituted, namely :—

"SCHEDULE

Scale of Supply of Personal Items to Every Seaman

[See rule 2(1)]

(a) Crockery-Cutlery.

{ (i) One full plate (ii) One quarter plate or Bowl (Katori) of not less than 3" diameter. (iii) One Mug	Either Procelain or Stainless Steel or equivalent quality.
{ (iv) One Teaspoon (v) One Table-spoon (vi) One Table Knife (vii) One Fork	
{ (i) One Mattress (ii) One Pillow-Standard size (not less than 20")	Stainless Steel.
{ (i) One Hand-Towel or Napkin.	

(b) Bedding

- (i) One Mattress
- (ii) One Pillow-Standard size (not less than 20")

(c) Linen

- (i) One Pillow Case
- (ii) Two bedsheets
- (iii) One bedspread
- (iv) Two blankets
- (v) One bath towel (Turkish or equivalent quality of not less than 42" size).
- (vi) One hand-Towel or Napkin.

(d) Soap per month

- (i) 3 Cakes of toilet soap.
- (ii) 1 lb. of washing soap or detergent.

(e) Miscellaneous

- (i) One tea strainer to be provided in each cabin ; or two aluminium kettles and one tea strainer in the Galley.
- (ii) One ash tray in each cabin.
- (iii) One mug to be provided in each Indian style toilet."

[File No. MWS (61)/75-MT]

सांकेति० 730.—राज्यपति, सशिकाल के अनुच्छेद 309 के परस्तक द्वारा प्रवत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए नौवहन महानिदेशालय, अधृत के महानिदेशालय, प्रशासनिक नियंत्रणाधीन सान्तव्याद्वारा शास्त्री नाटिकल और हंगीनियरी कालेज, अम्बरेश में नौकोशाल शिक्षक (सीमेनेशिप इन्स्ट्रक्टर) के पद पर भर्ती की पद्धति का विनियमित करने वाले निम्ननिवित नियम एनदब्ल्यूआर बताते हैं, प्रथम:—

1. संक्षिप्त नाम और प्रारंभ:—(1) इन नियमों का नाम नाविक वालवहाद्वारा शास्त्री नाटिकल और इंजीनियरिंग कालेज (नौकोशाल शिक्षक) भर्ती नियम, 1976 है।

(2) ये राजपत्र के प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. प्रत्येक संस्था, वर्गीकरण और वेतनमान:—उक्त पद की संख्या उसका वर्गीकरण और उसके वेतनमान ये होंगे जो उपायुक्त भ्रमसूची के स्तरम् 2 में

G.S.R. 733.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules, regulating the method of recruitment to the post of Seamanship Instructor in the Lal Bahadur Shastri Nautical and Engineering College, Bombay, under the administrative control of the Directorate General of Shipping, Bombay, namely:—

1. Short title and commencement:—(1) These rules may be called the Lal Bahadur Shastri Nautical and Engineering College (Seamanship Instructor) Recruitment Rules, 1976.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. Number of post, classification and scale of pay:—The number of the said post, its classification and the scale of pay attached thereto shall be as specified in columns 2 to 4 of the Schedule annexed hereto.

3. Method of recruitment, age limit and qualifications etc.:—The method of recruitment to the said post, age limit, qualifications and other matters connected therewith shall be as specified in columns 5 to 13 of the Schedule aforesaid.

4. Disqualifications—No person :—

(a) who has entered into or contracted a marriage with a person having a spouse living, or

(b) who, having a spouse living, has entered into or contracted a marriage with any person, shall be eligible for appointment to the said post:

Provided that the Central Government may, if satisfied that such marriage is permissible under the personal law applicable to such person and the other party to the marriage and that there are other grounds for so doing, exempt any person from the operation of this rule.

5. Power to Relax:—Where the Central Government is of opinion that it is necessary or expedient so to do, it may, by order, for reasons to be recorded in writing, relax any of the provisions of these rules with respect to any class or category of persons.

6. Saving:—Nothing in these rules shall affect reservations and other concessions required to be provided for the Scheduled Castes, the Scheduled Tribes and other special categories of persons in accordance with the orders issued by the Central Government from time to time in this regard.

SCHEDULE

Name of post	No. of post	Classification	Scale of pay	Whether selection post or non-selection post	Age limit for direct recruits	Educational and other qualifications required for direct recruit
1	2	3	4	5	6	7
Seamanship Instructor	1	General Central Service Group C Non-Ministerial Non-Gazetted.	Rs. 425-15-500-EB-15-560-20-640-EB-20-700-25-750	Not applicable	Not exceeding 35 years (relaxable for Government servants).	(1) Educational Qualification :— Matriculation Examination of a recognised board of education or equivalent. (2) Technical Qualification :— Must have served in the Indian Navy for a minimum period of 7 years in the Deck Department and attained the rank of Petty Officer in the Indian Navy or Seaman in the Merchant Navy. (Qualifications relaxable at the appointing authority's discretion in case of candidates otherwise well qualified). Desirable:— (1) Some teaching experience in Seamanship in a recognised training institution. (2) Should be able to express himself well both in Hindi and English.
8	9	10	11	12	13	
Whether age and educational qualifications prescribed for direct recruits will apply in the case of promotees	Period of probation, if any	Method of recruitment whether by direct recruitment or by promotion or by deputation or by transfer, Grades from which promotion or by deputation or by transfer to be made or transfer and percentage transfer to be made of the vacancies to be filled by various methods	In case of recruitment by promotion or deputation or transfer, Grades from which promotion or by deputation or by transfer to be made or transfer and percentage transfer to be made of the vacancies to be filled by various methods	If a DPC exists what is its composition	Circumstances in which UPSC is to be consulted in making recruitment	
Not applicable	2 years	By direct recruitment	Not applicable	Not applicable	Not applicable	Not applicable.

नई दिल्ली, 10 मई, 1976

(भाषार पोत)

सा०का०नि० 731.—भाषार पोत अधिनियम, 1958 (1958 का 44) की धारा 83 के साथ पठित धारा 87 के बंड (ब), (ग) और (घ) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय मरकार एन्ड डारा भाषार पोत (स्किपर और बरते हुए मत्स्य जहाज की परीक्षा) नियम, 1964 में संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाती है, अर्थात् :—

1. (1) इन नियमों का नाम भाषार पोत (स्किपर और बरते हुए मत्स्य जहाज की परीक्षा) संशोधन नियम, 1976 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. भाषार पोत (स्किपर और बरते हुए मत्स्य जहाज की परीक्षा) नियम, 1964 में, परिवर्तित ए, के स्थान पर निम्नलिखित रद्दा जाये, अर्थात् :—

परिवर्तित ए

(देखिए नियम 4)

उन स्थानों और तारीखों की सूची जहाज़ और जब स्किपर और बरते हुए मत्स्य जहाज के लिए मक्कमना प्रमाण-पत्र देने के लिए परीक्षण और दृष्टि परीक्षण होंगे।

पत्रन	परीक्षा	स्थान	तारीख
1	2	3	4
भारत	स्किपर और बरते हुए जल परिवहन साधारणतया परीक्षा मत्स्य जहाज के लिए विभाग सक्षमना प्रमाण-पत्र देना। दृष्टि परीक्षण	प्रध्येक मास के प्रथम सोमवार को शुरू होता है। ठीक तारीख जल परिवहन विभाग के आवेदन पत्र से अभिनिवित की जा सकती है।	परीक्षणतया परीक्षा प्रध्येक मास के प्रथम सोमवार को शुरू होता है। ठीक तारीख जल परिवहन विभाग के आवेदन पत्र से अभिनिवित की जा सकती है।
कलकत्ता	—यथोक्त—	—यथोक्त—	—यथोक्त—
मद्रास	—यथोक्त—	—यथोक्त—	—यथोक्त—

टिप्पण :—दृष्टि परीक्षण जल परिवहन विभाग के प्रधान अधिकारी के साथ अध्यक्षा करके कार्यालय समय में किसी भी समय किया जा सकता है।

[मं० 5-एम एम भार (4)/76-एम ए]

श्रीवान चन्द्र घट्टीर, प्रबन्ध विव.

New Delhi, the 10th May, 1976

(Merchant Shipping)

G.S.R. 731.—In exercise of the powers conferred by clause (b), (c) and (d) of section 87 read with section 83 of the Merchant Shipping Act, 1958 (44 of 1958) the Central Government hereby makes the following rules further to amend the Merchant Shipping (Examination for Skipper and Second Hand of a Fishing Vessel) Rules, 1964, namely :—

1. (1) These rules may be called the Merchant Shipping (Examination for Skipper and Second Hand of Fishing Vessel) Amendment Rules, 1976.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the official Gazette.

2. In the Merchant Shipping (Examination for Skipper and Second Hand of Fishing Vessel) Rules, 1964, for Appendix A, the following shall be substituted namely :—

“APPENDIX A”

(See rule 4)

List of places and dates on which examinations for grant of certificate of competency for Skipper and second hand of fishing Vessel and sight tests shall be held.

Port	Examinations	Place	Date
Bombay	Grant of certificate of competency for Skipper and second hand of fishing vessel. Sight tests	Mercantile Marine Department	The examination generally commences on the first Monday in each month. The exact date can be ascertained on application from the Mercantile Marine Department.
Calcutta	—Do—	—Do—	—Do—
Madras	—Do—	—Do—	—Do—

Note :—Sight tests may be held at any time during office hours by arrangement with the Principal Officer, Mercantile Marine Department.

[No. 5-MSR (4)/76-MA]

D. C. AHIR, Under Secy.

कृषि और सिंचाई मंत्रालय

(कृषि विभाग)

नई दिल्ली, 5 मई, 1976

सा०का०नि० 732.—राज्यपति, संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुकु द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, कृषि और सिंचाई मंत्रालय (कृषि विभाग) के अधीन समन्वयी मत्स्यकी परियोजना, मुम्बई और उसके प्राधारों में वर्ग 3 के पद पर भर्ती की पद्धति को विनियमित करने वाले निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अर्थात् :—

1. संक्षिप्त नाम और प्रारंभ :—(1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम समन्वयी मत्स्यकी परियोजना और उसके प्राधार पर (वर्ग 3 पद) भर्ती नियम, 1976 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. पद संख्या, वर्गीकरण और वेनमान :—उक्त पदों की संख्या, उसका वर्गीकरण और उसका वेनमान वे होंगे जो इन नियमों से उपाधन अनुसूची के स्तरम् 2 से 4 तक में विनियमित हैं।

3. भर्ती की पद्धति, आयु-सीमा और अर्हताएँ आदि :—उक्त पद पर भर्ती की पद्धति, आयु-सीमा, अर्हताएँ और उससे संबंधित अन्य बातें वे होंगी जो अनुसूची के स्तरम् 5 से 13 तक में विनियमित हैं।

4. मिर्हताएँ :—वह व्यक्ति :—

(क) जिसने ऐसे व्यक्ति से, जिसका पति या जिसकी पत्नी जीवित है, विवाह किया है, या

(ख) जिसने अपने पति या प्राची पत्नी के जीवित होने हें किसी व्यक्ति में खाल किया है,

उक्त पदों में से किसी पर नियुक्ति का पालन नहीं होगा :

परन्तु यदि केन्द्रीय सरकार का समाधान हो जाए कि ऐसा विवाद ऐसे व्यक्ति और विवाद के अन्य पक्षकार को लागू स्वीय विधि के अधीन अनुशोध है और ऐसा करने के लिए अन्य आधार मौजूद है तो वह किसी व्यक्ति को इस नियम के प्रवर्तन से छोड़ दे सकती।

5. शिखित करने की शर्ति।—जहाँ केंद्रीय मरकार की राय हो कि ऐसा करना आवश्यक या ममीचीन है, वहाँ वह, उसके लिए जो कारण है उन्हे लेबढ़ करके तथा संघ लोक सेवा प्रायोग से परामर्श करके, इन नियमों के किसी उपबंध को किसी वर्ष या प्रवर्ष के व्यक्तियों या पक्षों की बात, आदेश द्वारा, शिखित कर सकेगी।

6. व्यापृति.—इन नियमों की कोई भी बात ऐसे आरक्षणों और अन्य शियायतों पर प्रभाव नहीं डालेगी, जिनका केन्द्रीय सरकार द्वारा इस संबंध में तरफ-समय पर निराले गए अधिकारों के अनुसार अनुमति जानियों, अनुमति जनजातियों और अन्य विशेष प्रदलों के व्यक्तियों के लिए उपचारधन करना अपेक्षित है।

ग्रन्त संचारी

पद का नाम	पदों की संख्या	वर्गीकरण	बेतनमात्र	बेतन पद अधिकारी अचयन पद	सीधे भर्ती किए जाने वाले अधिकारियों के लिए प्रायु सीमा	सीधे भर्ती किए जाने वाले अधिकारियों के लिए शैक्षिक और मान्य महत्वांद
1	2	3	4	5	6	7
1. रक्षाशय-एवं-ज्येष्ठ नागिक (डाकहँड)	7	माधारण केन्द्रीय सेवा, वर्ग 3 अननुमतिवीय, श्रावणप्रतिवेदन	290-6-326-8-350- दृष्टो-०-४-३९०-	अचयन 10-40०५० (पुनरीक्षण)	लागू नहीं होता	लागू नहीं होता

साधे भर्ती किए जाने वाले विकल्पों के लिए	परिवेद्धा की अवधि भर्ती की पद्धति/भर्ती सीधे शूटिंग की प्रोक्षण द्वारा या प्रतिनियुक्ति स्थानान्तरण द्वारा तथा विविध पद्धतियों द्वारा भरी जाने वाले विकल्पों का प्रतिशत
विहित आयु प्रोर	स्थानान्तरण द्वारा तथा विविध
पौक्षिक अर्थताएं प्रोक्षणों	पद्धतियों द्वारा भरी जाने वाले विकल्पों का प्रतिशत
की दशा में लागू होंगी या नहीं	

प्रोक्षणि/प्रतिनियुक्ति/स्थान
द्वारा भर्ती की वज्रा में वे ऐसे
जिनमें प्रोक्षणि/प्रतिनियुक्ति
स्थानान्तरण किया जाएगा

तरण यदि विभागीय प्रोप्रति समिति है भर्ती करने में किन
गया है तो उसकी संरक्षण परिस्थितियों में
सब लोक सेवा
आयोग से परामर्श
किया जाएगा।

8 9

10

11

12

13

लाग नहीं होता

दो अर्ध

शत प्रतिशत प्रोम्भनि छारा ।

रसोइया जिसने उस श्रेणी में 2 वर्ष
सेवा की हो।

बर्ग ३ विभागीय प्रोप्रति समिति लागू नहीं होता संख्या :

- निर्देशक, समन्वेषी मात्रस्यकी परियोजना, मुम्बई—ग्रन्थाक्ष
- उपनिर्देशक, समन्वेषी मात्रस्यकी परियोजना, पोर्ट ब्लेयर बेस— सदस्य
- उपनिर्देशक, समन्वेषी मात्रस्यकी परियोजना कलवत्ता बेस— सदस्य
- कार्यपालक हंगीमियर, समन्वेषी मात्रस्यकी परियोजना, मुम्बई —सदस्य (तकनीकी)
- प्रशासन प्रधिकारी, केन्द्रीय मात्रस्यकी शिक्षण—संस्थय (बाहरी)
- प्रशासन प्रधिकारी, समन्वेषी मात्रस्यकी परियोजना, मुम्बई— संस्थय (सचिव)

1	2	3	4	5	6	7
2. ज्येष्ठ नातिक (डाकहैन्ड) एवं अन्तर्देशीय मास्टर।	1	साधारण केन्द्रीय सेवा, वर्ग 3, अननुमतिवीय, अराजपत्रित	455-15-500-द००० मरकारी-20-700 (पुनरीक्षित)	प्रचयन	40 वर्ष से अनधिक (सरकारी सेवकों के निए शिथिलनीय)	आवश्यकः (1) जलपरिवहन विभाग पत्तन जारी किया गया अन्तर्देशीय मास्टर का प्रथम श्रेणी का सक्षमता प्रमाण-पत्र ! (2) 8वीं कक्षा । बांधनीयः दुगली नदी में अन्तर्देशीय मास्टर की हैलियत में 2 वर्ष का अनुभव ।
3. नातिक (डाकहैन्ड)- एवं-अन्तर्देशीय- मास्टर	2	साधारण केन्द्रीय सेवा, वर्ग 3, अननुमतिवीय, अराजपत्रित	425-15-530-द०००- 15-560-20-600 रु० (पुनराधान)	प्रचयन	35 वर्ष से अनधिक	आवश्यकः (1) जल परिवहन विभाग पत्तन द्वारा जारी किया गया अन्त- देशीय मास्टर का द्वितीय श्रेणी का सक्षमता प्रमाणपत्र । (2) 8वीं कक्षा । बांधनीयः दुगली नदी में अन्तर्देशीय मास्टर की हैलियत में 2 वर्ष का अनुभव ।
आपु : नहीं अहृता : हाँ	2 वर्ष	शत प्रतिशत प्रोश्नति द्वारा, जिसके न हो सकने पर सीधी भर्ती द्वारा ।	उन नातिक (डाकहैन्ड) एवं अन्तर्देशीय मास्टर की प्रोश्नति से जिन्होंने उसे श्रेणी में 2 वर्ष सेवा की हो, जिसके न हो सकने पर ज्येष्ठ नातिक से जिसके पास अपेक्षित अर्हता हो और उस श्रेणी में 3 वर्ष सेवा की हो, दोनों के न हो सकने पर सीधी भर्ती द्वारा ।	11	1. निदेशक, समन्वयी मान्यका परियोजना मुख्यई—अध्यक्ष 2. उपनिदेशक, समन्वयी मान्यका परियोजना, पोर्ट—सदस्य 3. उपनिदेशक, अनेयर समन्वयी भेस मान्यका परियोजना, कलकल्ता बेस—सदस्य 4. कार्यपालक इंजीनियर, मान्य- वेपी मान्यका परियोजना, मुख्यई—सदस्य (तकनीकी) 5. प्रशासन अधिकारी, केन्द्रीय मान्यकी शिक्षण एवं वाहनी सदस्य (वाहनी) 6. प्रशासन अधिकारी, समन्वयी मान्यकी परियोजना, मुख्यई— —सदस्य (सचिव)	लागू नहीं होता
आयु : नहीं अहृता : हाँ	2 वर्ष	शत प्रतिशत प्रोश्नति द्वारा जिसके न हो सकने पर सीधी भर्ती द्वारा ।	ऐसे ज्येष्ठ नातिक (डाकहैन्ड) को प्रोश्नति से, जिसने उस श्रेणी म 2 वर्ष सेवा की हो, जिसके न हो सकने पर, कलिष्ठ नातिकों (डाकहैन्ड) में से, जिन्होंने उस श्रेणी में 3 वर्ष सेवा की हो और जिनके पास सदस्य 7 में विहित अर्हताएं हों, दोनों के न हो सकने पर, सीधी भर्ती द्वारा ।	1. निदेशक, समन्वयी मान्यका परियोजना, मुख्यई—अध्यक्ष 2. उपनिदेशक, समन्वयी मान्यका परियोजना, पोर्ट अनेयर बेस— सदस्य 3. उपनिदेशक, समन्वयी मान्यको परियोजना, कलकल्ता बेस— सदस्य 4. कार्यपालक इंजीनियर, समन्वयी मान्यकी परियोजना, मुख्यई— —सदस्य (तकनीकी) 5. प्रशासन अधिकारी, केन्द्रीय मान्यकी शिक्षण एवं वाहनी सदस्य (वाहनी) 6. प्रशासन अधिकारी, समन्वयी मान्यकी परियोजना, मुख्यई— —सदस्य (सचिव)	लागू नहीं होता	

[सं० फा० 3-130/74-यात्ययोको (प्रशासन)]

आर० जी० बैनर्जी, अवर मन्त्री

MINISTRY OF AGRICULTURE & IRRIGATION

(Department of Agriculture)
New Delhi, the 5th May, 1976

G.S.R. 732.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules regulating the method of recruitment to Class III posts in the Exploratory Fisheries Project, Bombay and its Bases under the Ministry of Agriculture and Irrigation (Department of Agriculture), namely:—

1. Short title and commencement.—(1) These rules may be called the Exploratory Fisheries Project and its Bases (Class III Posts) Recruitment Rules, 1976.

(2) They shall come into force on the date of Publication in the official Gazette.

2. Number, Classification and scale of pay:—The number of the said posts, their classification and the scales of pay attached thereto shall be as specified in columns 2 to 4 of the Schedule annexed to these rules.

3. Method of recruitment, age limit, qualifications etc.—The method of recruitment, age limit, qualifications and other matters relating to the said posts should be as specified in columns 5 to 13 of the Schedule aforesaid.

4. Disqualifications.—No person—

(a) who has entered into or contracted a marriage with a person having a spouse living, or

(b) who, having a spouse living, has entered into or contracted a marriage with any person, shall be eligible for appointment to any of the said posts:

Provided that the Central Government may, if satisfied that such marriage is permissible under the personal law applicable to such person and the other party to the marriage and there are other grounds for so doing, exempt any person from the operation of this rule.

5. Power to relax.—Where the Central Government is of opinion that it is necessary or expedient so to do, it may, by order, for reasons to be recorded in writing, relax any of the provisions of these rules with respect to any class or category of persons or posts.

6. Saving.—Nothing in these rules shall affect reservations and other concessions required to be provided for the Scheduled Castes, the Scheduled Tribes and other special categories of persons in accordance with the orders issued by the Central Government from time to time in this regard.

SCHEDULE

Name of post	No. of posts	Classification	Scale of pay	Whether selection post or non-selection post	Age limit for direct recruits	Educational and other qualifications required for direct recruits
1	2	3	4	5	6	7

1. Sr. Deck hand-cum-cook	7	General Central Service Class III Non-Ministerial, Non-Gazetted	Rs. 290-6-326-8-350- EB-8-390-10-400 (Revised)	Non-Selection	Not applicable	Not applicable
---------------------------	---	--	--	---------------	----------------	----------------

Whether age and educational qualification prescribed for direct recruitments will apply in the case of promotees	Period of probation if any	Method of recruitment whether by direct recruitment or by promotion, or by deputation/ transfer and percentage of the vacancies to be filled by various methods	In case of recruitment by promotion, deputation/ transfer, grades from which promotion/transfer to be made	If a DPC exists what is its composition	Circumstances in which UPSC is to be consulted in making recruitment
8	9	10	11	12	13

Not applicable	2 years	100% by promotion	Cook with 2 years' service in the grade.	Class III—Departmental Promotion Committee Composition:	Not applicable
----------------	---------	-------------------	--	---	----------------

1. Director, Exploratory Fisheries Project, Bombay—Chairman
2. Deputy Director, Exploratory Fisheries Project, Port Blair Base Member
3. Deputy Director, Exploratory Fisheries Project, Calcutta Base Member
4. Executive Engineer, Exploratory Fisheries Project, Bombay—Member (Technical)
5. Administrative Officer, Central Institute of Fisheries Education, Bombay—Member (Outside)
6. Administrative Officer, Exploratory Fisheries Project, Bombay—Member (Secretary).

1	2	3	4	5	6	7
2. Sr. Deckhand-cum-Inland Master	1	General Central Service Class III, Non-Ministerial Non-Gazetted	Rs. 455-15-560-EB-20-700 (Revised)	Non-Selection.	Not exceeding (40 years (Re-laxable for go- vernment Servants))	Essential : Certificate of competency of 1st class Inland Master issued by Mercantile Marine Department/Port (ii) VIII Standard. Desirable : 2 years' experience as Inland Master in Hooghly river.
3. Deckhand-cum-Inland Master	2	General Central Service, Class III, Non-Ministerial, Non-Gazetted.	Rs. 425-15-530-EB-15-560-20-600 (Revised)	Non-Selection.	Not exceeding (35 years (re-laxable for Go- vernment servants))	Essential : (i) Certificate of competency of 2nd class Inland Master issued by Mercantile Marine Department/Port (ii) VIII Standard. Desirable : 2 years' experience at Inland Master in Hooghly river.

8	9	10	11	12	13
Age—No Qualification—Yes	2 years	100% by promotion failing which, by direct recruitment.	Promotion from Senior Deck-hand with 2 years' service in the grade, failing which, from Junior Deckhands with 3 years' service in the grade and possessing the qualifications mentioned in column 7, failing both, by direct recruitment.	Composition: 1. Director, Exploratory Fisheries Project, Bombay.—Chairman 2. Deputy Director, Exploratory Fisheries Project, Port Blair Base.—Member 3. Deputy Director, Exploratory Fisheries Project, Calcutta Base.—Member 4. Executive Engineer, Exploratory Fisheries Project, Bombay.—Member (Technical) 5. Administrative Officer, Central Institute of Fisheries Education, Bombay.—Member (Outside) 6. Administrative Officer, Exploratory Fisheries Project, Bombay.—Member (Secretary)	Not applicable
Age—No. Qualification—Yes	2 years	100% by promotion, failing which, by direct recruitment.	Promotion from Deck-hand-cum-Inland Master with 2 years service in the grade, failing which, from senior Deck-hand with 3 years' service in the grade, failing both, by direct recruitment.	Composition: 1. Director, Exploratory Fisheries Project, Bombay.—Chairman 2. Deputy Director, Exploratory Fisheries Project, Port Blair Base.—Member 3. Deputy Director, Exploratory Fisheries Project, Calcutta Base.—Member 4. Executive Engineer, Exploratory Fisheries Project, Bombay.—Member (Technical) 5. Administrative Officer, Central Institute of Fisheries Education, Bombay.—Member (Outside) 6. Administrative Officer, Exploratory Fisheries Project, Bombay.—Member (Secretary)	Not applicable.

तस्मै विन्दी, 3 मई, 1976

सांकेतिकों 733।—राष्ट्रपति, संविधान के अनुच्छेद 309 के प्रत्यक्ष द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और इस पद के संबंध में सभी वर्तमान नियमों का अधिकरण करते हुए, केन्द्रीय भूमिगत जल बोर्ड में सहायक बेधक एवं यांत्रिक के पद पर भर्ती की पद्धति को विनियमित करते थाले विस्तृत नियम बनाती है, अर्थात्:—

1. संक्षिप्त नाम और प्रारंभ—(1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम केन्द्रीय भूमिगत जलबोर्ड (सहायक बेधक एवं यांत्रिक) भर्ती नियम, 1976 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की गारीब को प्रदूष होंगे।

2. पद संक्षेप, वर्गीकरण और वर्तमान—उक्त पद की संक्षेप, उसका वर्गीकरण और उसका वर्तमान वे होंगे जो इन नियमों से उपाय अनुसूची के स्तर 2 से 4 तक में विनिर्विष्ट हैं।

3. भर्ती की पद्धति, आयु-सीमा और अर्हताएँ आदि—उक्त पद पर भर्ती की पद्धति, आयु-सीमा, अर्हताएँ और उससे मंजूरीदाता अर्थ बाते वे होंगी जो उक्त अनुसूची के स्तर 5 से 13 तक में विवरित हैं।

4. निर्हताएँ—वह व्यक्ति—

(क) जिसने ऐसे व्यक्ति में, जिसका पति या जिसकी पत्नी जीश्वर है, विवाह किया है, या

(ख) जिसमें अपने पति या अपनी पत्नी के जीवित होने हुए किसी व्यक्ति से विवाह किया है,

उक्त पद पर नियुक्ति का पात्र नहीं होगा:

परन्तु यह केन्द्रीय सरकार का समाधान हो जाए कि ऐसा विवाह ऐसे व्यक्ति और विवाह के अंत्य पक्षकार को लाग स्वीकृति के प्रधान अनुकूल है और ऐसा करने के लिए अन्य आधार सौजन्य है तो वह किसी व्यक्ति को इस नियम के प्रवर्णन में छूट दे सकेगी।

5. शिथिल करने की शक्ति—जहा केन्द्रीय सरकार की राय हो कि ऐसा करना आवश्यक या समीक्षीय है, वह वह, उसके लिए जो कारण हैं उन्हें लेकर उक्त पद पर नियुक्ति को किसी वर्ष या प्रवर्ष के व्यक्तियों की बाबत, आदेश द्वारा, शिथिल कर सकेगी।

6. व्यावर्ति—इन नियमों की कोई भी बात ऐसे आरक्षणों और अन्य रियायतों पर प्रभाव नहीं आयेगी, जिनका केन्द्रीय सरकार द्वारा इस संबंध में समय-समय पर निकाले गए आवेदों के अनुसार अनुसूचित जनजातियों और अन्य विशेष प्रवर्गों के व्यक्तियों के लिए आयु-सीमा व्यक्तियों के लिए शैक्षिक और अन्य अर्हताएँ हैं।

अनुसूची

पद का नाम	पदों की संख्या	वर्गीकरण	वर्तमान	अवयन पद अथवा अवयन पद	सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए आयु-सीमा	सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए शैक्षिक और अन्य अर्हताएँ
-----------	----------------	----------	---------	----------------------	---	---

1	2	3	4	5	6	7
सहायक बेधक एवं यांत्रिक	143	साधारण केन्द्रीय सेवा	330-8-370-10-480	ज्ञान	30 वर्ष (केन्द्रीय सरकार द्वारा समय-समय पर जारी किए गए आदेशों के अनुसार अनुसूचित जनजातियों और अन्य विशेष प्रवर्गों के व्यक्तियों वर्ष की विवरिति)	(i) यांत्रिक/वैद्युत/वैश्वन इंजीनियरी में किसी साम्यान्वाप्ति विषयवाचालय/मंडल का द्वारा जानी वाला दी जाएगी। (ii) नस्कृप्त वेधन में अनुभव को अन्य प्रवर्गों के मामले में वरीयता दी जाएगी।

मैट्रिक जिसके पास वेधन कार्य में पाच वर्ष का अनुभव हो।

सीधे भर्ती किए जाने परिक्षेका को	भर्ती की पत्रिका/भर्ती संबंधी होमी	पार्टा/प्रोत्संवृक्ति/स्थानान्तरण द्वारा गद्दि विभागीय प्राप्ति	भर्ती करने में निल
साले अर्थात् योग्यों के लिए अवधि याद कोई	या प्राप्ति द्वारा या प्रतिनियुक्ति/	भर्ती को दणा में वे वेणियों जिनमें	भर्तीत होती उसकी पार्गमित्यतियों में सघ
विहित आयु और हो	स्थानान्तरण द्वारा तथा विभिन्न	प्रोत्संवृक्ति/प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण किया	सरचना नंदक में आयोग से
शैक्षिक अहंसार्थ प्राप्तियों	पद्धतियों द्वारा भर्ती जाने वाली	जाएगा	परगमण किया जाएगा
की दणा में आयु होगी	रिक्तियों का प्रतिशत		
या नहीं			

8

9

10

11

12

13

जैक्षिक अहंसार्थः नहीं दो वर्ष आयुः नहीं	6.7 प्रतिशत सीधी भर्ती द्वारा 3.3 प्रतिशत प्रोत्संवृक्ति द्वारा	प्रोत्संवृक्ति: मेट्रिकल्यान्ड उग थ्रेणी में 5 वर्ष तक यथातार नियमित सेवा की दौ।	विभागीय प्रोत्संवृक्ति समिति समूह ग द्वारा नहीं होता (तकनीकी) 1. मुख्य इंजीनियर, केन्द्रीय भूमिगत जल बोर्ड—मदस्य 2. अधीक्षणगण इंजीनियर, केन्द्रीय भूमिगत जल बोर्ड—मदस्य 3. फार्मपालक इंजीनियर, केन्द्रीय भूमिगत जल बोर्ड—मदस्य 4. महायक कार्यपालन इंजीनियर (मुख्यालय) केन्द्रीय भूमिगत जल बोर्ड—गवर्नर (मुख्य इंजीनियर की अनुपर्याप्ति में अधीक्षण इंजीनियर अध्यक्ष बनेगा)
---	--	---	--

[मं० 7-61/75-एम०आर०(ए)]
गंभूर व्याप, उप गच्चि

New Delhi, the 3rd May, 1976

G.S.R. 733.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution and in supersession of the existing rules relating to this post, the President hereby makes the following rules regulating the method of recruitment to the post of Assistant Driller-cum-Mechanic in the Central Ground Water Board, namely:—

1. Shorttitle and commencement.—(1) These rules may be called the Central Ground Water Board (Assistant Driller-cum-Mechanic) Recruitment Rules, 1976.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. Number, Classification and scale of pay.—The number of the said post, its classification and the scale of pay attached thereto shall be as specified in columns 2 to 4 of the Schedule annexed to these rules.

3. Method of recruitment, age limit, qualification etc.—The method of recruitment, age limit, qualifications and other matters relating to the said post shall be as specified in columns 5 to 13 of the said Schedule.

4. Disqualifications.—No person, —

(a) who has entered into or contracted a marriage with a person having a spouse living, or

(b) who, having a spouse living, has entered into or contracted a marriage with any person, shall be eligible for appointment to the said post:

Provided that the Central Government may, if satisfied that such marriage is permissible under the personal law applicable to such person and the other party to the marriage and that there are other grounds for so doing, exempt any person from the operation of this rule.

5. Power to relax.—Where the Central Government is of opinion that it is necessary or expedient so to do, it may by order, for reasons to be recorded in writing, relax any of the provisions of these rules with respect to any class or category of persons.

6. Savings.—Nothing in these rules shall affect reservations and other concessions required to be provided for the Scheduled Castes, the Scheduled Tribes and other special categories of persons in accordance with the orders issued by the Central Government from time to time in this regard.

SCHEDULE

Name of Post	No. of Posts	Classification	Scale of Pay	Whether selection or Non-selection post	Age limit for direct recruits	Educational and other qualification required for direct recruits
1	2	3	4	5	6	7
Assistant Driller-cum-Mechanic	145	General Central Service, Group C (Technical).	Rs. 330-8-370-10 400-LB-480.	Selection	30 years (Relaxable in the case of Scheduled Castes and Scheduled Tribes and other categories in accordance with the orders issued by the Central Govt. from time to time.	(i) Diploma in Mechanical Electrical/Drilling Engineering from a recognised University/Institution. (ii) Experience in Tubewell drilling shall be preferred. OR Meticulate with 5 years' experience in drilling.
Whether age and educational qualification etc. prescribed for direct recruits will apply in the case of promotees	Period of probation	Method of recruitment	In case recruitment by promotion/transfer grades from which promotion/transfer to be made	Departmental Promotion Committee exists what is its composition	Circumstances in which Union Public Service Commission is to be consulted in making recruitment	
8	9	10	11	12	13	
Educational qualifications: Nc. Age: No	Two years	67% by direct recruitment, 33% by promotion.	Promotion: Matches with 5 years continuous regular service in the grade.	Departmental Promotion Committee (Technical) consisting of: 1. Chief Engineer, Central Ground Water Board—Chairman. 2. Superintending Engineer, Central Ground Water Board—Member 3. Executive Engineer, Central Ground Water Board.—Member 4. Assistant Executive Engineer (Headquarters) Central Ground Water Board —Member (In the absence of Chief Engineer, Superintending Engineer shall preside.)	Not applicable.	

(No. 7-61/75-M I (A).
S. DAYAL, Dy. Secy.

नई दिल्ली, 1 मई, 1976

सा. ० का. ० नि. ० ७३४.—गायद्वानि, संविधान के अनुच्छेद ३०९ के परन्तुक द्वारा प्रदल शब्दियों का प्रयोग करने हैं, कृपि श्रीर मिचार्ड मतालप्र, कृषि विभाग के अधीन अखिल भारतीय मृदा नशा भूमि उपयोग संवर्धण संगठन से ज्येष्ठ तकनीकी महायक (वर्ग II) के पद पर भर्ती की पद्धति में संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अर्थात्—

1. इन नियमों का नाम अखिल भारतीय मृदा नशा भूमि उपयोग संवर्धण संगठन (ज्येष्ठ तकनीकी महायक) भर्ती नियम, 1975 के विरा ५ के स्थान पर निम्नलिखित ऐरा आयोग, अवधारित है।

2. अखिल भारतीय मृदा नशा भूमि उपयोग संवर्धण संगठन (ज्येष्ठ तकनीकी महायक) भर्ती नियम, 1975 के विरा ५ के स्थान पर निम्नलिखित ऐरा आयोग, अवधारित है।

जहा केन्द्रीय सरकार की गय हो कि ऐसा करना आवश्यक।
मर्माचीत है, यहां अह, उम्हे लिए जो कारण है उहूँ लेखदृश्य करके तथा
मध्य सोक सेवा आयोग में परामर्श करके, हन नियमों के किसी उपबन्ध
को, किसी वर्ग या प्रबंग के अक्षितयों को आवत, आवेदन द्वारा, शिखल
कर गकेगा।

[मंडया 1-15/74-भूमि]
धर्म प्रकाश, अवर सचिव

New Delhi, the 1st May, 1976

G.S.R. 734.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules to amend the method of recruitment to the posts of Senior Technical Assistant (Class II) in the All India Soil & Land Use Survey Organisation under the Department of Agriculture, Ministry of Agriculture and Irrigation, namely :—

1. These rules may be called the All India Soil & Land Use Survey Organisation (Senior Technical Assistant) Recruitment (Amendment) Rules, 1976.

2. For para 5 of the All India Soil & Land Use Survey Organisation (Senior Technical Assistant) Recruitment Rules, 1975, the following para shall be substituted, namely :—

Where the Central Government is of the opinion that it is necessary or expedient so to do, it may, by order, for reasons to be recorded in writing, relax any of the provisions of these rules with respect to any class or categories of persons, in consultation with the UPSC.

[No. 1-15/74-Lands]

DHARAM PRAKASH, Under Secy.

(सिवाई विभाग)

नई विल्सो, 26 अप्रैल, 1976

सांख्यिकीय नियम 735.—राज्यपाति, राज्यविधान के अनुच्छेद 309 के प्रत्यक्ष द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करने हृष्टे, केन्द्रीय जल और विद्युत अनुसंधान केन्द्र, पुणे में वर्ग 2 पदों पर भर्ती की पद्धति को विर्तियम करने वाले निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अर्थात् :—

1. संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ :—(1) इन नियमों का नाम केन्द्रीय जल और विद्युत अनुसंधान केन्द्र पुणे (वर्ग 2) पद भर्ती नियम, 1976 है।

(2) ये राज्यपाति में व्रकाशन की तारीख से प्रवृत्त होंगे।

2. लागू होना :—ये नियम इसमें उपावद्ध अनुसूची के स्तरमध्ये 1 में विवरितिहृष्ट पदों को लागू होंगे।

3. पद मेल्हथा, वर्गीकरण और वेतनमान :—उक्त पदों की संख्या, उनका वर्गीकरण और उनके वेतनमान वर्ग होंगे जो उक्त अनुसूची के स्तरमध्ये 2 से 4 तक में विनिश्चित है।

4. भर्ती की पद्धति, आयु-सीमा और प्रन्थ अहंताएँ, आदि :—उक्त पदों पर भर्ती की पद्धति, आयु-सीमा, प्रहृताएँ, और उनसे संबंधित प्रन्थ वाले वे होंगे जो उक्त अनुसूची के स्तरमध्ये 5 में 13 तक से विनिश्चित हैं।

5. निरहृताएँ,—वह व्यक्ति—

(क) जिसने ऐसे व्यक्ति से, जिसका पर्ति या पति जीवित है, विवाह किया है, या

(ख) जिसने अपने पर्ति या पत्नी के जीवित होने हृष्टे किसी व्यक्ति से विवाह किया है; उक्त पदों में से किसी पर भी नियमित का पालन नहीं होगा।

परन्तु यदि केन्द्रीय सरकार का समाधान हो जाए, कि ऐसा विवाह ऐसा व्यक्ति और विवाह के अन्य पक्षकार को लागू स्वीय विधि के अधीन अनुशय है, और ऐसा करने के लिये अन्य आधार मौजूद है तो वह किसी व्यक्ति को इस नियम के प्रत्यंतम से छूट दे सकेगी।

6. शिथिल करने की शक्ति :—जहाँ केन्द्रीय सरकार की राय हो कि ऐसा करना आवश्यक या समीक्षात है, वहाँ थहर, उसके लिये जो कारण हैं उन्हें लेखबद्ध करके तथा सभी लोक सेवा आयोग से परामर्श करके, इन नियमों के किसी उपबंध को किसी वर्ग या प्रवर्ग के व्यक्तियों या पदों की व्यावर्ता, आदेश द्वारा शिथिल कर सकेगी।

7. व्यावर्ता :—इन नियमों की काई भी वाले ऐसे प्रारक्षणों और अन्य विधायितों पर प्रभाव नहीं लालेगा, जिनका केन्द्रीय सरकार द्वारा इस सम्बन्ध में समय-समय पर निकाय गण आदेशों के अनुसार अनुसूचित जांचियों, अनुसूचित जनगतियों और अन्य विशेष प्रवर्गों के व्यक्तियों के लिये उपचार करना प्रयोक्तव्य है।

अनुसूची

पद का नाम	पदों की संख्या	वर्गीकरण	वेतनमान	वेतन पद अधिकार	सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए	सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए शैक्षिक और अन्य प्रहृताएँ, आयु-सीमा
1	2	3	4	5	6	7

(1) गाइड प्राध्यापक	1	साधारण केन्द्रीय सेवा, वर्ग 2 अग्रजपत्रिका, अलिपिकीय	550-25-750-८० रु०-३०-९०० रु०	लागू नहीं होता	लागू नहीं होता	लागू नहीं होता
------------------------	---	--	---------------------------------	----------------	----------------	----------------

मींगे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए, विकल आयु और ऐश्विक अवृत्ताएँ प्रांतन्त्रिक की दशा में लागू होती हैं।

परिवीक्षा की अवधि यदि कोई हो तो भर्ती की पद्धति, भर्ती सीधे होपी या प्रोफॉन/प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण द्वारा यदि विभागीय प्रांतन्त्रिक विभाग प्रोफॉन/प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण द्वारा तथा विभाग प्रोफॉन/प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण किया जाएगा।

भर्ती की दशा में बे शेयरिंग जिनमें समिति है तो उसकी संरचना परिस्थितियों में संबंधित अवृत्ताएँ जाने वाली जाएंगी।

भर्ती करने में किन परिस्थितियों में संबंधित अवृत्ताएँ जाने वाली आयोग से परामर्श किया जाएगा।

8

9

10

11

12

13

लागू नहीं होता

लागू नहीं होता

प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण द्वारा

प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण : केन्द्रीय सरकार के अधीन सदृश पद धारण करने वाले अधिकारी या ऐसे अधिकारी, जिनकी 210-425 स० के बेतनमान वाले पदों पर कम से कम 5 वर्ष की सेवा हो और जिन्हें अवधिकारीय अनुसंधान के विभिन्न प्रश्नों का ज्ञान हो और जिन्हें प्रदर्शनियों या प्रदर्शनी, नवाचार और सम्बद्ध विषयों की ध्यान्या करने का अनुभव हो।

(प्रतिनियुक्ति की अवधि गामान्त्रित 3 वर्ष से अधिक नहीं होगी)

1	2	3	4	5	6	7
(2) कर्मशाला अधिकारक (याकिको)	1 साधारण केन्द्रीय सेवा वर्ग, 2, अराजपत्रित अननुर्मार्चिवाय	350-20-450-25- 575 रु.	न्यून 30 वर्ष (सरकारी सेवकों के लिये णिथिनलीय)	आवश्यक किसी भास्यनाप्राप्त विष्वविद्या- लयसे	(i) यांत्रिक या यांत्रिक और विद्युतया आटोमोबाइल इंजीनियरी में उपाधि या डिप्लोमा या समानुल्य	
					(ii) शौजारों और संयुक्तों की भर्ती समत और रख-रखाव तथा ऐस प्रकार के १८० टी० और ३५० टी० वैद्युत उपकरण के, जैसा रमायन/नेल/गैम/उवरेका उच्चोंगों में उपयोग में लाय जाता है, रख-रखाव और अधिष्ठापन, क्वानिटि नियंत्रण तथा सामग्री नियंत्रण तथा प्राविकलन और योजना का उपाधि धारकों की दशा में एक वर्ष का, और डिप्लोमा- धारियों की दशा में तीन वर्ष का अनुभव।	
					(अन्यथा सुर्खिहृत अस्थार्थियों की दशा में अहंताएँ संबंधित सेवा आयोग के विवेकानुसार शिथिल- तीय)	

8	9	10	11	12	13
नहीं	२ वर्ष	प्रोन्ति द्वारा जिमके न हो सकते प्रोन्ति पर गोदी भर्ती द्वारा	वर्ग २ विभागीय ऐसे चार्ज मैन जिन्हें उम्म श्रेणी में प्रोन्ति गर्मित नियमित आधार पर नियुक्ति के पश्चात् ३ वर्ष सेवा की हो।	मृदु लोक सेवा आयोग (परामर्श से छूट) विनियम १९५८ के प्रधीन व्यापारित।	[सं० १५२/७६-फा० ३९/५/७१-प्रशासन १]

Dept. Of Irrigation
New Delhi, the 26th April, 1976

G.S.R. 735—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules regulating the method of recruitment to Class II posts in the Central Water and Power Research Station, Poona, namely:—

1. Short title and commencement :—(1) These rules may be called the Central Water Power Research Station, Poona (Class II Posts Recruitment Rules, 1976).

(2) They shall come into force on the date of their publication in the official Gazette.

2. Application :—These rules shall apply to the posts specified in column 1 of the Schedule annexed to these rules.

3. Number, classification and scale of pay :—The number of the said posts, their classification and the scale of pay attached thereto shall be as specified in column 2 to 4 of the said Schedule.

4. Method of recruitment, age limit and other qualifications :—The method of recruitment to the said posts, age limit, qualifications and other matters connected therewith shall be as specified in columns 5 to 13 of the said Schedule.

5. Disqualification—No person

(a) who has entered into or contracted a marriage with a person having a spouse living, or

(b) who, having a spouse living, has entered into or contracted a marriage with any person.

shall be eligible for appointment to any of the said posts :

Provided that the Central Government may, if satisfied that such marriage is permissible under the personal law applicable to such person and the other party to the marriage and that there are other grounds for so doing, exempt any person from the operation of this rule.

6. Power to relax :—Where the Central Government is of the opinion that it is necessary or expedient so to do, it may by order for reasons to be recorded in writing and in consultation with the Union Public Service Commission relax any of the provisions of these rules with respect to any class or category of persons or posts.

7. Saving :—Nothing in these rules shall affect reservations and other concessions required to be provided for the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes and other special categories of persons from time to time in accordance with the orders issued by the Central Government in this regard.

SCHEDULE

Name of Post	No. of Posts	Classification	Scale of pay	Whether Selection Post or non-Selection Post	Age limit for direct recruits	Educational and other qualification required for direct recruits
1	2	3	4	5	6	7
Guide Lecturer	1	General Central Service Class II Non-Gazetted Non-Ministerial	Rs. 550-25-750-FB- 30-900.	Not applicable.	Not applicable.	Not applicable.
Whether age and educational qualifications prescribed if any for direct recruits will apply in the case of Promotion	Period of probation if any	Method of recruitment Whether by direct recruitment or by promotion or by deputation or transfer & percentage of the vacancies to be filled by various methods	By case of recruitment by promotion or deputation or transfer, grades from which promotion or deputation or transfer to be made	If a Departmental Promotion Committee exists, what is its composition	Circumstances in which Union Public Service Commission is to be consulted in making recruitment	
8	9	10	11	12	13	
Not Applicable	Not Applicable	By transfer on deputation	Transfer on deputation: Officers under the Central Government holding analogous posts or with at least 5 years service in posts in the scale of Rs. 210-425 and having knowledge of various aspects of hydraulic research, experience in arranging exhibition or demonstrations, protocol and allied matters. (Period of deputation ordinarily not to exceed 3 years)	Not Applicable	As required under the Union Public Service Commission (Exemption from Consultation) Regulations, 1958	

1	2	3	4	5	6	7
Workshop Superintendent (Mechanical)	1	General Central Service class II Non-Gazetted Non-Ministerial	Rs. 350-20-450-25-575.	Selection	20-30 years (Relaxable for Government Servants).	Essential : (i) Degree or Diploma in Mechanical or Mechanical and Electrical or automobile Engineering of recognised University or equivalent. (ii) Experience in repairs and Maintenance of Tools and Plants, estimating and Planning, quality control and material control, maintenance and installation of LT & HT Electrical equipment of the types as used in Chemical/Oil/Gas/Fertilizers industries for about one year in case of degree holders and about 3 years in case of Diploma holders. (Qualifications relaxable at the Union Public Service Commissions discretion in case of candidates otherwise well qualified).
No.	8	9	10	11	12	13
	2 years	By promotion failing which by direct recruitment.	Promotion. Chargeman with 3 year's service in the grade rendered after appointment thereto on a regular basis	Class II Departmental Promotion Committee	As required under the Union Public Service Commission (Exemption from Consultation) Regulations, 1958	

[No. 152/76-F39/5/71 Adm. I]

नई दिल्ली, 27 अप्रैल, 1976

सां. का० नि० 736.—गोदाम, मंविधान के अनुच्छेद 309 के परम्पराकृत दसारा प्रबन्धन के प्रयोग करने हुये, केन्द्रीय जल और विद्युत् अनुसंधान केन्द्र, पुणे (फोटोग्राफर) भर्ती नियम, 1974 में प्राप्त संशोधन करने के लिये निम्नलिखित नियम बनाते हैं प्रथमतः—

1. (1) हन नियमों का नाम, केन्द्रीय जल और विद्युत् अनुसंधान केन्द्र, पुणे (फोटोग्राफर) भर्ती संशोधन नियम, 1976 में।

(2) ये गतिवर्त में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. केन्द्रीय जल और विद्युत् अनुसंधान केन्द्र, पुणे, (फोटोग्राफर) भर्ती नियम, 1971 की अनुसूची में—

(क) क्रम संख्या (1) के मापते (पुणे फोटो-ग्राफर के पद से मन्त्रालय), स्वभा० 7 में को विद्यमान प्रविष्टि के स्थान पर निम्नलिखित प्रविष्टि रखी जायेगी, अर्थात्—

“प्राप्तवशक :

(i) किसी मान्यताप्राप्त विश्व विद्यालय/बोर्ड में मैट्रिक्युलेशन उच्चतम शास्त्रीय।

(ii) किसी मान्यता प्राप्त संस्थान से फोटोग्राफी में डिलोमा या एक विषय के रूप में फोटोग्राफी महिला कला में डिलोमा, माथ स्थिर या चलचित्र फोटो-ग्राफी में 6 वर्ष का अनुभव।

अधिकारी

फोटो-ग्राफी में राज्य नक्सीकी परीक्षा बोर्ड द्वारा मान्यताप्राप्त प्रभाग पक्ष पाठ्यक्रम माथ से स्थिर या चलचित्र फोटोग्राफी में 8 वर्ष का अनुभव

(अर्थात्, अन्यथा मुश्वरीन अध्यार्थियों की दणा में भंग स्तोक सेवा आयोग के विवेकानुभूति शिखितनीय)।”

(ग) क्रम संख्या 2 के मापते (फोटो-ग्राफर के पद से मन्त्रालय), स्वभा० 7 में को विद्यमान प्रविष्टि के स्थान पर निम्नलिखित प्रविष्टि रखी जायेगी अर्थात्—

(i) किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालयों बोर्ड में मैट्रिक्युलेशन या उच्चतम शास्त्रीय।

(ii) फोटो-ग्राफी में डिलोमा या एक विषय के रूप में फोटोग्राफी महिला कला में डिलोमा या एक विषय को अनुभव।

प्रथमतः

फोटोग्राफी में राज्य नक्सीकी परीक्षा बोर्ड द्वारा मान्यता प्राप्त प्रभाग पक्ष पाठ्यक्रम माथ से स्थिर या चलचित्र फोटोग्राफी में 3 वर्ष का अनुभव।

अर्थात्

स्थिर या चलचित्र फोटोग्राफी में 10 वर्ष का अनुभव।”

(ग) क्रम संख्या (3) के मापते (मठायक फोटो-ग्राफर के पद से मन्त्रालय), स्वभा० 7 में को विद्यमान प्रविष्टि के स्थान पर निम्नलिखित प्रविष्टि रखी जायेगी, अर्थात्—

(i) मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय या बोर्ड में मैट्रिक्युलेशन या उच्चतम शास्त्रीय।

(ii) फोटोग्राफी में डिलोमा या एक विषय के रूप में फोटोग्राफी सहित कला में डिलोमा।

ग्रथवा

पोटोग्राफी में गत्य नक्काशी परीक्षा बोर्डे द्वारा प्रमाण-
पत्र पाठ्यक्रम साथ में स्थिर या चलचित्र पोटोग्राफी में एक
वर्ष का अनुभव।

ग्रथवा

स्थिर या चलचित्र फोटोग्राफी में पाच वर्ष का अनुभव।"

[मं० 151/76 फा० 39/2/72-प्रगा १]

मुकेश चन्द्र, अवर सचिव।

New Delhi, the 27th April, 1976

G.S.R. 736.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules further to amend the Central Water and Power Research Station, Poona (Photographers) Recruitment Rules, 1974, namely :—

1. (1) These rules may be called the Central Water and Power Research Station, Poona (Photographers) Recruitment Amendment Rules, 1976.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette,

2. In the Schedule to the Central Water and Power Research Station, Poona (Photographers) Recruitment Rules, 1974 :

(a) against serial number (1) (relating to the post of Chief Photographer), in column 7, for the existing entry, the following entry shall be substituted, namely :—

"Essential:—

- (i) Matriculation/Higher Secondary from a recognised University/Board.
- (ii) Diploma in Photography or Diploma in Arts with Photography as one of the subjects from a recognised Institute with 6 years' experience in still or cine photography.

OR

Certificate course in photography recognised by the State Board of Technical Examination with 8 years' experience in still or cine photography.

(Qualifications relaxable at the discretion of the Union Public Service Commission in case of candidates otherwise well qualified).".

(b) against serial number (2) (relating to the post of Photographer), in column 7 for the existing entry, the following entry shall be substituted, namely :—

"(i) Matriculation or Higher Secondary from a recognised University or Board.

(ii) Diploma in Photography or Diploma in Arts with photography as one of the subjects with one years' experience in still/cine photography.

OR

Certificate course in photography recognised by the State Board of Technical Examination with 3 years' experience in still or cine photography.

OR

10 years' experience in still or cine photography.";

(c) against serial number (3) (relating to the post of Assistant Photographer), in column 7, for the existing entry, the following entry shall be substituted, namely :—

"(i) Matriculation or Higher Secondary from a recognised University or Board.

(ii) Diploma in Photography or Diploma in Arts with photography as one of the subjects.

OR

Certificate course in photography recognised by the State Board of Technical Examination with one years' experience in still or cine photography.

OR

Five years' experience in still or cine photography."

[No. 151/76 F. 39/2/72-Adm. 1]

MUKESH CHAND, Under Secy.

ग्रथवा

नई दिल्ली, 30 अप्रैल, 1976

मा० ना० नि० 737.—भारत के गजपत्र, भाग 2 खण्ड 3, उपलब्ध

(i) नागीन 11 अक्टूबर, 1975 में, भारत सरकार के कृषि और सिवाई मन्त्रालय (कृषि विभाग) की अधिसूचना मा० ना० का० नि० 2518 नारीश 17 मिस्रम्बर, 1975 के साथ प्रकाशित नमंदा जल विभाव अधिकारण (योएफ नक्काशी एवं प्रैणी 1) भर्ती नियम, 1975 में :—

पृष्ठ 2856 पर, अनुसूची में, स्तम्भ 13 में किस्यमान प्रथिष्ठित के स्थान पर "नायु नहीं होता" पढ़े।

[मं० 13/21/73-एव्हन्यु ई]

प्रै० डै० डेसाई, उप सचिव

New Delhi, the 30th April, 1976

CORRIGENDUM

G.S.R. 737.—In the Narmada Water Disputes Tribunal (Senior Draftsman Grade-I) Recruitment Rules, 1975, published with the notification of the Government of India, Ministry of Agriculture and Irrigation (Department of Irrigation), No. G.S.R. 2518, dated the 17th September, 1975, in the Gazette of India, Part II, Section 3, Sub-section (i), dated the 11th October, 1975 :—

At page 2857, in the Schedule, in column 13, for the existing entry, read "Not applicable".

[No. 13/21/73-WD]

H. J. DESAI, Dy. Secy.

MINISTRY OF HEALTH AND FAMILY PLANNING

(Department of Health)

New Delhi, the 1st May, 1976

CORRIGENDUM

G.S.R. 738.—In the prevention of Food Adulteration (Amendment) Rules, 1975, published with the notification of the Government of India, Ministry of Health and Family Planning (Department of Health), No. G.S.R. 63(E), dated the 5th February, 1976 at pages 187—189 of the Gazette of India Extraordinary, Part II, Section 3, Sub-section (i), dated the 5th February, 1976,—

(i) at page 187, in line 17, that is, in rule 1, in sub-rule (1) for "1975", read "1976";

(ii) at page 188, in line 7, that is, in rule 4, for "22" read "32".

[No. P. 15013/3/73-D&MS(Pt)]

RAMESH BAHADUR, Under Secy.

स्वास्थ्य और परिवार नियोजन मंत्रालय

(स्वास्थ्य विभाग)

शुल्क-पत्र

नई विल्सी, 3 मई, 1976

सांकेति० 739.—तारीख 2 अगस्त, 1975 के भारत के राजपत्र के भाग 2, छान्ड 3, उप छान्ड (i) पृष्ठ 2063-2064 में प्रकाशित भारत सरकार स्वास्थ्य और परिवार नियोजन मंत्रालय (स्वास्थ्य विभाग) की 20 मार्च, 1975 की प्रधिसूचना सं० ८० का० नि० ९५५ में स्वास्थ्य और परिवार नियोजन मंत्रालय (कनिष्ठ विद्येषक कार्य अध्ययन) भर्ती नियम, 1975 की प्रनुसूचनी के कालम 11 में :—

(i) पृष्ठ 2064 में—

(क) मद (ii) में पंक्ति 3 और 4 में—

समतुल्य ग्रेडों वाले “भारतपत्रित पद पर” के स्थान पर पढ़िए “भारतपत्रित या समतुल्य ग्रेडों में”

[सं० एफ १-४६/६७-स्थापना-१]

के० सत्यनारायण, उप सचिव

CORRIGENDUM

New Delhi, the 3rd May, 1976

G.S.R. 739.—In the Ministry of Health and Family Planning (Junior Analyst-Work Study) Recruitment Rules, 1975, published with the notification of the Government of India, Ministry of Health and Family Planning (Department of Health), No. G.S.R. 955, dated the 20th March, 1975, at pages 2065-66 of the Gazette of India, Part II, Section 3, Sub-Section (i), dated the 2nd August, 1975, in the Schedule, in column 11,—

(i) at page 2065—

(a) in lines 1 and 2,

for “Transfer on deputation appointment on contract”,
read “Transfer on deputation/appointment on contract”;(b) in item (ii), in lines 5 and 6,
for “a non-gazetted post of equivalent grades”,
read “non-gazetted or equivalent grades”;(ii) at page 2066, in item (iii), in line 8,
for “study of”,
read “study or”.[No. F. 1-46/67-Estt. I]
K. SATYANARAYANA, Dy. Secy.

नई विल्सी, 3 मई, 1976

सांकेति० 740.—गाप्टपत्रि संविधान के प्रनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रदत्त गतियों का प्रयोग करने हुए, ग्राम्य स्वास्थ्य प्रशिक्षण केन्द्र, नजफगढ़ में लोक स्वास्थ्य परिचर्या पर्यवेक्षक (ज्येष्ठ) के पद पर भर्ती की पद्धति को विनियमित करने वाले निम्नलिखित नियम बनाते हैं, प्रधान :—

1. (1) इन नियमों का नाम ग्राम्य स्वास्थ्य प्रशिक्षण केन्द्र, नजफगढ़ लोक स्वास्थ्य परिचर्या पर्यवेक्षक (ज्येष्ठ समूह 'ब' पद) भर्ती नियम, 1976 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. ये नियम इन नियमों से उपादान प्रनुसूची के स्तरम् 1 में विनिर्दिष्ट पद को लागू होंगे।

3. पद संख्या, वर्गीकरण और वेतनमान :—उक्त पद की संख्या, उसका वर्गीकरण और उसका वेतनमान वे होंगे जो उक्त प्रनुसूची के स्तरम् 2 से 4 तक में विनियिष्ट है।

4. भर्ती की पद्धति, आयु-मीमा और अन्य अहेतुएँ :—उक्त पद पर भर्ती की पद्धति, आयु-मीमा, अहेतुएँ और उससे संबंधित अन्य बातें वे होंगी जो पूर्वीक प्रनुसूची के स्तरम् 5 से 13 तक में विनिर्दिष्ट हैं।

5. निरहंताएँ :—वह व्यक्ति—

(क) जिसने ऐसे व्यक्ति से, जिसका पति या जिसकी पत्नी जीवित है, विवाह किया है, या

(ख) जिसने पति या भ्रमनी पत्नी के जीवित होते हुए किसी व्यक्ति से विवाह किया है;

उक्त पद पर नियुक्ति का पात्र नहीं होगा :

परन्तु यदि केन्द्रीय सरकार का समाधान हो जाए कि ऐसा विवाह ऐसे व्यक्ति और विवाह के अन्य पक्षकार को लागू स्वीकृति के प्रधीन प्रनुभेय है और ऐसा करने के लिए अन्य आधार भी जूद हैं तो वह किसी व्यक्ति को इस नियम के प्रवर्तन से छूट दे सकेगी।

6. शिथिल करने की शक्ति :—जहाँ केन्द्रीय सरकार की गाय हो कि ऐसा करना भावशक या समीक्षीय है, वहाँ वह उसके लिए जो कारण हैं उन्हें लेखबद्ध करके, इन नियमों के किसी उपवंश को आवेदन द्वारा शिथिल कर सकेगी।

7. व्यावृत्ति :—इन नियमों की कोई भी बात ऐसे आवश्यक और अन्य रियायतों पर प्रभाव नहीं डालेगी, जिनका केन्द्रीय सरकार द्वारा इस संबंध में समयन्समय पर तिकाले गए आवेदनों के अनुमार अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों और अन्य विशेष प्रदर्शनों के व्यक्तियों के लिए उपवंश करना प्रयोगित है।

8. यह पूर्ववर्ती प्रधिसूचना सं० ८० २२-१५/६६-पी एच, तारीख २५ फिल्डर, १९७० प्रौद्योगिकी सं० ८० १६०२१/१/७५-पी एच(ए), तारीख २७ फिल्डर, १९७५ को अधिकृत करती है।

प्रानुभवी

प्रान्य स्वास्थ्य प्रशिक्षण केन्द्र, नजफगढ़ में लोक स्वास्थ्य परिचर्चा पर्यवेक्षक (ज्येष्ठ) के पद के लिए भर्ती नियम

पद का नाम	पदों की संख्या	वर्गीकरण	बैतनमान	चयन पद प्रथम	सीधे भर्ती किए जाने वाले अधिकारीयों के व्यक्तियों के लिए भर्ती नियम	सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए शैक्षिक और अन्य अर्हताएं
1	2	3	4	5	6	7
लोक स्वास्थ्य पर्यवेक्षक (ज्येष्ठ)	1	माध्यारण केन्द्रीय सेवा ममूह 'ख' अराजपत्रिन, अननुमतिवाय	650-30-740-35- 880-द०रो-०-४०- 960 र०	चयन तारीख, भारत में के (उनसे भिन्न, जो अन्यमान और निकोबार द्वीपसमूह तथा लकड़ीप में हैं) अन्यथियों से आवेदनों के प्राप्त करने की अन्तिम तारीख होगी।"	35 वर्ष से अनधिक (मरकारी सेवकों के लिए शिखिलनीय)	आवश्यक : (क) (i) मैट्रिक उमीर्ण या ममतुर्य। (ii) रजिस्ट्रेक्ट नर्स और दार्ढ। (iii) लोक स्वास्थ्य परिचर्चा में डिप्लोमा। (ख) (i) बी० एम० बी० पर्यवेक्षा और साथ ही प्रसूतिविधा (रजिस्ट्रेक्ट)। (ii) लोक स्वास्थ्य परिचर्चा में प्रमाणपत्र। 2. उस वृद्धि में लगभग 5 वर्ष का अनुभव। (अर्थात् अन्यथा मुश्किल अन्यथियों की दशा में आयोग के विवेकानुसार शिखिल की जा सकती है)।
					वाल्मीय : (i) हिन्दी का व्याबहारिक ज्ञान। (ii) किसी परिचर्चा संस्था में प्रव्याप्त संबंधी अनुभव।	

सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए विहित आयु और शैक्षिक अर्हताएं प्रोत्तरी की दशा में लागू होंगी या नहीं	परिचीक्षा की भर्ती की पद्धति/भर्ती सीधे होनी या प्रोश्वति/प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण द्वारा अवधि यदि प्रोश्वति द्वारा या प्रतिनियुक्ति/भर्ती की दशा में वे श्रेणियां जिनसे समिति है तो उसकी परिस्थितियों में संबंधित कोई हो स्थानान्तरण द्वारा तथा विभिन्न प्रोश्वति/प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण किया संरचना लोक सेवा आयोग से प्रोत्तरी की दशा में लागू होनी या नहीं जाएगा/की जाएगी। परामर्श किया जाएगा।
---	--

8	9	10	11	12	13
(i) आयु : नहीं	दो वर्ष	प्रोत्तरी द्वारा जिसके न हो सकने प्रोत्तरी	समूह 'ख' विभागीय	संघ लोक सेवा आयोग	
(ii) शैक्षिक अर्हताएं : हाँ		पर सीधी भर्ती द्वारा	प्रोत्तरी द्वारा जिसके न हो सकने प्रोत्तरी समिति। श्रेणी में नियमित आधार पर नियुक्ति के पश्चात 7 वर्ष सेवा की हो।	(परामर्श से छूट) विनियम, 1958 के अधीन यथा घोषित।	

New Delhi the 3rd May, 1976

G.S.R.740.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules regulating the method of recruitment to the post of Public Health Nursing Supervisor (Senior) at the Rural Health Training Centre, Najafgarh.

RULES

1. (1) These rules may be called the Rural Health Training Centre Najafgarh, (Public Health Nursing Supervisor) (Senior) (Group 'B' Post) Recruitment Rules, 1976.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. These rules shall apply to the posts specified in column 1 of the Schedule annexed to these rules.

3. Number, Classification and Scale of pay.—The number of the said post, its classification and the scale of pay attached thereto shall be as specified in columns 2 to 4 of the said Schedule.

4. Method of Recruitment, Age limit and other Qualifications :—The method of recruitment, age limit, qualifications and other matters relating to the said post shall be as specified in columns 5 to 13 of the Schedule aforesaid.

5. Disqualifications .—No person,—

(a) who has entered into or contracted a marriage with a person having a spouse living, or

(b) who, having a spouse living, has entered into or contracted a marriage with any person, shall be eligible for appointment to the post :

Provided that the Central Government may, if satisfied that such marriage is permissible under the personal law applicable to such person and the other party to the marriage and there are other grounds for so doing, exempt the person from the operation of this rule.

6. Powers to Relax .—Where the Central Government is of opinion that it is necessary or expedite so to do it may by order, for reasons to be recorded in writing, relax any of the provisions of these rules.

7. Saving.—Nothing in these rules shall affect reservations and other concessions required to be provided for the Scheduled Castes, the Scheduled Tribes and other special categories of persons in accordance with the orders issued by the Central Government from time to time in this regard.

8. This superceeds earlier notifications No. F. 22-15/66-PH dated the 25th September, 1970 and P. 16021/1/74-PH(A) dated the 27th December, 1975.

SCHEDULE

Name of Post	No. of Posts	Classification	Scale of Pay	Whether Selection Post or Non-Selection Post	Age limit for direct recruits	Education and other qualifications required for direct recruits
1	2	3	4	5	6	7
Public Health Nursing Supervisor (Senior)	1	General Central Service (Group B) Non-Gazetted Non-Ministerial	Rs. 650-30-740-35- 880-EB-40-960.	Selection	Not exceeding 35 years (Relaxable for Government Servants). "Note:—The crucial date for determining the age limit shall be the closing date for receipt of applications from candidates in India (other than those in Andaman & Nicobar Islands and Lakshadweep)".	Essential : 1.(A)(i) Matriculation or equivalent. (ii) Registered Nurse and Midwife. (iii) Diploma in Public Health/Nursing. OR (B) (i) B. Sc. Nursing with Midwifery (Registered). (ii) Certificate in Public Health Nursing. 2. About five years experience in the profession. (Qualifications relaxable at Commission's discretion in case of candidate otherwise well qualified). Desirable : (i) Working knowledge of Hindi. (ii) Teaching experience in a Nursing Institution.
Whether age and educational qualifications prescribed for direct recruits will apply in the case of Promotees	Period of probation, if any	Method of recruitment whether by direct recruitment or by promotion or by deputation or transfer and percentage of the vacancies to be filled by various methods	In case of recruitment by promotion or deputation or transfer, grades from which promotion or deputation or transfer to be made	If a Departmental Promotion Committee exists, what is its composition	Circumstances in which Union Public Service Commission is to be consulted in making recruitment	
(i) Age : No. (ii) Educational Qualifications : Yes.	2 years	By promotion failing which by direct recruitment	Promotion : Public Health Nurses with 7 years service in the grade rendered after appointment thereto on a regular basis.	Group 'B' Departmental Promotion Committee	As required under the Union Public Service Commission (Exemption from consultation) Regulations, 1958.	

सुखना और प्रसारण मत्तासंगम

नई दिल्ली, 6 मर्च, 1976

सा० का० नि० 741.—संविधान के ग्रन्तुक्षेप 309 के परत्तुक द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए, राष्ट्रपति फिल्स प्रभाग (श्रेणी-1 तथा श्रेणी-2 पद) भर्ती नियमावली, 1983 में अतिरिक्त संशोधन करने के लिए, जानवद्वारा निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अर्थात् :-

1. (1) इन नियमों को फ़िल्म प्रभाग (ओपी-1 तथा ओपी-2 पद) भर्ती (संयोगधन) नियमावली, 1976 कहा जा सकेगा।

(2) ये नियम सरकारी राजपत्र में प्रकाशित होने की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. फिल्म प्रधान (श्रेणी-1 तथा श्रेणी-2 पव) भर्ती नियमावली, 1963 की अनुसूची में, कम संख्या 12 तथा इसमें संबंधित प्रविष्टियों के स्थान पर निम्नलिखित प्रतिस्पष्टित किया जाएगा, भर्ती:-

प्रगति

क्रम संख्या	पद का नाम संख्या	पदों की संख्या	वर्गीकरण	बेतवान	ज्यन पद है प्रथम गैर-ज्यन पद	सीधी भर्ती वाले उम्मीद-वारों के लिए प्रायः सीधी भर्ती वाले उम्मीदवारों से सीधा
-------------	------------------	----------------	----------	--------	------------------------------	--

1	2	3	4	5	6	7	8
12 ने आठट आर्टिस्ट	2	सामान्य केन्द्रीय सेवा वर्ग-ख, राजपत्रित, प्रसिद्धि वर्गीय	650-30-740-35-810-द०रो-35-880-40-1000-द०रो-40-1200 रुपए	चयन	40 वर्ष से प्रधिक नहीं (सरकारी कर्मचारियों के लिए छूट वी जा सकेगी) टिप्पणी:- आयु सीमा निर्धारित करने की निर्णायक तारीख उम्मीदवारों (अंडमान व निकोबार द्वाप समूह और लक्षद्वीप के उम्मीदवारों को छोड़कर) से आवेदनपत्रों के प्राप्त होने की अंतिम तारीख होगी।	आवश्यक : (1) किसी मात्रता प्राप्त विद्यालय/मंस्थान को फाइल आर्ट या कामशियल आर्ट में डिप्ली/फिल्मोमा। (2) फिर और पर्सेपिट्व ड्राइंग के अनुभव सहित ले आठट आर्टिस्ट या इलट्रेशन आर्टिस्ट के रूप में 3 वर्ष का व्याख्यातिक अनुभव। (सुधोम्य उम्मीदवारों के मामले में संघ सोक सेवा आयोग प्रपत्ते विवेक से योग्यताओं में छूट दे सकेगा; विशेषकर अनुभव संबंधी योग्यता में अनुसूचित जातियों या अनुसूचित आदिम जातियों के उम्मीदवारों के मामले में छूट दी जा सकेगी)। वालनीय : कोट्टै फिल्मों के निर्माण का अनु-	

क्या सीधी भर्ती के उम्मीदवारों के लिए निर्धारित प्राय तथा योग्यताएं परीक्षित वाले उम्मीदवारों पर भी लागू होंगी।

धि भर्ती को विधि—सीधी भर्ती द्वारा प्रयोग स्थानान्तरण द्वारा विभिन्न विवियों से भरी गाली रिक्तियों का प्रतिशत

यदि पदोन्नति/प्रतिरूप द्वारा भर्ती होनी जिनसे पदोन्नति/प्रतिरूप किया जाता है।

यक्ति/स्थानान्तरण हो तो वे ब्रेड नियुक्ति/स्थानान्तरण की विभागीय परिस्थितिया, जिनमें वर्ती के लिए संघर्ष करती संस्कृता संस्कृता का विद्युतीय विभागीय परिस्थितिया, जिनमें वर्ती के लिए संघर्ष करती संस्कृता का विद्युतीय

9	10	11	12	13	14
आयुः नहीं पौधिक दोष्यता : हां	2 वर्ष	60 प्रतिशत सीधी भर्ती द्वारा पदोन्नति: और 50 प्रतिशत पशोन्नति द्वारा इसके न हो सकने पर सीधी भर्ती द्वारा ।	(1) वे बैक ग्राउंड आर्टिस्ट जिनकी गेड में नियमित आधार पर नियुक्ति के बाद 3 वर्ष की सेवा हो ; यह न होने पर (2) वे सहायक ले आर्क आर्टिस्ट मशुयक बैक ग्राउंड आर्टिस्ट; और वे स्टोरी इलस्ट्रेटर जिनकी अपने अपने गेड में नियमित आधार पर नियुक्ति के बाद 7 वर्ष की सेवा हो ।	वर्ग-ख विभागीय पदो- न्नति समिति । (1) चीफ प्रोड्यूसर, फिल्म प्रभाग । (2) प्रब्र न सचिव (फिल्म), सूचना प्रौद्य प्रमाणण मंत्रालय । (3) कार्यभारी आधि- कारी (कार्टन फिल्म यूनिट), फिल्म प्रभाग ।	जैसा कि संघ सोक आयोग (प्रथमीय से छटा) विनियम, 1958 के अन्तर्गत प्रवेशित है ।

MINISTRY OF INFORMATION AND BROADCASTING

New Delhi, the 6th May, 1976

G.S.R. 741.—In exercise of the powers conferred by Proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules further to amend the Films Division (Class I and Class II posts) Recruitment Rules, 1963, namely :—

1. (1) These rules may be called the Films Division (Class I and Class II posts) Recruitment (Amendment) Rules, 1976.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the Schedule to the Films Division (Class I and Class II posts) Recruitment Rules 1963, the entries for serial No. 12 and the entries relating thereto, the following shall be substituted, namely :—

S. No.	Name of Post	No. of posts	Classification	Scale of pay	Whether Selection post or non-selection Post	Age limit for direct recruits	Educational and other qualifications required for direct recruits
1	2	3	4	5	6	7	8
1.	Layout Artist	2	General Central Service Group B Gazetted Non-Ministerial	Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200.	Selection	Not exceeding 40 years. (Relaxable for Govt. servants)	Essential : (i) Degree/Diploma in Fine Art or Commercial Art of a recognised University/Institute. (ii) 3 years' practical experience as a Layout Artist or Illustration Artist, including experience in figure and perspective drawing. (Qualifications relaxable at Union Public Service Commission's discretion in case of candidates otherwise well qualified, in particular the qualification regarding experience is relaxable in the case of candidates belonging to Scheduled Castes or Scheduled Tribes). Desirable : Training in or experience of Production of cartoon films.

Whether age and Educational qualifications prescribed for direct recruits will apply in the case of promotees	Period of probation if any	Method of recruitment whether by direct recruitment or by promotion or by deputation/transfer and percentage of the vacancies to be filled by various methods	In case of recruitment by promotion/deputation/transfer, Grades from which promotion/deputation/transfer to be made	If a DPC exists what is its composition	Circumstances in which UPSC is to be consulted in making recruitment
9	10	11	12	13	14

Age : No Educational Qualifications : Yes.	2 years	50% by direct recruitment and 50% by promotion failing which by direct recruitment.	Promotion : (i) Background Artist with 3 years' service in the grade rendered after appointment thereto on a regular basis; failing which. (ii) Assistant Layout Artist; Assistant Background Artist; and Story Illustrator with 7 years' service in the respective grade rendered after appointment thereto on a regular basis	Group B Department Promotion Committee 1. Chief Producer Films Division 2. Under Secretary (Films) Ministry of Information & Broadcasting. 3. Officer Incharge Cartoon Film Unit Films Division	As required under the Union Public Service Commission (Exemption from Consultation) Regulations, 1958
--	---------	---	---	--	---

शिक्षा एवं समाज कल्याण मंत्रालय

(शिक्षा विभाग)

नई दिल्ली, 7 जून, 1975

स.० का० नि० 742.—संविधान की धारा 309 के उपबन्धों द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए राष्ट्रपति एतद्वारा शिक्षा तथा समाज कल्याण मंत्रालय (शिक्षा विभाग) नेहरू यूवक केन्द्र में लेखा लिपिक एवं टाइपिस्ट के पद पर भर्ती के लिए भर्ती की प्रणाली का नियमन करते हुए निम्न-निखित नियम बनाते हैं:-

1. लघु शीर्षक तथा आरम्भ।--(1) इन नियमों को शिक्षा विभाग नेहरू यूवक केन्द्र के लेखा लिपिक एवं टाइपिस्ट भर्ती नियम 1975 कहा जाए।

(2) सरकारी गज़पत्र में छपने की तारीख से ये लागू होंगे।

2. पदों की संख्या उनका वर्गीकरण तथा वेतनमान।—इन पदों की संख्या उनका वर्गीकरण तथा वेतनमान उभी प्रकार से होंगे, जिस प्रकार इससे अनुबन्ध अनुसूची के कालम 2 से 4 में निर्दिष्ट है।

3. भर्ती की प्रणाली, आयु सीमा तथा अवैत्तनाएं प्रादि।—इस पद के लिए भर्ती की प्रणाली, आयु सीमा, योग्यताएं तथा भर्ती से संबंधित अन्य नियम उपरोक्त अनुसूची के कालम 5 से 13 में निर्दिष्ट के अनुसार होंगे।

4. अयोग्यताएं।—कोई भी ऐसा व्यक्ति,—

(क) जो ऐसे विषी व्यक्ति से विवाह का अनुबन्ध अथवा विवाह करता है, जिसकी पत्नी अथवा पति जीवित हो, अथवा

(ख) जो पति/पत्नी के रहने हुए विवाह का अनुबन्ध अथवा विवाह करता है, उक्त पद पर नियुक्ति के लिए पात्र नहीं होगा।

मानते हैं कि यदि केन्द्रीय सरकार इस बात से मंत्रुष्ट हो कि उम्मी व्यक्ति और विवाह के दूसरे पक्ष पर लागू व्यक्तिक फानूस के अधीन ऐसा विवाह अनुमति है तथा ऐसा करने के कुछ अन्य आधार भी हैं, किसी व्यक्ति को इस नियम से घूट दे सकती है।

5. रियायत देने का अधिकार।—जहाँ केन्द्रीय सरकार की यह राय हो कि ऐसा करना आवश्यक अथवा उचित है, तो निखित रूप से कारणों को दर्ज करने हुए वह अनुदेश द्वारा किसी भी श्रेणी अथवा वर्ग के व्यक्तियों के भंडारों में इन नियमों के विरुद्ध अनुचित जाति, अनुसूचित जन जाति तथा अन्य वर्ग के व्यक्तियों को श्री जने वाली अपेक्षित रियायतों और आरक्षणों को इन नियमों से मैं कोई भी प्रभावित नहीं करेगा।

अनुसूची

पद का नाम	पदों की वर्गीकरण	वेतनमान	क्या प्रवरण पद सीधी भर्ती के लिए प्रायु सीधी भर्ती के लिए अपेक्षित शैक्षिक संबंधों में अथवा गैर सीमा प्रवरण पद			
1	2	3	4	5	6	7
लेखा लिपिक एवं टाइपिस्ट	110 मामान्य केन्द्रीय रेवा थ्रेणी-III (आराज- पत्रित सचिवालीय)	300-10-380-द०रो०- लागू नहीं होता 12-500-द०रो०- 15-560	18-25 वर्ष	1. स्नातक अथवा समतुल्य अहोता 2. टाइप में 30 शब्द प्रति मिनट की स्पीड 3. वांछनीय लेखा कार्य में 2 वर्ष का अनुभव		

क्या प्रत्यक्ष भर्ती की भर्ती की प्रणाली—प्रत्यक्ष भर्ती पदोन्नति/तबादले में भर्ती की स्थिति यदि विभागीय पदोन्नति परिस्थितियों जिसके वालों के लिए निर्वाचित अवधि यहि कोई या उपर्याति/तबादले द्वारा विभिन्न में उन श्रेणों का उल्लेख जिससे रामिलि हो तो अधीन भर्ती करने के द्वितीय अवधि नहीं होती। प्रणालीय द्वारा भर्ती जाने वाले पदोन्नति की जाती है। उपर्याति संरचना क्या है विषय में संघ संघर्ष सेवा आयोग से परामर्श लिया जाना है।

तागू नहीं होता	2 वर्ष	प्रतिनियुक्ति पर तबादले द्वारा अन्यथा सीधी भर्ती द्वारा	प्रतिनियुक्ति पर तबादला:	लागू नहीं होता	लागू नहीं होता
8	9	10	11	12	13
लागू नहीं होता	2 वर्ष	सरकारी कार्यालयों में हम ग्रेड में 3 वर्ष की सेवा महिल अवधि अपनी लिपिक और जो कानून 7 में निर्धारित अहोता एवं रखते हों। (गांधीरामतया प्रतिनियुक्ति की अवधि 3 वर्ष से अधिक नहीं होती।)			

MINISTRY OF EDUCATION AND SOCIAL WELFARE

(Department of Education)

New Delhi, the 7th June 1975

G.S.R. 742.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules regulating the method of recruitment to the post of Accounts Clerk-cum-Typist in the Nehru Yuval Kendras, Ministry of Education and Social Welfare (Department of Education), namely:—

1. Short title and commencement.—(1) These rules may be called the Department of Education Mehru Yuval Kendras (Accounts Clerk-cum-Typist) Recruitment Rules, 1975.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the official Gazette.

2. Number of posts, Classification and scale of pay.—The number of the said posts, classification and scale of pay attached thereto shall be as specified in columns 2 to 4 of the Schedule annexed hereto.

3. Method of recruitment, age limit and qualifications etc.—The method of recruitment, age limit, qualifications and other matters relating to the said posts shall be as specified in columns 5 to 13 of the said Schedule.

4. Disqualifications.—No person—

(a) who has entered into or contracted a marriage with a person having a spouse living, or

(b) who, having a spouse living, has entered into or contract a marriage with any person, shall be eligible for appointment to the said post;

Provided that the Central Government may, if satisfied that such marriage is permissible under the personal law applicable to such person and other party to the marriage and there are other grounds for so doing exempt any person from the operation of this rule.

5. Power to relax.—Where the Central Government is of opinion that it is necessary or expedient so to do, it may by order, for reasons to be recorded in writing and in consultation with the Union Public Service Commission, relax any of the provisions of these rules in respect of any class or category of persons.

6. Saving.—Nothing in these rules shall affect reservations and other concessions required to be provided for the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes and other special categories of persons in accordance with the orders issued by the Central Government from time to time in this regard.

SCHEDULE

Name of the post	Number of post	Classification	Scale of pay	Whether Selection post or Non-selection post	Age limit for direct recruit	Educational prescribed for direct recruits	Qualifications
1	2	3	4	5	6	7	

Accounts Clerk-cum-Typist	110	General Central Service Class III Non-gazetted ministerial)	Rs. 330-10-380-EB-12-500-EB-15-560	Not applicable	18-25 years	1. Graduate or equivalent qualification. 2. Minimum speed of 30 words per minute in Typewriting 3. Desirable Two years experience in Account work.
---------------------------	-----	--	------------------------------------	----------------	-------------	---

Whether age and educational qualification prescribed for direct recruit will apply in the case of promotion or on Deputation	Period of probation if any	Method of recruitment whether by direct recruitment or by deputation or transfer and percentage of the vacancies to be filled by various categories	In case of recruitment by promotion or deputation or transfer, grades from which promotion to be made	If a Departmental Promotion Committee exists, which is the composition	Circumstances in which Union Public Service Commission is to be consulted in making recruitment
--	----------------------------	---	---	--	---

8	9	10	11	12	13
Not applicable	Two years	By transfer on deputation, failing which by direct recruitment.	Transfer on deputation Lower Division Clerks from Government offices with 3 years service in the grade and who possess qualifications prescribed in Col. 7 (period of deputation ordinarily not exceeding three years).	Not applicable	Not applicable.

नई दिल्ली, 15 जनवरी, 1976

सांकेतिको 743:—संविधान के अनुच्छेद 309 के उपबन्धों द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, गण्डपति एतदारा विभाग नेहरू युवक केन्द्र (लेखा लिपिक एवं टाइपिस्ट) भर्ती नियम, 1975 में संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाते हैं:—

1. (i) इन नियमों का विभाग विभाग, नेहरू युवक केन्द्र (लेखा लिपिक एवं टाइपिस्ट) भर्ती (संशोधन) नियम, 1976 कहा जाए।

(ii) सरकारी राजपत्र में छपने की तरीख से ये सारा होंगे।

2. विभाग विभाग नेहरू युवक केन्द्र (लेखा लिपिक एवं टाइपिस्ट) भर्ती नियम, 1975 के नियम 5 में शब्द "और संघ लोक सेवा आयोग के परमर्थ से" निकाल दिया जाएगा।

[सं. ए. 12011/ 2/73 एन. ए. प्रारूप-1]

मी. प्रारूप लिखे, अवार सचिव

New Delhi, the 15th January, 1976

G.S.R. 743.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules to amend the Department of Education, Nehru Yuvak Kendras (Accounts Clerk-cum-Typist) Recruitment Rules, 1975, namely:—

1. (i) These rules may be called the Department of Education, Nehru Yuvak Kendras (Accounts Clerk-cum-Typist) Recruitment (Amendment) Rules, 1976.

(ii) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the Department of Education, Nehru Yuvak Kendras (Accounts Clerk-cum-Typist) Recruitment Rules, 1975, in rule 5, the words "and in consultation with the Union Public Service Commission" shall be omitted.

[No. A 12011/2/73 NSY. I]

C. R. PILLAI Under Secy.

समाज कल्याण विभाग

नई दिल्ली, 26 अप्रैल, 1976

सांकेतिको 744:—समाज कल्याण विभाग (अनुसंधान अन्वेषक) भर्ती नियमावली, 1975 (1975 का जी.एस.प्रारूप 2575) के नियम 5 में आने वाले शब्दों "नया संघ लोक सेवा आयोग के परमर्थ से" को हटाया जाता है।

[फंडिंग 12011/12/75-स्थापन]

मी. प्रारूप सिद्धू, अवार सचिव

(Department of Social Welfare)

New Delhi, the 26th April, 1976

G.S.R. 744.—The words "and in consultation, with the Union Public Service Commission" appearing in rule 5 of the Department of Social Welfare (Research Investigator) Recruitment Rules, 1975 (G.S.R. 2575 of 1975) are deleted.

[F. No. A. 12011/12/75-Estt.]

D. S. SIDHU, Under Secy.

संचार संस्थान

(डाक तार बोर्ड)

नई दिल्ली, 11 मई, 1976

सांकेतिको 745:—गण्डपति संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तु द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, तारयन्त्र हंजीनियरी सेवा (वर्ग 1) नियम, 1965 में और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अर्थात्:—

1. (i) इन नियमों का नाम तारयन्त्र हंजीनियरी सेवा (वर्ग 1) संशोधन नियम 1976 है।

(ii) ये राजपत्र में प्रकाशित होने पर प्रवृत्त होंगे।

2. तारयन्त्र हंजीनियरी सेवा (वर्ग 1) नियम, 1965 में, नियम 13 में, उपनियम (आ) में, वर्णण (2) के स्थान पर निम्नलिखित वर्णण जाएगा, अर्थात्:—

"(2) ऐसा अध्यर्थी, जिसने डाक-तार विभाग में अस्थाई पद कम से कम तीन वर्ष की अवधि तक निरन्तर धारित किया हो :

परन्तु ऐसे अधिक, जो तारयन्त्र हंजीनियरी सेवा (वर्ग 1) संशोधन नियम 1976 के प्रारम्भ की तारीख के पूर्व डाक-तार विभाग में (i) रिपाइटर स्टेशन महायक, या (ii) फोर्मेन और तकनीकी सहायक, तारयन्त्र वर्कशाप्स या (iii) अस्थाई सहायक हंजीनियरी वर्कशाप्स या (iv) हंजीनियरी पर्यवेक्षक, या (v) वर्कशाप्स पर्यवेक्षक के अस्थाई पद धारण कर रहे थे, दो वर्ष की निरसन सेवा पूरी करने के पश्चात् इस विधिसीकरण के पात्र बने रहेंगे।"

[5/1/72-एस टी ए-1]

एस. सी. सच्देव, सहायक महा निदेशक

MINISTRY OF COMMUNICATIONS

(Post and Telegraphs Board)

New Delhi, the 11th May, 1976

G.S.R. 745.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules further to amend the Telegraph Engineering Service (Class I) FRules, 1965, namely:—

1. (i) These rules may be called the Telegraph Engineering Service (Class I) Amendment Rules, 1976.

(ii) They shall come into force on their publication in the Official Gazette.

2. In the Telegraph Engineering Service (Class I) Rules, 1965, in rule 13, in sub-rule (b), for clause (2) the following clause shall be substituted namely:—

"(2) A candidate who has continuously held for a period of not less than three years a temporary post in the Posts and Telegraphs Department :

Provided that persons who, prior to the date of commencement of the Telegraph Engineering Service (Class I) Amendmend Rules, 1976, were holding temporary posts of (i) Repeater Station Assistant, or (ii) Foreman and Technical Assistant, Telegraph Workshops, or (iii) Temporary Assistant Engineers Workshops or (iv) Engineering Supervisor, or (v) Workshops Supervisor in the Posts and Telegraphs Department, shall remain eligible for this relaxation after completion of two years of continuous service."

[5/1/72-STA-I]

S. C. SACHDEVA, Asstt. Director General

पर्यटन और नागर विमानन मंत्रालय

गृहिणी-पत्र

नई विल्ली, 25 मार्च, 1976

सा० का० नि० 746.—भारत के राजपत्र, भाग II, खंड 5, उप-खंड (i), दिनांक 24 मई, 1975 के पृष्ठ 1525 पर भारत सरकार के पर्यटन और नागर विमानन मन्त्रालय की अधिसूचना के साथ प्रकाशित पर्यटन विभाग (वर्ग II पद) भर्ती (संशोधन) नियम 1975 में,—

अनुसूची के स्तरम् 10 की मद (i) की उप-मद (ii) में “आणुलिपिक वर्ग सीमित विभागीय परीक्षा” के स्थान पर “आणुलिपिक वर्ग सीमित विभागीय प्रतियोगी परीक्षा” पढ़ा जाए।

[सं० ए० 11014/1/73-प्रशासन-1 (पर्यटन)]

बाहु राम प्रभवाल, उप सचिव

MINISTRY OF TOURISM AND CIVIL AVIATION

CORRIGENDUM

New Delhi, the 25th March, 1976

G.S.R. 746.—In the Department of Tourism (Class II posts) Recruitment (Amendment) Rules, 1975, published with the notification of the Government of India in the Ministry of Tourism and Civil Aviation No. G.S.R. 635, dated the 24th May, 1975, in the Gazette of India, Part II, Section 3, Sub-section (i), dated the 24th May, 1975, at page 1525,—

In the Schedule, in column 10, in item (i), in sub-item (ii), for “Stenographers Grade Limited Departmental Examination”, read “Stenographers Grade Limited Departmental Competitive Examination”.

[No. A. 11014/1/73-Admn. I (Tourism)]

BANU RAM AGGARWAL, Dy. Secy.

रेल मंत्रालय

(रेल बोर्ड)

नई विल्ली, 3 मई, 1976

सा० का० नि० 747.—केन्द्रीय सरकार, भारतीय रेल अधिनियम, 1890 (1890 का 9) की धारा 47 द्वारा प्रदत्त शर्कितयों का प्रयोग करते हुए रेल बोर्ड टैरिक नियम, 1960 में और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाती है, अधिकृत:—

- (1) इन नियमों का नाम रेल बोर्ड टैरिक (पांचवा संसोधन) नियम, 1976 है।
- (2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।
- रेल बोर्ड टैरिक नियम, 1960 में, अध्याय 5, भारणी 5 में, स्तंभ 1 में ‘प्रमोनिया का नाइट्रेट’ मद के नीचे और स्तंभ 3 से 7 तक उसकी तस्वीरन्वयी प्रविधियों के स्थान पर निम्नलिखित मद और प्रविधियां प्रत्यक्ष:—

भारणी

वर्दायं का नाम	मानान्य वर्गीकरण छोटे	भार/या सी सी भार वैगन भार	टिप्पणी वैकिंग शर्तें जिनके अद्विन हीरी हैं	(नियम 507 भी देखिए)	चिह्नाकान या लेबल लागाने के बारे में पार्सल गाड़ी द्वारा प्रभाधारण या असि- रिक्त प्रानियम (नियम 508, 509 और या 522, 1 देखिए)	लेबल भाल गाड़ी या पार्सल गाड़ी द्वारा प्रभाधारण की पार्सल गाड़ी के प्रिक्त प्रानियम वालत प्रसाधारण ब्रेक वाल में अभि- अतिरिक्त वहन की बाबत (नियम 520, 521, 514, 515, नियम (नियम 519, 516, 517 और भी देखिए) 518 भी देखिए)	याकी गाड़ी, भौमार घन्यास मिलोजुली या प्रभाधारण के प्रिक्त प्रानियम वालत प्रसाधारण ब्रेक वाल में अभि- अतिरिक्त वहन की बाबत (नियम 520, 521, 523 और 524 भी देखिए)
1	2	3	4	5	6	7	
ग्रहनशील नाइट्रेट	150 130 150 110	65	जब केवल टिनों, जारों या बोतलों में हो तो पिछले ब्रेकघान में 9.07 किलो तक ले जाया जा सकता है।		

(1) पीपों या ड्रमों में या टिनों में केसों में रखे हुए जारों या बोतलों में।	(2) बोहरे नमी प्रस्काल्ट कागज के थैलों में और पोली- थीसिन भड़े हुए कागज के थैलों में जब कि इन थैलों को फिर से जूट के थैलों में लपेट दिया जाय।
---	--

[सं० 72 टी० जी० 4/21/3]

ए० एल० गुप्ता, सचिव

MINISTRY OF RAILWAYS

(Railway Board)

New Delhi, 3 May, 1976

G.S.R. 747.—In exercise of the powers conferred by Section 47 of the Indian Railways Act, 1890 (9 of 1890) the Central Government hereby makes the following rules further to amend the Railways Red Tariff Rules, 1960 namely:—

1. (1) These rules may be called the Railways Red Tariff (5th Amendment) Rules, 1976.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the Railways Red Tariff Rules, 1960, in Chapter V, Table V, below the item 'Nitrate of Ammonia' in column 1 and in the corresponding entries in columns 3 to 7, the following item and entries shall be inserted, namely:—

TABLE

Name of Substance	General Classification	W/-or C.C. Weight conditions under which wagon-load rates apply	Packing (See also rule 507)	Exceptional or Additional Rules regarding Marking and Labelling (See also Rules, 508, 509, and 522, 1)	For Additional carriage by Goods or parcels Train (See also Rules 514, 515, 516, 517 & 518).	Exceptional Rules regarding carriage in brakevan or Passenger Train (See also Rules 514, 515, 516, 517 & Rule 519)	Exceptional Rules regarding carriage Mixed or parcels Train (See also Rules 521, 523 and 524).	Exceptional Stowage and Carriage Rules (See Also 520, 521, 523 and 524).
1	2	3	4	5	6	7		
Guaniidine Nitrate	150 130 150 110 65		(1) in casks or drums, or in tins, jars or bottles in cases. (2) In double asphalt moisture proof paper bags and polyethylene lined paper bags, provided such bags are further enclosed in Jute bags.	May be carried in the rear brake-van upto 9.07 Kg. when contained in tins, jars or bottles only.	

[No. 72 TGIV/21/3]
A. L. GUPTA, Secy.

पूति और पुनर्वासि मंत्रालय

(पुनर्वासि विभाग)

नई दिल्ली, 20 मार्च, 1976

सा० का० नि० 748—संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रवर्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए राष्ट्रपति इसके द्वारा पुनर्वासि विभाग में खलासी के पद की भर्ती की पद्धति को विनियमित करने हुए निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अर्थात् :—

1. (1) संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ :— ये नियम पुनर्वासि विभाग (खलासी) भर्ती नियम, 1976 कहायेंगे।

(2) ये सरकारी राजपत्र में प्रकाशित होने की तिथि से लागू होंगे।

2. पदों की संख्या, वर्गीकरण और वेतनमान :—हन पदों की संख्या, इनका वर्गीकरण और वेतनमान संलग्न अनुसूची के कालम 2 से 4 में विवे गये हैं।

3. भर्ती की पद्धति, आयु-सीमा और योग्यताएँ इत्यादि :— उपर्युक्त पदों पर भर्ती की पद्धति, आयु-सीमा, योग्यताएँ और इनसे संबंधित अन्य बातें उक्त अनुसूची के कालम 5 से 13 में दी गई हैं।

4. योग्यताएँ :—कोई व्यक्ति—

(क) जिसने ऐसे व्यक्ति से विवाह किया हो जिसका पति या पत्नी जीवित हो, या

(ख) जिसने पति या पत्नी के जीवित रहने किसी व्यक्ति से विवाह किया हो,

उक्त पद पर नियुक्ति के पात्र नहीं होगा :

परन्तु यदि केन्द्रीय सरकार इस बात से सन्तुष्ट हो जाय कि उक्त व्यक्ति पर तथा विवाह के दूसरे पक्ष पर जो वैयक्तिक कानून लागू होता है उसके प्रशंसन देश विवाह किया जा सकता है तथा ऐसा करने के और आधार हैं तो वह किसी व्यक्ति को इस नियम के प्रबंधन से छूट दे सकती है।

5. रियायत देने की शक्ति :—

यदि केन्द्रीय सरकार की ऐसी राय हो कि ऐसा करना उचित या भावश्यक है तो वह लिखित कारणों के आधार पर आदेश देकर इसी भी क्षेत्रीय क्षेत्र के व्यक्तियों के लिए इन नियमों के किसी भी उपबन्ध में रियायत दे सकती है।

6. अपवाद :—

इन नियमों में दी गई कोई भी बात अनुसूचित जातियों और अनुभूचित जनजातियों तथा अन्य विशेष वर्गों के व्यक्तियों को इस संदर्भ में केन्द्रीय सरकार समय-समय पर जारी किये गये आवेदनों के आधार पर दिये जाने वाले आरक्षण तथा रियायतों पर प्रभाव नहीं डालेगी।

नाम	पदों की संख्या	वर्गीकरण	बेतनमान	प्रवरण पद है सीधी भर्ती वालों के सीधी भर्ती वालों के लिए शपेक्षित अवधि अप्रवरण लिए आयु सीमा शिक्षा संबंधी और अन्य शोधताएं	6	7
1	2	3	4	5		
खलासी	एक	सामान्य केन्द्रीय सेवा	196-3-220-द०रो-०-	लागू नहीं होता 18 से 25 वर्ष के बीच प्राइमरी स्तर पास श्रेणी 'ष' (प्रराज- 3-232- इप्पे पक्षित) अलिपिक-		

वया सीधी भर्ती परिक्षा की वालों के लिए विहित कालाग्रि, यदि आयु और शिक्षा कोई हो तो संबंधी शोधताएं पदोन्नति वालों की दशा में भी लागू नहीं होगी।

भर्ती की पद्धति/स्थानीय भर्ती पदोन्नति/प्रतिनियुक्ति/ स्थानान्तरण होगी या पदोन्नति द्वारा या द्वारा भर्ती की दशा में वे चेंड जिनसे प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण द्वारा पदोन्नति/प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण तथा विभिन्न पक्षियों द्वारा किया जाना है। भर्ती जाने वाली रिक्तियों का प्रतिशत।

यदि विभागीय पदों- वे परिस्थितियां जिनमें नलित समिति है तो नियम, बनाते समय उसका गठन कैसे सद सोक सेवा आवाग किया गया है। से परामर्श किया जाना है।

8	9	10	11	12	13
लागू नहीं होता	2 वर्ष	सीधी भर्ती द्वारा	लागू नहीं होता	लागू नहीं होता	लागू नहीं होता

सं. ए/12018/8/75-प्रशा० -1)

MINISTRY OF THE SUPPLY AND REHABILITATION

(Department of Rehabilitation)

New Delhi, the 20th March, 1976

G.S.R. 748.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules regulating the method of recruitment to the post of Khalasi in the Department of Rehabilitation, namely:—

1. Short Title and Commencement : (1) These rules may be called the Department of Rehabilitation (Khalasi) Recruitment, Rules, 1976.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. Number, Classification and Scale of Pay : The number of the post, classification and the scale of pay attached thereto, shall be as specified in columns 2, to 4 of the Schedule annexed hereto.

3. Method of Recruitment age Limit and Qualifications etc : The method of recruitment to the said post, age limit, qualifications and other matters connected therewith shall be as specified in columns 5 to 13 of the said Schedule.

4. Disqualifications : No Person—

(a) who has entered into or contracted a marriage with a person having a spouse living or
(b) who, having a spouse living, has entered into or contracted a marriage with any person, shall be eligible for appointment to the said post.

Provided that the Central Government may, if satisfied that such marriage is permissible under the personal law applicable to such person and the other party to the marriage and there are other grounds for so doing, exempt any person from the operation of this rule.

5. Power to Relax : Where the Central Government is of opinion that it is necessary or expedient so to do, it may, by order and for reasons to be recorded in writing, relax any of the provisions of these rules with respect to any class or category of persons or to the post.

6. Saving: Nothing in these rules shall affect reservations and other concessions required to be provided for the Scheduled Castes, Scheduled Tribes and other special categories of persons in accordance with the orders issued by the Central Government from time to time in this regard.

Name of Post	No. of posts	Classification	Scale of Pay	Whether Selection post or non-Selection post	Age limit for direct recruits	Educational qualifications required for direct recruits.
1	2	3	4	5	6	7
Khalasi	One	General Central Services Group 'D' (Non-gazetted) Non-ministerial	Rs. 196-3-220-EB-3-232/-.	Not applicable	Between 18-25 years	Primary School Standard
Whether age and educational qualifications prescribed for direct recruits will apply in the case of promotees.	Period of probation if any	Method of recruitment whether by direct recruitment or by deputation/transfer and percentage of the vacancies to be filled by various methods.	In case of recruitment by promotion/deputation/transfer of grades from which promotion/deputation/transfer to be made.	If a DPC exists what is its composition	Circumstances in which UPSC is to be consulted in making recruitment	
8	9	10	11	12	13	
Not applicable.	2 years	By direct recruitment.	Not applicable.	Not applicable	Not applicable	

[No. A. 120/8/75-Adm. 1]

नई विलो 1 24 मार्च, 1976

सांकेतिक 749.—संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रदत्त याकियों का प्रयोग करते हुए राष्ट्रपति इसके द्वारा पुनर्वास विभाग में फराश के पद की भर्ती की पद्धति को विनियमित करते हुए निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अर्थात् :—

1. (1) संशिप्त नाम और प्रारम्भ :—ये नियम पुनर्वास विभाग (फराश) भर्ती नियम, 1976 कहलायेंगे।

(2) ये सरकारी राजपत्र में प्रकाशित होने की तिथि से लागू होंगे।

2. पदों की संख्या, वर्गीकरण और वेतनमान :—इन पदों की संख्या, इनका वर्गीकरण और वेतनमान संलग्न अनुसूची के कालम 2 से 4 में दिये गये हैं।

3. भर्ती की पद्धति, आयुसीमा और योग्यताएं इत्यादि :—उपर्युक्त पदों पर भर्ती की पद्धति, आयुसीमा, योग्यताएं और इनसे संबंधित प्रन्थ बारें उक्त अनुसूची के कालम 5 से 13 में दी गई हैं।

4. अयोग्यताएँ :—कोई व्यक्ति—

(क) जिसने ऐसे व्यक्ति से विवाह किया हो जिसका पति या पत्नी जीवित हो, या

(ख) जिसने पति या पत्नी के जीवित रहते किसी व्यक्ति से विवाह किया हो,

उक्त पद पर नियुक्ति का पात्र नहीं होगा।

परन्तु यदि केन्द्रीय सरकार इस बात से सत्युष्ट हो जाय कि अक्त व्यक्ति पर तथा विवाह के दूसरे पक्ष पर जो वैयक्तिक कानून ल.ग. होता है उसके अधीन तो विवाह किया जा सकता है तथा ऐसा करने के और आधार है तो वह किसी व्यक्ति को इस नियम के प्रवर्तन से छूट दे सकती है।

5. रियायत देने की शक्ति :—यदि केन्द्रीय सरकार की ऐसी राय हो कि ऐसा करना उचित या आवश्यक है तो वह लिखित कारणों के आधार पर आवेदन देकर किसी भी श्रेणी या वर्ग के व्यक्तियों के लिए इन नियमों के किसी भी उपबन्ध में रियायत दे सकती है।

6. अपवाद :—इन नियमों में दी गई कोई भी बात अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों तथा अन्य विशेष वर्गों के व्यक्तियों को इस संबंध में केन्द्रीय सरकार द्वारा समय पर जारी किये गये आदेशों के आधार पर दिये जाने वाले आरक्षण तथा रियायतों पर प्रभाव नहीं डालेगी।

नाम	पदों की संख्या	वर्गीकरण	वेतनमान	प्रदरण पद है अथवा अप्रदरण	सीधी भर्ती वालों के लिये आयुसीमा	सीधी भर्ती वालों के लिये अपेक्षित
1	2	3	4	5	6	7
फराश	9	सामान्य केन्द्रीय सेवा श्रेणी 'ब' (अराज-पत्रिक)	196-3-220-ब०रो० 3-232/- रुपये	लागू नहीं होता	18-25 वर्ष के बीच	लागू नहीं होता

कदा सीधी भर्ती वालों के लिये विहिन आयु परिवेक्षका की कालावधि, यदि पर्याप्त होगी या पदोन्नति हारा या प्रनियुक्ति/स्थानान्तरण हारा यदि विभिन्न पदोन्नतियों हारा भर्ती जाने वाली रिक्तियों का प्रतिशत भर्ती की पद्धति/कदा सीधी भर्ती होने की वशा में बे ग्रेड जिनसे पदोन्नति/प्रनियुक्ति/स्थानान्तरण किया जाना गठन कैसे किया गया है वे परिस्थितियां जिनमें नियम, बनाने समय संबंधी लोक सेवा आयोग से परामर्श किया जाना है।

8	9	10	11	12	13
प्राह्मरी स्तर पास	2 वर्ष	सीधी भर्ती हारा	लागू नहीं होता	लागू नहीं होता	लागू नहीं होता

[सं० 12018/7/75-प्रशा०-I]
मोहन लाल मेहरता, अवर सचिव

New Delhi, the 24th March, 1976

G.S.R. 749.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules regulating the method of recruitment to the post of Farash in the Department of Rehabilitation, namely:—

1. Short Title and Commencement : (1) These rules may be called the Department of Rehabilitation (Farash) Recruitment Rules, 1976.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. Number, Classification and Scale of Pay : The number of the post, classification and the scale of pay attached thereto, shall be as specified in Columns 2 to 4 of the Schedule annexed hereto.

3. Method of Recruitment, Age Limit Qualifications etc: The method of recruitment to the said post age limit, qualifications and other matters connected therewith shall be as specified in columns 5 to 13 of the said Schedule.

4. Disqualifications : No person—

(a) who has entered into or contracted a marriage with a person having a spouse living or,
(b) who, having a spouse living, has entered into or contracted a marriage with any person, shall be eligible for appointment to the said post.

Provided that the Central Government may, if satisfied that such marriage is permissible under the personal law applicable to such person and the other party to the marriage and there are other grounds for so doing exempt any person from the operation of this rule.

5. Power to Relax : Where the Central Government is of opinion that it is necessary or expedient so to do, it may be by order and for reasons to be recorded in writing relax any of the provisions of these rules with respect to any class or category of persons.

6. Saving: Nothing in these rules shall affect reservations and other concessions required to be provided for the Scheduled Castes, the Scheduled Tribes and other special categories of persons in accordance with the orders issued by the Central Government from time to time in this regard.

Name of Post	No. of post	Classification	Scale of pay	Whether Selection post or non-Selection Post	Age for direct recruitment	Educational and other qualifications required for direct recruit	
1	2	3	4	5	6	7	
Farash	9	General Central Services Group 'D' (Non-gazetted).	Rs. 196-3-220-E.B.- 3-232.	Not applicable	18 to 25 years	Not applicable.	

Whether age and educational qualifications prescribed for direct recruits will apply in the case of promotees	Period of probation if any	Method of recruitment whether by direct recruitment or by deputation/transfer and percentage of the vacancies to be filled by various methods	In case of recruitment by promotion/deputation/transfer grades from which promotion/deputation/transfer to be made	If a DPC exists Circumstances in which what is its U.P.S.C. is to be consulted in making recruitment
---	----------------------------	---	--	--

8	9	10	11	12	13
Primary standard pass	2 years	By direct recruitment	Not applicable	Not applicable	Not applicable.

श्रम वंत्रालय

नई दिल्ली, 14 मेर्सेन, 1976

सांकेतिक 750.—राष्ट्रपति, संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तु क्षारा प्रवलत शक्तियों का प्रयोग करते हुए, रोजगार निवेशालय, रोजगार और प्रशिक्षण महानिवेशालय (वर्ग I और वर्ग II) पद) भर्ती नियम, 1961 में और संशोधन करने के सिये निम्नलिखित नियम बनाते हैं; प्रथम् :—

1. (1) इन नियमों का नाम रोजगार निवेशालय, रोजगार और प्रशिक्षण महानिवेशालय, (वर्ग I और वर्ग II पद) भर्ती (संशोधन) नियम, 1976 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशित होने की सारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. रोजगार निवेशालय, रोजगार और प्रशिक्षण महानिवेशालय (वर्ग I और वर्ग II पद) भर्ती नियम, 1961 की अनुसूची में :—

(i) "वर्ग II पद" शीर्षक के अन्तर्गत, मद 12 के सामने, स्तम्भ 4 से 13 में विद्यमान प्रविष्टियों के स्थान पर निम्नलिखित प्रविष्टियाँ रखी जायेगी, प्रथम् :—

1	2	3	4	5	6	7
			700-40-900-५० रो-40-1100- 50-1300 रु०	चयन पद	35 वर्ष से अनधिक (सरकारी कर्मचारियों के लिये शिखिलनीय)	अनिवार्य : (1) किसी मान्यताप्राप्त विश्व- विद्यालय से (क) मानसिक परीक्षण और सांलिङ्की के पत्रों या (ख) मार्गदर्शन में डिप्लोमा के साथ द्वितीय श्रेणी में मनोविज्ञान/शिक्षा में मास्टर की उपाधि। (2) ईस्ट कंस्ट्रक्शन का तीन वर्ष का अनुभव। अहंतार्थ, अन्यथा सुप्राहित अभ्यर्थियों की दशा में आयोग के विवेकानुसार शिखिलनीय।

8	9	10	11	12	13
नहीं	वर्ष	प्रोन्नति द्वारा जिसके न हो सकने पर सीधी भर्ती द्वारा।	प्रोन्नति : ऐसे कनिष्ठ वैज्ञानिक अधिकारी मनोवैज्ञानिक, जिन्होंने नियमित आधार पर नियमित के पश्चात् उस श्रेणी में 3 वर्ष सेवा की हो।	वर्ग I विभागीय प्रोन्नति संघ लोक सेवा आयोग समिति।	(परामर्श से छूट) विनियम, 1958 के प्रधीन यथा- अपेक्षित।

(ii) "वर्ग II पद" शीर्षक के अन्तर्गत, विद्यमान मद 9 और उससे संबंधित प्रविष्टियों के स्थान पर निम्नलिखित पद और प्रविष्टियाँ रखी जाएंगी, प्रथम् :—

1	2	3	4	5	6	7
9. कनिष्ठ वैज्ञानिक अधिकारी/मनोवै- ज्ञानिक	2. माध्यारण केन्द्रीय सेवा, वर्ग II, राजपत्रित	650-30-740-35- 810-४०रो०-३५- 880-40-1000- ८०रो०-४०-१२०० रु०	चयन पद	35 वर्ष से अनधिक (सरकारी कर्मचारियों के लिये शिखिलनीय)	अनिवार्य : (1) किसी मान्यताप्राप्त विश्व- विद्यालय से (क) मानसिक परीक्षा के पत्र या (ख) मार्गदर्शन में डिप्लोमा के साथ द्वितीय श्रेणी में मनो- विज्ञान/शिक्षा में मास्टर की उपाधि या समकक्ष।	

1	2	3	4	5	6	7
						(2) अभियर्थी और सुवि के मूल्यांकन में मनोविज्ञानिक तकनीकों के अनुप्रयोग का दो वर्ष का अनुभव या टेस्ट कंस्ट्रक्शन का अनुभव ।

(प्रहृताएँ अन्यथा सुझाई गयी अधिकारियों की दशा में आयोग के विवेकानुसार प्रियलिखीय) ।

बोठनीय :
चयन या मार्गदर्शन के लिए अभियर्थी परीक्षण कार्यक्रम का अनुभव।
मनोविज्ञान या शिक्षा के क्षेत्र में अनुसंधान का अनुभव।

8	9	10	11	12	13
नहीं	दो वर्ष	50 प्रतिशत प्रोन्ति द्वारा, जिसके प्रोन्ति: न हो सकने पर सीधी भर्ती। 50 ऐसे विश्विष्ट वैज्ञानिक सहायक जिन्होंने सीमीत प्रतिशत सीधी भर्ती द्वारा, नियमित आधार पर नियुक्ति के पश्चात् उस श्रेणी में 3 वर्ष सेवा की हो।	वर्ग II विभागीय प्रोन्ति सभ लोक सेवा आयोग	(परामर्श से छूट)	

[स० श० जी० जी० ई० टी० 12/3174-प्रशा० 2]
आर० पी० गुप्त, अवर मन्त्रिव

MINISTRY OF LABOUR

New Delhi, the 14th April, 1976

G.S.R 750.—In exercise of the powers conferred by the proviso to Article 309 of the Constitution the President hereby makes the following rules further to amend the Directorate of Employment, Directorate General of Employment and Training (Class I and Class II posts) Recruitment rules, 1961, namely:—

1. (1) These rules may be called the Directorate of Employment, Directorate General of Employment and Training (Class I and Class II posts) Recruitment (Amendment) Rules, 1976.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the Schedule to the Directorate of Employment, Directorate General of Employment and Training (Class I and Class II posts) Recruitment Rules, 1961:—

(i) under the heading "Class II posts" against item No. 12, for the existing entries in columns 4 to 13, the following entries shall be substituted, namely:—

1	2	3	4	5	6	7
			Rs. 700-40-900-EB-40-1100-50-1300	Selection Post	Not exceeding 35 years (Relaxable for Govt servants).	Essential: (i) Second class Master's degree in Psychology/Education of a recognised University with either (a) papers in Mental Testing and Statistics or (b) Diploma in Guidance. (ii) 3 years experience of Test construction. (Qualifications relaxable at Commissions discretion in case of candidates otherwise well qualified)

8	9	10	11	12	13
No	Two years	By promotion which by direct recruitment failing	Promotion: Junior Scientific Officer/ Psychologist with 3 years service in the grade render- ed after appointment there- to on a regular basis.	Class I Departmental Promotion Committee	As required under Union Public Commission (Exem- ption from Consultation) Regulations, 1958.

(ii) under the heading "Class II posts", for the existing item 9 and the entries relating thereto, the following item and entries shall be substituted namely :—

1	2	3	4	5	6	7
9. Junior Scientific Officer/ Psychologist	2	General Central Service Class II Gazetted	Rs. 650-30-740-35- 810-EB-35-880-40- 1000-EB-40-1200.	Selection Post	Not exceeding 35 years (Relaxable for Govt. servants)	Essential : (i) Second Class Master's degree in Psychology/Education of a recognised University or equivalent with (i) a paper in Mental Testing or (ii) Diploma in Guidance. (ii) 2 years' experience in the application of psychological techniques of appraisal of aptitudes and interests or experience in Test Construc- tion. (Qualifications relaxable at Commission's discretion in case of candidates otherwise well qualified). Desirable : Experience in aptitude testing programme for selection or guidance. Or Experience of research in the field of Psychology or Education.

8	9	10	11	12	13
No	2 years	50% by promotion, failing which by direct recruitment; 50% by direct recruit- ment	Promotion: Senior Scientific Assistant with 3 years service in the grace rendered after app- ointment thereto on a re- gular basis,	Class II Departmental Promotion Committee	As required under the Union Public Service Commission (Exem- ption from consul- tation) Regulations, 1958.

[No. DGET 12/3/74-Adm-II]

R. P. GUPTA, Under Secy.

वित्त मंत्रालय

(राजस्व और बैंकिंग विभाग)

राजस्व पत्र

नई दिल्ली, 20 मई, 1976

अनिष्टकर श्रीविधि-द्रव्य

सा० का० नि० 751.—केन्द्रीय सरकार अनिष्टकर मादक द्रव्य अधिनियम, 1930 की धारा 6 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय विनियमित मादक द्रव्य नियम, 1962 में कठिनय संशोधन करता चाहती है। जैसा कि उक्त अधिनियम की धारा 36 की उपधारा (1) में घोषित है, प्रस्तावित संशोधनों का निम्नलिखित प्रारूप उन सभी व्यक्तियों की जानकारी के लिए प्रकाशित किया जा रहा है जिनके उससे प्रभावित होने की संभावना है और इसके द्वारा सूचना दी जाती है कि उक्त प्रारूप पर इस अधिसूचना के राखपत्र में प्रकाशन की सारीष से पैतालीम दिनों के पश्चात् विचार किया जाएगा।

उपरोक्त अवधि में ऊपर विनिष्ट अवधि से पूर्व नियमों के उक्त प्रारूप की आवश्यत जो भी आधेप या सुझाव किसी व्यक्ति से प्राप्त होंगे केन्द्रीय सरकार उन पर विचार करेगी।

नियमों का प्रारूप

1. इन नियमों का नाम केन्द्रीय विनियमित मादक द्रव्य (संशोधन) नियम, 1976 है।

2. केन्द्रीय विनियमित मादक द्रव्य नियम, 1962 में—

(क) नियम 2 में, खण्ड (vi) के स्थान पर निम्नलिखित खण्ड रखा जाएगा, अर्थात् :—

"(vi) "कृत्रिम विनियमित मादक द्रव्य" से अभिप्रेत है ऐसा स्वापक मादक द्रव्य जिसे सिंगल कॉर्सेन आदि नार्कोटिक द्रव्य, 1961 की अनु-सूची 1 और 2 में मार्मानित किया गया है और अनिष्टकर मादक द्रव्य अधिनियम, 1930 (1930 का 2) की धारा 2 के खण्ड (1) के उपखण्ड (ii) के अधीन 'विनियमित मादक द्रव्य' शब्दित किया गया हो।

(ख) नियम 4 में "केन्द्रीय राजस्व बोर्ड" शब्दों के स्थान पर "केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क और सीमांशुल्क बोर्ड" शब्द रखे जाएंगे।

(ग) नियम 5 में "सरकारी अल्कोहॉल सकर्म गाजीपुर" शब्दों के स्थान पर "सरकारी अफीम और अल्कोहॉल सकर्म उपकरण" शब्द रखे जाएंगे।

(घ) नियम 7 में, "पेटेण्ट" शब्द के स्थान पर "कृत्रिम विनियमित मादक द्रव्य" शब्द रखे जाएंगे;

(क) प्रस्तुत रूप में,—

- (i) "शर्तें" शीर्षक के नीचे, मध्य 23(1), (25), (26)(1) और (27) में, "केन्द्रीय राजस्व बोर्ड" शब्दों के स्थान पर, "भारत सरकार, राजस्व और बैंकारी विभाग" शब्द और कोष्ठक रखे जाएंगे ;
- (ii) "विनिर्माता का अधिकारी" शीर्षक के नीचे, "मादक द्रव्य का नाम अर्थात्, भाधार पैथेशीन है या पैथेशीन हाइड्रोक्सोराइड या पैथेशीन के कोई अन्य लक्षण जिसका हिसाब रखा जाता है, उसमें विनिर्दिष्ट किया जाना चाहिए" शब्द जहाँ कहीं भी आए हैं, उनके स्थान पर "मादक द्रव्य का नाम अर्थात् भाधार रूप में या लक्षण, जिसका हिसाब रखा जाता है, उसमें विनिर्दिष्ट किया जाना चाहिए" शब्द रखे जाएंगे ।

[फा० सं० 631/1/74-प्रफीम]

बी० के० गुप्ता, उप सचिव

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue and Banking)
(Revenue Wing)

New Delhi, the 20th May, 1976

DANGEROUS DRUGS

G.S.R. 751.—The following draft of certain rules to amend the Central Manufactured Drugs Rules, 1962, which the Central Government proposes to make in exercise of the powers conferred by sub-section (2) of section 6 of the Dangerous Drugs Act, 1930 (2 of 1930), is published as required by sub-section (1) of section 36 of the said Act for the information of all persons likely to be affected thereby; and notice is hereby given that the draft will be taken into consideration after the expiry of forty-five days from the date of publication of this notification in the Official Gazette;

Any objection or suggestion which may be received from any person with respect to the said draft before the expiry of the period so specified will be considered by the Central Government.

DRAFT RULES

1. These rules may be called the Central Manufactured Drugs (Amendment) Rules, 1976.

2. In the Central Manufactured Drugs Rules, 1962 :—

(a) in rule 2, for clause (vi), the following clause shall be substituted, namely :—

"(vi) "synthetic manufactured drug" as synthetic narcotic drug included in Schedule I and II of the Single Convention on Narcotic Drug, 1961 and declared as manufactured drug under sub-clause (ii) of clause (g) of section 2 of the Dangerous Drugs Act, 1930 (2 of 1930);

(b) in rule 4, for the words "Central Board of Revenue" the words "Central Board of Excise and Customs" shall be substituted.

(c) in rule 5, for the words "Government Alkaloid Works, Ghazipur" the words "Government Opium and Alkaloid Works Undertakings" shall be substituted;

(d) in rule 7, for the word "Pethidine" the words "synthetic manufactured drug" shall be substituted;

(e) in Form B :—

(i) under the heading "Conditions", in items 23(1),(25), (26) (1) and (27) for the words "Central Board

of Revenue", the words and brackets "Government of India, Department of Revenue and Banking" shall be substituted;

(ii) under the heading "Manufacture's record" for the words "The name of the drug viz. Whether Pethidine base or Pethidine Hydrochloride or other salts of Pethidine, for which the account is maintained, should be specified therein", wherever they occur, the words "The name of the drug viz. whether as base or salt for which the account is maintained should be specified therein", shall be substituted.

[F. No. 631/1/74-OPIUM]

V. K. GUPTA, Dy. Secy.

नई दिल्ली, 29 मई, 1976

केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क

सा० का० ति० 752.—केन्द्रीय सरकार, केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क और नमक भविनियम, 1944 (1944 का 1) की धारा 37 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क नियम, 1944 में और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाती है, अर्थात् :—

1. इन नियमों का नाम केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क (पंजाब संशोधन) नियम, 1976 है।

2. केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क नियम, 1944 में, नियम 2 के खण्ड (2)

(क) में, उपखण्ड (n) के स्थान पर निम्नलिखित खण्ड रखा जाएगा, अर्थात् :—

"(n) पंजाब, हरियाणा, जम्मू-कश्मीर और हिमाचल प्रदेश के राज्यों में तथा चम्पीगढ़ के संघ राज्यक्षेत्र में, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क कलक्टर, चम्पीगढ़ ।"

[संख्या 169/76-के०ज०/फा०सं० 223/60/75-के०उ० 6]

फुण्डा कान्ता, अवर सचिव

New Delhi, the 29th May, 1976

CENTRAL EXCISES

G.S.R. 752.—In exercise of the powers conferred by section 37 of the Central Excises and Salt Act, 1944 (1 of 1944), the Central Government hereby makes the following rules further to amend the Central Excise Rules, 1944, namely :—

1. These rules may be called the Central Excise (15th Amendment) Rules, 1976.

2. In the Central Excise Rules, 1944, in clause (ii) (A) of rule 2, for sub-clause (t), the following sub-clause shall be substituted namely :—

"(t) in the States of Punjab, Haryana, Jammu and Kashmir and Himachal Pradesh and in the Union Territory of Chandigarh the Collector of Central Excise, Chandigarh."

[No. 169/76-CE/F. No. 223/60/75-CX.6]

KRISHNA KANT, Under Secy.

नई दिल्ली, 29 मई, 1976

सीमा-शुल्क

सा. का. नि. सं. 753.—केन्द्रीय सरकार, सीमा-शुल्क अधीनियम 1962 (1962 का 52) की धारा 25 की उपधारा (1) इतारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, अपना यह समाधान हो जाने पर कि लोकहित में ऐसा करना आवश्यक है, भारत सरकार के वित्त मंत्रालय (राजस्व और बीमा विभाग) की अधिसूचना सं. 103-सीमा-शुल्क, सारीख 20 दिसम्बर, 1975 में निम्नलिखित संशोधन करती है, अर्थात्:—

उक्त अधिसूचना में, “पिलेटों”, शब्द के स्थान पर “लॉर्ड अयस्क पिलेटों”, शब्द रखे जाएंगे।

[सं. 109/का. सं. 370/5/76-सीमा-शुल्क-1]

एम. जयरामन, अवर सचिव

New Delhi, the 29th May, 1976

CUSTOMS

G.S.R. 753.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 25 of the Customs Act, 1962 (52 of 1962), the Central Government, being satisfied that it is necessary in the public interest so to do, hereby makes the following amendment in the notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue and Insurance) No. 103-Customs, dated the 20th December, 1975, namely:—

In the said notification, for the word “pellets”, the words “iron ore pellets” shall be substituted.

[No. 109/F. No. 370/5/76-Cus. II]

M. JAYARAMAN, Under Secy.

स्वास्थ्य और परिवार नियोजन मंत्रालय

(स्वास्थ्य विभाग)

नई दिल्ली, 16 मई, 1976

सा. का. नि. 754.—याच अपमिश्न निवारण नियन, 1955 में और संशोधन करने के लिए कठिपय नियमों का प्रारूप, याच अपमिश्न निवारण अधिनियम, 1954 (1954 का 37) की धारा 23 की उपधारा (1) की अपेक्षानुसार, भारत सरकार के स्वास्थ्य और परिवार नियोजन मंत्रालय (स्वास्थ्य विभाग) की अधिसूचना सं. सा. का. नि. 1145, तारीख 26 अक्टूबर, 1974 के अधीन, भारत के राजपत्र, भाग 2, खण्ड 3, उपखण्ड (i), तारीख 26 अक्टूबर, 1974 के पृष्ठ 2699 से 2702 पर प्रकाशित किया गया था जिसमें 26 नवम्बर, 1974 तक उन सभी व्यक्तियों से भाक्षेप और सुसाव भाँगे गए थे, जिनके उनसे प्रभावित होने की संभावना है;

और उक्त राजपत्र जनता को 26 अक्टूबर, 1974 को उपलब्ध करा दिया गया था;

और केन्द्रीय सरकार ने, उक्त नियमों के प्रारूप के बाबत जनता से प्राप्त आवेदनों और सुझावों पर विचार कर लिया है;

अब, अब, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 23 की उपधारा (1) द्वारा प्रवत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय याच अपमिश्न समिति से परामर्श करने के पश्चात्, याच अपमिश्न निवारण नियम, 1955 में और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाती है, अर्थात्:—

[सं. पी. 15013/3/73-पी.एच. (डी.एण्डा.एस.)]

नियम

1. (1) इन नियमों का नाम याच अपमिश्न निवारण (संशोधन) नियम, 1976 है।

(2) ये 1 जून 1976 से प्रवृत्त होंगे।

2. याच अपमिश्न निवारण नियम, 1955 में, नियम 85 के स्थान पर, निम्नलिखित नियम रखा जाएगा, अर्थात्:—

“65. कोटनाशी के प्रयोग पर निर्बंधन : नीचे दी गई सारणी के स्तम्भ 3 में उल्लिखित व्यावों में स्तम्भ 2 में उल्लिखित कीटनाशी की मात्रा, स्तम्भ 4 में विहित सदृश्यता सीमा से अधिक नहीं होगी”

सारणी

क्रमांक	कीटनाशी का नाम	स्थान	सहाता सीमा
1	2	3	4
1.	एलिङ्गन, डीलिङ्गन (यह सीमा प्रमाण एलिङ्गन और डीलिङ्गन पर तुग्ध और दुग्ध उत्पाद घटके या किसी समुच्चय के रूप में लागू होती है तथा उन्हें डीलिङ्गन के रूप में फन और संज्ञिया अभिव्यक्त किया जाता है)।	प्रांत	0.01
		प्राप्ते	0.15 (शुल्क रहित प्राधार पर)
2.	कारबारिल		
	प्रमाण	1.6	
	ओका और पत्तों वाली संज्ञिया	10.0	
	पालू	0.2	
	प्रन्त्य संज्ञिया	5.0	
	बिनौले (साकुत)	1.0	
	भक्का का भुटा (धाने)	1.0	
3.	स्लोर्डेन (अवधिष्ठि को सिस और ट्रांसलोर्डेन के रूप में मापा जाएगा)	प्रमाण	0.06
		तुग्ध और दुग्ध उत्पाद	0.06 (वसा आधार पर)
	संज्ञिया	0.2	
	फल	0.1	
	बुकंदर	0.3	

1	2	3	4	1	2	3	4
4.	झी० झी० टी० (ये सीमाएं दुर्घ और दुर्घ उत्पाद झी०झी०टी०, झी०झी०झी० और झी०झी०ई० को अकेते या किसी समूचय के रूप में लागू होती हैं)।	दुर्घ और दुर्घ उत्पाद (वसा भा- धार पर) फल और सब्जियाँ जिनके प्रत्यंगत आशु आते हैं। मांस कुकुर और मछली अण्डे। अण्डे। अण्डे। अण्डे।	1. 25 3. 5 7. 0 (सभूते 0.5 उत्पाद भा- धार पर) 4. 5 (शुल्क रहित आधार पर)		13. हाइड्रोजन कॉम्पौश्ड (सभी स्रोतों से, कुल औमाइड के के रूप में अवधारित और अधिक्षक्त)	अनाज पिसे हुए अनाज	0. 05 0. 01
5.	डायजिनॉन	अनाज सब्जियाँ	0. 05 0. 5	14. अकार्बनिक औमाइड (सभी स्रोतों से, कुल औमाइड के के रूप में अवधारित और अधिक्षक्त)	अनाज पिसे हुए अनाज	25. 0 25. 0	
6.	डाइलोरवस (जहां संभव हो, डाइस्लोरोऐसेटल डि- हाइड (झी०सी०ए०) का अंश भी दिया जाए)।	अनाज पिसे हुए अनाज सब्जियाँ फल	1. 0 0. 25 0. 5 0. 1	15. लिन्डेन	अनाज दुर्घ और दुर्घ उत्पाद फल और सब्जिया अण्डे	0. 25 0. 2 4. 0 0. 1	
7.	डाइकोकोस	फल और सब्जियाँ चाय (शुल्क विनियमित)	6. 0 5. 0		मांस और कुकुर (सभूते आधार पर)	2. 0	
8.	डाइमेथेएट (अवशिष्टि को डाइमेथेएट और उसके आकृतियाँ अनुरूप के रूप में अवधारित और डाइमे- थेएट के रूप में अधि- ष्यकत किया जाएगा)।	फल और सब्जियाँ	2. 0	16. मैलाथियान (मैलाथौयान को अवधारित और मैला- थौयान और मैलाथौक्सान की सम्मिलित अवशिष्टियों के रूप में अधिक्षक्त किया जाएगा)।	अनाज पिसे हुए अनाज फल	4. 0 1. 0 4. 0 3. 0 8. 0	
9.	एंडोससल्फेन (अवशिष्टियों को सापा जाता है और एंडो- सल्फेन ए और भी तथा एंडोसल्फेन सल्फेट के योग के रूप में दिया जाता है)	फल और सब्जियाँ बिनौला बिनौला तेल (कच्चा) एंडोसल्फेन	2. 0 0. 5 0. 2	17. पैराथौयन (पैराथौयन फल और सब्जियाँ और उसके पैराथौक्सान की सम्मिलित अवशिष्टियों को अवधारित किया जाएगा और पैराथौयन के रूप में अधिक्षक्त किया जाएगा)।	फल और सब्जियाँ	0. 5	
10.	फेनिट्रोथियन	अनाज पिसे हुए अनाज दुर्घ और दुर्घ उत्पाद।	0. 02 0. 005 0. 5 (वसा भा- धार पर)	18. पैराथौयन मेथिल (पैरा- थौयन मेथिल और उसके आकृतियाँ अनुरूप की सम्मि- लित अवशिष्टियों को अव- धारित किया जाएगा और पैराथौयन मेथिल के रूप में अधिक्षक्त किया जाएगा)।	फल	0. 2 1. 0	
11.	हैप्टाक्सोर (हैप्टाक्सोर और उसके एपॉक्साइड की सम्मिलित अवशिष्टियों को अवधारित किया और हैप्टा- क्सोर के रूप में अधिक्षक्त किया जाएगा)	अनाज पिसे हुए अनाज दुर्घ और दुर्घ उत्पाद	0. 01 .0. 002 0. 15 (वसा भा- धार पर)	19. फॉस्क-एमिडान (फॉस्क-एमिडान और अनाज उसके हिसेथाइल अवकलज के योग के रूप में अधिक्षक्त)।	फल और सब्जियाँ	0. 05 0. 2	
12.	हाइड्रोजन साइनाइड	सब्जियाँ	0. 06	20. पाइरेप्रिस (पाइरेप्रिस I और II तथा पाइरेप्रिस के प्रथम संरचनातः सम्बद्ध फीटनाशीय संघटकों का योग।	अनाज पिसे हुए अनाज फल और सब्जियाँ	1. 5 0. 5 1. 0	
		अनाज पिसे हुए अनाज	37. 5 3. 0	स्पष्टीकरण:—इस नियम के प्रयोजनों के लिए,— (क) “फीटनाशी” पद का वही अर्थ होगा जो उसका फीटनाशी अधिनियम, 1968 (1968 का 46) में किया गया है;			

(ब) जब तक कि प्रत्यय किए न किया गया होः—
 (i) अधिकतम स्तरों समूचे उत्पाद प्राधिकर पर मिश्यो/ किंश्यो में अधिष्ठित हैं,
 (ii) सभी आधा वाणिज्य में गतिमान कच्चे कृषि उत्पादों के प्रति निर्देश करते हैं।"

[सं. पी. 15013/3/73-पी.एव. (डी.एण्ड एम.एस.)]

MINISTRY OF HEALTH AND FAMILY PLANNING

(Department of Health)

New Delhi, the 15th May, 1976

G.S.R. 754.—Whereas certain draft rules, further to amend the Prevention of Food Adulteration Rules, 1955, were published as required by sub-section (1) of section 23 of the Prevention of Food Adulteration Act, 1954 (37 of 1954), at pages 2762 to 2704 of the Gazette of India, Part II, Section 3, Sub-Section (1), dated the 26th October, 1974 under the notification of the Government of India in the Ministry of Health and Family Planning (Department of Health) No. GSR 1145, dated the 26th October, 1974 inviting objections and suggestions from all persons likely to be affected thereby till the 26th November, 1974 ;

And whereas the said Gazette was made available to the public on the 26th October, 1974 ;

And whereas the objections and suggestions received from the public on the said draft rules have been considered by the Central Government ;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 23 of the said Act, the Central Government, after consultation with Central Committee for Food Standards, hereby makes the following rules further to amend the Prevention of Food Adulteration Rules, 1955, namely ;

RULES

1. (1) These rules may be called the Prevention of Food Adulteration (Amendment) Rules, 1976.

(2) They shall come into force from the 1st July, 1976.

2. In the Prevention of Food Adulteration Rules, 1955, for rule 65 the following rule shall be substituted, namely :—

"65—Restriction on the use of insecticides :

The amount of insecticide mentioned in column 2, on the foods mentioned in column 3, shall not exceed the tolerance limit prescribed in column 4 of the Table given below :

TABLE

S. No.	Name of insecticide	Food	Tolerance limit mg/kg (ppm)	(1)	(2)	(3)	(4)
1.	Aldrin, dieldrin (The limits apply to aldrin and dieldrin singly or in any combination and are expressed as dieldrin).	Foodgrains Fruits and Vegetables Meat Eggs	Milk 0.01 0.15 (on a fat basis) 0.1				
			0.2 0.1 (on a shell-free basis).				
2.	Carbaryl	Foodgrains Okra and leafy vegetable Potatoes Other vegetables Cottonseed (whole) Maize cob (Kernels)	1.5 10.0 0.2 5.0 1.0 1.0				

(1)	(2)	(3)	(4)
3.	Chlordane (Residue to be measured as cis plus trans chlordane).	Foodgrains	0.05
		Milk and Milk Products Vegetables Fruits Sugar beet	0.05 (on a fat basis). 0.2 0.1 0.3
4.	D.D.T. (The limits apply to DDT, DDD and DDE singly or in any combination)	Milk and Milk Products. Fruits and vegetables including potatoes.	1.25 (on a fat basis). 3.5
		Meat, poultry and fish Eggs	7.0 (on whole product basis). 0.5 (on a shell-free basis).
5.	Diazinon	Foodgrains Vegetables	0.05 0.5
6.	Dichlorvos (content of dichloroacetaldehyde (DCA) be reported where possible).	Foodgrains Milled foodgrains Vegetables Fruits	1.0 0.25 0.15 0.1
7.	Dicofol	Fruits and Vegetables Tea (dry manufactured)	5.0 5.0
8.	Dimethoate (residue to be determined as dimethoate and expressed as dimethoate).	Fruits and Vegetables	2.0
9.	Endosulfan (residues are measured and reported as total of endosulfan A and B and endosulfan-sulphate.)	Fruits and vegetables Cotton seed Cottonseed oil (crude)	2.0 0.5 0.2 0.2
10.	Fenitrothion	Foodgrains Milled foodgrains Milk and milk products Fruits Vegetables Meat	0.02 0.005 0.05 (on a fat basis). 0.5 0.3 0.03
11.	Heptachlor (Combined residues of heptachlor and its epoxide to be determined and expressed as heptachlor).	Foodgrains Milled foodgrains Milk and Milk products Vegetables	0.01 0.002 0.15 (on a fat basis). 0.05
12.	Hydrogen cyanide	Foodgrains Milled foodgrains	37.5 3.0
13.	Hydrogen phosphide	Foodgrains Milled Foodgrains	0.05 0.01
14.	Inorganic bromide (determined and expressed as total bromide from all sources).	Foodgrains Milled Foodgrains Fruits Dried fruits and spices	25.0 25.0 30.0 100.0

(1)	(2)	(3)	(4)
15. Lindane	Foodgrains Milk and Milk products Fruits and vegetables Eggs. Meat and poultry	0.25 0.2 (on a fat basis). 3.0 0.1 on a shell-free basis). 2.0 (on whole basis).	
16. Malathion (Malathion to be determined) and expressed as combined residues of malathion and malaoxon).	Foodgrains Milled foodgrains Fruits Vegetables Dried fruits	4.0 1.0 4.0 3.0 8.0	
17. Parathion (Combined residues of parathion and paraoxon to be determined and expressed as parathion).	Fruits and Vegetables	0.5	
18. Parathion methyl (Combined residues of parathion-methyl and its oxygen analogue to be determined and expressed as parathion methyl.)	Fruits Vegetables.	0.2 1.0	
19. Phosphamidon Residues : expressed as the sum of the phosphamidon and its desethyl derivative).	Foodgrains Fruits and Vegetables	0.05 0.2	
20. Pyrethrins (Sum of pyrethrins and II and other structurally related insecticidal ingredients of pyrethrum).	Foodgrains Milled foodgrains Fruits and Vegetables	1.5 0.5 1.0	

Explanation :—For the purposes of this rule ; (a) the expression "insecticide" shall have the meaning assigned to it in the insecticides Act, 1968 (46 of 1968) ;

(b) Unless otherwise stated :—

- (i) maximum levels are expressed in mg. /kg. on a whole products basis.
- (ii) all food refer to raw agricultural products moving in commerce."

[No. P 15013/3/73-PH(D&MS)]

नई दिल्ली, 21 मई, 1976

सा० का० नि० 755.—बाय परिश्रण निवारण नियम, 1955 में और संशोधन करने के लिए कलिपय नियमों का प्रारूप, आय, अपमिश्रण निवारण अधिनियम, 1954 (1954 का 37) की धारा 23 की उपधारा (1) की प्रवेशानुसार भारत सरकार के स्वास्थ्य और परिवार नियोजन मंत्रालय (स्वास्थ्य विभाग) की अधिसूचना संघ्या सा० का० नि० 254(ई), तारीख 26 मार्च, 1976 के अधीन, भारत के राजपत्र भाग 2, खण्ड 3, उप-खण्ड (i) के पृष्ठ 890 पर प्रकाशित किया गया था, जिसके द्वारा उन अक्षियों से, जिनके उनसे प्रभावित होने की संभावना है, उस तारीख से जिसको उस राजपत्र की प्रतिक्रिया जनता को उपलब्ध कराई गई थीं जिसमें कि उक्त अधिसूचना प्रकाशित हुई थी, तो उस दिन की अवधि के भीतर आक्षेप सुझाव भगे गए थे;

23 GI/76—16

ग्रोर उक्त राजपत्र 26 मार्च, 1976 को जनता को उपलब्ध करा दिया गया था;

पौर उक्त प्रारूप अधिसूचना की बाबत जनता से कोई आक्षेप या सुझाव प्राप्त नहीं हुए;

यतः, अब, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 23 की उपधारा (1) द्वारा प्रवत्त अक्षियों का प्रयोग करते हुए, तथा केन्द्रीय आय मानक समिति से परामर्श करने के पश्चात् आय अपमिश्रण निवारण नियम, 1965 में और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाती है, अर्थात् :—

1. (1) इन नियमों का नाम आय अपमिश्रण निवारण (तृतीय संशोधन) नियम, 1976 है;

(2) ये 22 मई, 1976 को प्रवृत्त होंगे।

2. आय अपमिश्रण निवारण नियम, 1955 में, नियम 29 में, खण्ड (छठ) के स्थान पर निम्नलिखित खण्ड रखा जाएगा, अर्थात् :—

"(छठ) ऐलोहॉली येय (21 मई, 1977 तक की, जिसमें यह दिन भी सम्मिलित है, अवधि के लिए)"

[सं० पी० 15014/1/76-डी०ग्य एम० एस०]

रमेश बहादुर, प्रबंध सचिव

New Delhi, the 21st May, 1976

G.S.R. 755.—Whereas certain draft rules further to amend the Prevention of Food Adulteration Rules, 1955, were published as required by sub-section (1) of section 23 of the Prevention of Food Adulteration Act, 1954 (37 of 1954), at page 889 of the Gazette of India, Part II, Section 3, Sub-section (i), under the notification of the Government of India in the Ministry of Health and Family Planning (Department of Health) No. G.S.R. 254 (E), dated the 26th March, 1976, inviting objections/suggestions from the persons likely to be affected thereby within a period of 30 days from the date on which the copies of the official Gazette in which the said notification was published were made available to the public; and whereas the said Gazette was made available to the Public on the 26th March, 1976;

And whereas no objections or suggestions were received from the public on the said notification;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 23 of the said Act, the Central Government, after consultation with the Central Committee for Food Standards, hereby makes the following rules further to amend the prevention of Food Adulteration Rules, 1955, namely ;

1. (i) These rules may be called the Prevention of Food Adulteration (Third Amendment) Rules, 1976.

(ii) They shall come into force on the 2nd May, 1976.

2. In the Prevention of Food Adulteration Rules, 1955 in rule 29 for clause (gg), the following clause shall be substituted, namely :—

"(gg) Alcoholic beverages (for the period upto and inclusive of the 21st May, 1977).".

[No. P. 15014/1/76-D&MS]

RAMESH BAHAUDUR, Under Secy.

परमाणु जर्जरी विभाग

मुम्बई, 15 मई, 1976

सा. का. नि. 756.—केन्द्रीय सरकार, परमाणु उर्बा अधिनियम, 1962 (1962 का 33) की धारा 30 इवारा प्रवृत्त शक्तियों तथा इस नियमित उस समर्थ बनाने वाली अन्य सभी शक्तियों का प्रयोग करते हुए, विकिरण संरक्षण नियम, 1971 में संशोधन करने के लिए भिन्नालिखित नियम बनाती है, अर्थात्:—

(1) इन नियमों का नाम विकिरण संरक्षण (सुंशोधन) नियम, 1976 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होगे।

2. विकिरण संरक्षण नियम, 1971 में, नियम 5 के स्थान पर भिन्नालिखित नियम प्रतिस्थापित किया जाएगा, अर्थात्:—

“3. अटॉरेड वर्ष से कम आयु के व्यक्तियों के नियोजन का प्रतिबंध.—अटॉरेड वर्ष से कम आयु का कोई भी व्यक्ति विकिरण कर्मकार के रूप में नियोजित नहीं किया जायेगा।”

[सं. एफ. 14/2(5)/71-पी]

ए. ए. हादी, अपर सचिव

DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY

Bombay, the 15th May, 1976

G.S.R. 756.—In exercise of the powers conferred by section 30 of the Atomic Energy Act, 1962 (33 of 1962) and all other powers enabling it in this behalf, the Central Government hereby makes the following rules further to amend the Radiation Protection Rules, 1971, namely:—

(1) These rules may be called the Radiation Protection (Amendment) Rules, 1976.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the Radiation Protection Rules, 1971, for Rule 5, the following rule shall be substituted, namely:—

“5. Prohibition of employment of persons below the age of eighteen years:—No person under the age of eighteen years shall be employed as a radiation workers.”

[No. F. 14/2(5)/71-P]
M. A. HADI, Addl. Secy.